राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 डब्ल्यूपीएल में आरसीबी की मार्गदर्शक होंगी सानिया

भारतीय मूल की निक्की हेली लडेंगी अमेरिका के अगले राष्ट्रपति का चुनाव... 12

वर्ष : 10 | अंक : 275 | पटना, गुरुवार, 16 फरवरी, 2023 | पौष शुक्ल सप्तमी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

इस साल रक्षा बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योग में खर्च होगा : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि हमारे रक्षा उद्योग पर सरकार और समाज की निर्भरता इतनी बढ़ती जा रही है कि भारत के 'अमृत काल' में वित्त वर्ष 2023-24 के रक्षा बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योग में खर्च करने के लिए निर्धारित कर दिया गया है। एयरो इंडिया इतने भव्य तरीके से संपन्न हुआ है कि यह समारोह हमें एक संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि अपनी प्रगति की राह पर न तो हम कहीं थकेंगे, न ही कभी थमेंगे। रक्षा मंत्री बुधवार को बेंगलुरु में आयोजित एयरो इंडिया के तीसरे दिन 'बंधन' और समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। बंधन समारोह में 201 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए, 53 प्रमुख घोषणाएं की गईं, नौ उत्पाद लॉन्च किये गए और प्रौद्योगिकी के तीन हस्तांतरण सहित लगभग 80 हजार करोड़ रुपये की 266 साझेदारियां हुईं। इसके अलावा रक्षा मंत्री ने 'साइबर सुरक्षा' पर डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज का 9वां संस्करण लॉन्च किया। रक्षा मंत्री ने हर क्षेत्र में भारतीय स्टार्टअप के विकास की सराहना की, जिनकी संख्या आज बढ़कर लगभग एक लाख हो गई है, जिसमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमने 2021-22 के लिए भारतीय रक्षा उद्योग का हिस्सा 64% किया था, लेकिन रिकॉर्ड तोड़ते हुए यह खरीद 65% तक पहुंच गई। इसलिए 2022-23 के लिए हमने इसका हिस्सा 68% कर दिया। अब भारत के

'अमृत काल' को देखते हुए वित्त वर्ष 2023-24 के रक्षा बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योग में खर्च करने के लिए निर्धारित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 2020-21 के दौरान हमने पिछले रक्षा बजट में पूंजीगत खरीद के लिए 58% हिस्सा भारतीय रक्षा उद्योग के लिए आरक्षित किया था, जो भारतीय रक्षा उद्योग के लिए यह लम्बी छलांग थी। उन्होंने कहा कि आप अगर एक कदम बढ़ाते हैं, तो सरकार का यह वादा है कि सरकार उसके लिए दस कदम आगे बढ़ाएगी। आपने हमसे विकास की राह पर दौड़ने के लिए जमीन की बात की थी, पर आपकी गति और ऊंचाइयों को देखते हुए हम आपको भरा-पूरा आसमान उपलब्ध कराने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इस कदम के बाद हमारा रक्षा उद्योग और भी अधिक जोश और उत्साह के साथ सामने आएगा और देश के रक्षा क्षेत्र को और अधिक सशक्त और समृद्ध करने में अपना योगदान देगा। यह बड़ी खुशी की बात है कि एयरो इंडिया 2023 इसका साक्षी बना है। एयरो इंडिया ने हमें इस बात के लिए प्रेरित किया है कि अपनी प्रगति की राह पर न तो हम कहीं थकेंगे, न ही कभी थमेंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि एयरो इंडिया ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि नए भारत का नया डिफेन्स सेक्टर पिछले कुछ वर्षों में लगातार मजबूत ही नहीं हुआ है, बल्कि दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कदमताल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस समापन के साथ ही भारतीय रक्षा उद्योग के लिए एक नई राह प्रशस्त हो रही है।

मौसम

अधिकतम तापमान 25.0°C

न्यूनतम तापमान 14.0°C

बाजार

सोना	56,00
चांदी	53,200
सेंसेक्स	54,406
निफ्टी	22,303

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने की प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक

पटना। राज्यपाल फागू चौहान ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बिहार में नि-क्षय मित्रों के माध्यम से टीबी रोगियों को मिल रहे फूड बास्केट एवं अन्य सहायता की समीक्षा की तथा महत्वपूर्ण निदेश दिये। बैठक में राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी (यक्ष्मा), बिहार डॉ बाल कृष्ण मिश्र ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि राज्य के कुल 1,04,868 उपचाररत टीबी रोगियों में से 76,616 (73 प्रतिशत) रोगियों द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत पंजीकृत नि-क्षय मित्रों के माध्यम से सहयोग प्राप्ति हेतु आवश्यक सहमति प्रदान की गई है। इस अभियान के प्रारंभ होने की तिथि 9 सितम्बर से अब तक राज्य में कुल 1,470 टीबी रोगियों को 261 नि-क्षय मित्रों के माध्यम से फूड बास्केट प्रदान की जा रही है। बैठक में बताया गया कि सारण के जिला पदाधिकारी राजेश मीणा, पटना, कटिहार एवं मधेपुरा के संचारी रोग पदाधिकारी तथा नालंदा के सिविल सर्जन आदि के द्वारा स्वयं नि-क्षय मित्र बन कर टीबी रोगियों को सहायता प्रदान करना सबके लिए प्रेरणादायक है। बैठक में निर्णय लिया गया कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन व केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्यों एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों के अतिरिक्त सभी विश्वविद्यालयों तथा शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों से राज्य के नि-क्षय मित्र बनने हेतु अपील की जाएगी। इस बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव राबर्ट एल चोंग्थू, स्वास्थ्य विभाग के सचिव के सेंथिल कुमार, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण, इनोवेटर्स इन हेल्थ के मनीष कुमार, आईटीसी, मुंगेर के मैनेजर वाईपी सिंह, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, बिहार के चेयरमैन डॉ वीबी सिन्हा तथा पटना, दरभंगा एवं कटिहार के संचारी रोग पदाधिकारीगण (यक्ष्मा) एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 17 फरवरी को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के मद्देनजर अडानी समूह और उसकी सहयोगी कंपनियों की जांच उच्चतम न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की देखरेख में केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने का निर्देश देने की गुहार लगाने वाली कांग्रेस की नेता जया ठाकुर की याचिका पर पहले से दायर अधिवक्ता विशाल तिवारी और मनोहर लाल शर्मा जनहित याचिकाओं के साथ शीर्ष अदालत 17 फरवरी को सुनवाई करेगी। मुख्य नयायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को डॉ ठाकुर की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की। विशेष उल्लेख के दौरान जया ठाकुर के वकील शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई थी।

मुख्यमंत्री ने समाधान यात्रा के क्रम में गोपालगंज जिले की समीक्षात्मक बैठक की, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

अगर कहीं कोई कमी है तो उसे दूर किया जायेगा : नीतीश

बोलें- समीक्षा बैठक में एक-एक चीजों को लेकर हुई है चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाधान यात्रा के क्रम में गोपालगंज जिले में विभिन्न विभागों द्वारा चलायी जा रही विकास योजनाओं की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के काम में कहीं कोई कमी न रह जाये, इसी को देखने के लिए हमलोग घूम रहे हैं। हमलोगों के घूमने का यही मकसद है कि अगर कहीं कोई कमी है तो उसे दूर किया जाये। अभी समाधान यात्रा चल रही है। कल यात्रा समाप्त होगी। सभी जगहों पर हमलोग घूम रहे हैं। जहां जो भी काम करने की जरुरत है, उसे हमलोग देख रहे हैं। आज भी समीक्षा बैठक में सभी चीजों पर डिटेल से चर्चा हुई है। समीक्षा बैठक में एक-एक चीजों को लेकर चर्चा हुई है। बाढ़ के समय यहां जो समस्या होती है, उसका जायजा लेने हमलोग हमेशा आते रहे हैं। कहा कि गोपालगंज राज्य का बहुत महत्वपूर्ण स्थल है। इसके विकास के लिए हमलोग शुरू से काम कर रहे हैं। वर्ष 2009 में ही हमने यहां पर कई कार्य शुरू कराये थे। उस समय यहीं से बेतिया जाकर हमने यात्रा की शुरूआत की थी। गोपालगंज में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज खुलने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में बहुत सारे इंस्टीट्यूशन और कॉलेजों की स्थापना कराई गई है। मेडिकल कॉलेज भी बनवाये जा रहे हैं। सभी तरह के विकास के कार्य करवाये जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के द्वारा विपक्षी एकता की कवायद शुरू करने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सब अलग चीज है। इसके बारे में बाद में पूछिएगा। अभी हमलोग विकास के काम में लगे हुए हैं।

बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से स्टेबलिश करना है

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का लाभ लोगों को ससमय उपलब्ध करायें। बच्चियों का आधार पंजीकरण सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दें। बच्चियों के 2 वर्ष पूरे होने पर संपूर्ण टीकाकरण कराइये, यह काफी आवश्यक है, इसमें विलंब नहीं होना चाहिये। मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना/कुशल युवा कार्यक्रम को और अधिक प्रचारित करायें ताकि इसका अधिक से अधिक लोग लाभ ले सकें। पढ़ाई छोड़ चुके बेरोजगार युवाओं को कुष्क्ष युवा कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करें। नौकरी की तैयारी में लगे युवाओं को स्वयं सहायता भत्ता का लाभ अवश्य दें। उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के भुगतान में विलंब न करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बाढ़ प्रभावित इलाका है, हम यहां आकर कई बार स्थलीय निरीक्षण कर चुके हैं और इस इलाके में बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों का एरियली सर्वे भी कर चुके हैं। यहां विकास के अनेक कार्य कराये गये हैं। बाढ़ को ध्यान में रखते हुए भी हर जरूरी काम कराये गये हैं ताकि लोग सुरक्षित रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ निरोधी कार्य से संबंधित विभाग के अधिकारी और जिलाधिकारी जन प्रतिनिधियों के साथ जाकर बांध की स्थिति का जायजा लें। हर जरूरी काम बरसात से पहले पूर्ण करायें ताकि बाढ़ की स्थिति में भी लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना किसानों ने बंद पड़े सासामोसा चीनी मिल के पास अपने बकाये का भुगतान नहीं होने के संबध में जानकारी दी है।

किसानों के बकाये का भुगतान हो सके इस दिशा में पहल करें। गन्ना किसानों को हम प्रोत्साहित करते रहे हैं। बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से स्टेबलिश करना है। चीनी मिलों को चालू करने की प्रक्रिया के क्रम में ही गन्ना किसानों के अविलंब भुगतान के संबंध में नियम भी बनाया जायेगा। सासामोसा चीनी मिल प्रबंधन द्वारा अगर गन्ना किसानों के बकाये का भुगतान करने की दिशा में कदम नहीं उठाये गये तो उसे सीज कर सरकार किसानों के बकाये का भुगतान करने की दिशा में निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर नल का जल मेंटेन रखें। कहीं से अगर गड़बड़ी की शिकायत मिलती है तो उसे अविलंब ठीक करायें। पंचायत चुनाव एवं निकाय चुनाव में पुराने जनप्रतिनिधि यदि इस बार चुनाव हार गये हैं तो उनसे हर घर नल-जल योजना के काम को नये चुने हुए प्रतिनिधि के पास यथाशीघ्र ट्रांसफर करने का काम जल्द से जल्द करायें। बैठक में जिलाधिकारी गोपालगंज डॉ नवल किशोर चौ ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी।

उद्यमिता के लिए उद्यमी योजना के तहत दी जा रही आर्थिक मदद

मुख्यमंत्री ने गोपालगंज जिले में विकास योजनाओं का लिया जायजा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाधान यात्रा के क्रम में गोपालगंज जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत चल रही विकास योजनाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने गोपालगंज जिलान्तर्गत कुचायकोट प्रखंड के सिपाया टोला ग्राम स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में नवनिर्मित बालक एवं बालिका छात्रावास भवनों का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। नवनिर्मित छात्रावास भवनों में 300 छात्रों के आवासन की क्षमता वाले तीन बालक छात्रावास भवन एवं 200 छात्राओं के आवासन हेतु 2 बालिका छात्रावास भवन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने छात्रावास भवनों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जानेवाली सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। गोपलगंज जिले में विभिन्न विभागों द्वारा कराए गए एवं कराए जाने वाले विकास कार्यों का मुख्यमंत्री ने एकीकृत उद्घाटन तथा शिलान्यास किया। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, सिपाया में मुख्यमंत्री ने पौधारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग अंतर्गत बंदोबस्ती का पर्चा लाभार्थियों के बीच वितरित किया। मुख्यमंत्री मत्स्यकी विकास योजना के तहत मत्स्य बीज हैचरी का जीर्णोद्धार एवं उन्नयन योजना, मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं मुख्यमंत्री अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना से संबंधित सांकेतिक चेक मुख्यमंत्री द्वारा लाभार्थियों को प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभुकों से संवाद के क्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 से बिहार के सभी सरकारी विद्यालयों में पोशाक योजना लागू की गई, जिसके अंतर्गत सभी विद्यार्थियों को एक ही रंग एवं डिजाइन के पोशाक दिये जाते हैं, आप में से जो लोग वस्त्र उद्योग से जुड़े हैं वे सामान्य वस्त्रों के अलावा सरकारी विद्यालयों में बच्चों को दिये जाने वाले पोशाक भी तैयार करें। उन्होंने कहा कि उद्यमिता में रूचि रखने वाले लोगों को मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत आर्थिक मदद दी जा रही है ताकि वे अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। इसमें कुल 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता लोगों को प्रदान की जाती है, जिसमें 5 लाख रुपये का अनुदान और 5 लाख रुपये का ब्याजमुक्त ऋण का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने ग्राम सिपाया टोला का भ्रमण कर सात निश्चय योजना एवं अन्य विकास योजनाओं के तहत कराये गये हर घर नल का जल, हर घर तक पक्की गली और नाली का निर्माण, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना सहित अन्य विकास योजनाओं का जायजा लिया। भ्रमण के क्रम में मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके यथाशीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया।

ये रहें मौजूद : इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, खान एवं भूतत्व मंत्री सह गोपालगंज जिले के प्रभारी मंत्री डॉ रामानंद यादव, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग के मंत्री सुनील कुमार, विज्ञान एवं प्रावैधिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह, सांसद आलोक कुमार सुमन, विधायक प्रेमशंकर प्रसाद विधायक अमरेंद्र कुमार पांडे, पूर्व विधायक मंजीत कुमार सिंह, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आर एस भट्टी, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बालिका प्रोत्साहन योजना का लाभ तेजी से दिलाएं, कोई भी छूटे नहीं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने समाधान यात्रा के क्रम में पूर्वी चंपारण जिले की समीक्षात्मक बैठक की

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाधान यात्रा के क्रम में पूर्वी चंपारण जिले में विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना का लाभ तेजी से दिलाएं, कोई भी छूटे नहीं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के लिए बचे हुए आवासीय विद्यालयों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करें।

मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत आधार पंजीकरण का काम तेजी से कराएं, कोई भी छूटे नहीं, इसका ध्यान रखें। बाल हृदय योजना के तहत बचे हुए प्रभावित रुग्ण बच्चों के इलाज का प्रबंध कराएं। उन्होंने कहा कि सभी सड़कों को मेंटेन रखें। ग्रामीण सड़कों के मेंटेनेंस पर विशेष ध्यान दें। जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं के संबंध में जो सुझाव दिए हैं, उस पर गौर करें। बैठक के बाद पत्रकारों से

बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान यात्रा का मकसद सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी लेना, विकास का काम कितना हुआ है और कितना बाकी है, इसे देखना है। समस्या के समाधान को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया जाता है। एक-एक काम को पूरा कराना है। पहले की घोषणाएं अगर पूरी नहीं हुई हैं तो उसे पूरा करना है। अगर कहीं पर और काम करने की आवश्यकता है, उसे भी हमलोग करेंगे। हमारी यात्रा का मकसद ही यही है। यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यानि बापू की धरती है। बापू 1917 में यहां आये थे।

इसको लेकर हमलोगों ने वर्ष 2017 में शताब्दी समारोह का आयोजन कराया था। अभी हमारी यात्रा का मकसद यही है कि जो काम कराये जा रहे हैं, उसे देखना और इसके अलावा और क्या होना चाहिए, उन सब चीजों को जानना और समझना। अभी दूसरी बातों पर हम ध्यान नहीं दे रहे हैं। बैठक में पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जिले में विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। समीक्षा बैठक में शामिल जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं रखीं। जनप्रतिनिधियों की समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने पूर्वी चंपारण जिले में विकास योजनाओं का लिया जायजा

● समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को समाधान यात्रा के क्रम में पूर्वी चंपारण जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत चल रही विकास योजनाओं का जायजा लिया। समाधान यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री पूर्वी चंपारण जिले के बंजरिया प्रखंड की ग्राम पंचायत सिसवा पूर्वी पहुंचे जहां उन्होंने विकास कार्यों का जायजा लिया।

उन्होंने वहां उपस्थित ग्रामीणों से बात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उसके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। मुख्यमंत्री समाहरणालय परिसर पहुंचे जहां उन्होंने विभिन्न योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना और अंतजार्तीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के लाभार्थियों को भी मुख्यमंत्री ने सांकेतिक चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने 12,756 स्वयं सहायता समूहों को 350 करोड़ 62 लाख 50 हजार रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया और जीविका भवन की चाबी सौंपी। मुख्यमंत्री ने जैविक खेती के उत्पादों का भी जायजा लिया। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र पीपरा कोठी के समेकित कृषि प्रणाली मॉडल का निरीक्षण किया एवं अनवरत परिवेशीय वायु गुणवत्ता प्रबोधन केंद्र का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित किसानों को अनुदानित कृषि यंत्र की चाबी भी सौंपी। उन्होंने दिव्यांगजनों को बैट्री चालित ट्राई साइकिल एवं भूमिहीनों को बासगीत पर्चा प्रदान किये। इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चैधरी, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन मंत्री सह पूर्वी चंपारण जिले के प्रभारी मंत्री सुनील कुमार, पंचायती राज मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम, विधि मंत्री शमीम अहमद, विधान पार्षद महेश्वर सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

उद्घाटन विदेश मंत्री व फिजी के राष्ट्रपति ने नाडी में किया 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन...

वह युग गया जब प्रगति का मानक पश्चिमीकरण को माना जाता था : जयशंकर प्रसाद

नांदी (फिजी)/नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर और फिजी के राष्ट्रपति विलियम काटोनिवेरे ने बुधवार को फिजी के नाडी में 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट में कहा कि उद्घाटन समारोह में सेवु सेवू का पारंपरिक फिजियन स्वागत हुआ और एक स्मारक डाक टिकट के साथ-साथ छह हिंदी भाषा की किताबों का भी विमोचन किया गया।फिजी के राष्ट्रपति रातू विलिमे काटोनिवेरे और डॉ. जयशंकर ने फिजी के नाडी में 12 वें विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया।इस उद्घाटन समारोह में भारत और फिजी के मंत्रियों और सांसदों द्वारा शामिल।

इस मौके पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में पुनसंर्तुलन हो रहा है और वह युग पीछे छूट गया है जब प्रगति का मानक पश्चिमीकरण को

माना जाता था। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में धीरे-धीरे व्यापक बहु-ध्रुवीयता उत्पन्न हो रही है और अगर तेजी से विकास करना है तो यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनसंर्तुलन भी हो। जयशंकर यहां बारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में हिंदी के महत्व को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत जताते हुए जयशंकर ने कहा कि भाषा न केवल पहचान की अभिव्यक्ति है बल्कि भारत और अन्य देशों को जोड़ने का माध्यम भी है।

फिजी के प्रमुख शहर नांदी में फिजी सरकार और भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में दुनिया भर से हिंदी के करीब 1,200 विद्वान व लेखक भाग ले रहे हैं। देनाराउ कनवेंशन सेंटर में तीन दिन चलने वाले सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान फिजी के राष्ट्रपति रातू विलीमे कटोनिवेरी के अलावा भारत सरकार में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा तथा विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन भी मौजूद थे। इस मौके पर जयशंकर और राष्ट्रपति कटोनिवेरी ने संयुक्त रूप से एक डाक टिकट भी जारी किया। उद्घाटन सत्र में पहले फिजी के प्रधानमंत्री सित्विनी राबुका को मौजूद रहना था, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने बताया कि यहां संसद सत्र के चलते उनकी जगह राष्ट्रपति ने उद्घाटन सत्र में भाग लिया। राबुका हाल ही में प्रधानमंत्री बने हैं और 55 सदस्यीय संसद में उनके पास विपक्ष के मुकाबले केवल एक मत अधिक है।

जयशंकर ने कहा, अधिकांश देशों ने पिछले 75 वर्षों में स्वतंत्रता हासिल की और यह उसका ही परिणाम है कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक पुनसंर्तुलन हो रहा है। उन्होंने कहा कि शुरूआत में इसका स्वरूप आर्थिक था, लेकिन जल्द ही इसका एक राजनीतिक पहलू भी सामने आने लगा है। उन्होंने कहा कि इस प्रवृत्ति से धीरे-धीरे व्यापक बहु-ध्रुवीयता उत्पन्न हो रही है और अगर तेजी से विकास करना है तो यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक पुनसंर्तुलन भी हो।

जयशंकर ने कहा, वह युग पीछे छूट गया है जब प्रगति का मानक पश्चिमीकरण को माना जाता था। जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भाषा और संस्कृति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, भारत ने आजादी के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं और अब हम अगले 25 वर्ष के लिए एक महत्वाकांक्षी पथ पर आगे बढ़ रहे हैं जिसे हमने अमृतकाल कहा है। उन्होंने कहा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम है कि हम एक नए भारत का निर्माण होता देख रहे हैं। विदेश मंत्री ने ट्वीट में कहा कि उन्हें 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर पारंपरिक सेवु सेवु स्वागत से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रपति रातू विलीमे काटोनिवेरे की उपस्थिति में पारंपरिक सेवुसेवु स्वागत के लिए अपने आप को बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने पोस्ट किया, भारत और फिजी के स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना के बाद कावा का पहला प्याला लिया। फिजी के पारंपरिक स्वागत समारोह में भाग लेकर दिन की शुरूआत की है।

पद्मश्री के लिऐ बावन बूटी हस्तशिल्प के लिए चयनित कपिल देव प्रसाद को किया गया सम्मानित

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो पटना द्वारा किया सम्मानित

प्रात :किरण संवाददाता

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना द्वारा बसवन बिगहा गांव, बिहारशरीफ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत पद्मश्री के लिए चयनित नालंदा जिले के निवासी बुनकर कपिल देव प्रसाद को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव सम्मान समारोह कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि कपिल देव प्रसाद, अस्थवां के विधायक डॉ जीतेंद्र कुमार, प्रेस इनफॉरमेशन ब्यूरो के निदेशक आशीष लाकरा, उपनिदेशक संजय कुमार, केंद्रीय संचार ब्यूरो पटना के कार्यक्रम प्रमुख पवन कुमार सिन्हा, सामाजिक कार्यकर्ता और मेयर प्रतिनिधि मनोज कुमार तांती, डिप्टी मेयर आयशा शाहीन, अधिवक्ता रणविजय सिंह, समाजसेवी रमेश कुमार पान, मुखिया राम प्रवेश मिस्त्री ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पद्मश्री के लिए चयनित कपिल देव प्रसाद ने कहा कि केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बुनकरों में उत्साह देखा जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बसवन बिगहा के बुनकरों को सरकार की ओर से बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक अभाव में 52 बुटी से जुड़े बुनकर दूसरे रोजगार की ओर पलायन कर रहे हैं, ऐसी स्थिति में अगर सरकारी पहल होती है तो इस कला को बचाने की पहल होगी। श्री प्रसाद ने कहा कि यहां का बावन बूटी कला काफी पुरानी परंपरा है। मौके पर अस्थावा के जदयू विधायक डॉ जितेंद्र कुमार ने कहा कि कपिल देव प्रसाद लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं और नालंदा ही नहीं देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि बावन बूटी बुनकर व पद्मश्री के लिए चयनित कपिल देव प्रसाद अपनी तपस्या, मेहनत एवं कर्मठता के बदौलत इस मुकाम तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि बुनकरों की समस्याओं को वे बिहार विधानसभा में उठाने

का काम करेंगे ताकि बिहार के बुनकरों को बढ़ावा मिले। यहां से निर्मित परदा देश के राष्ट्रपति भवन में शोभा बढ़ाया करता था। इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय, पटना के निर्देशक आशीष कुमार लकरा ने कहा कि खादी को आत्मसात करने की जरूरत है। प्रत्येक व्यक्ति एक एक खादी का कपड़ा इस्तेमाल करता है तो खादी का उद्धार होगा। पीआईबी पटना के उप निदेशक संजय कुमार ने कहा कि कपिल देव प्रसाद जैसे जमीन से जुड़े बावन बूटी के बुनकरों को पद्मश्री के लिए चयन किया जाना इस बात का प्रतीक है कि भारत सरकार जमीन से जुड़े लोगों को उचित सम्मान देने की पहल हर हाल में करना चाहती है और संदेश देना चाहती है कि जनता जो काम कर रही है उसे उसका पूरा सम्मान मिले। समारोह को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता मनोज कुमार ताती ने कहा कि कपिल देव प्रसाद सिंह को पद्मश्री के लिए चुना जाना केवल नालंदा के लिए सम्मान की बात नहीं है बल्कि पूरे देश के लिए सम्मान की बात है, खासकर तांती समाज के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि इस विधि को नई तकनीक का प्रयोग कर इसे और व्यापक बनाए जाने की जरूरत है, ताकि बुनकरों की माली हालत में और ज्यादा सुधार हो। साथ ही इसे विश्व स्तर पर पहचान मिले। पद्मश्री के लिए चयनित कपिल देव प्रसाद की पत्नी लाखो देवी ने कहा कि हमें अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करनी चाहिए और इस काम में धर्म, जाति, संप्रदाय आदि को देखने की जरूरत नहीं है बल्कि प्रेम और ईमानदारी से जो काम किया जाए तो उसे पूरा सम्मान मिलता ही है। इस अवसर पर उपमहापौर आइसा शाहिन, सामाजिक कार्यकर्ता दानिश मलिक, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शशि भूषण, अधिवक्ता रणविजय सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रमेश कुमार, सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय प्रचार सहायक अमरेंद्र मोहन जबकि धन्यवाद ज्ञापन सीबीसी पटना के कार्यक्रम प्रमुख पवन कुमार सिन्हा ने किया। मौके पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना के क्षेत्रीय प्रचार सहायक नवल किशोर झा सहित अभय कुमार मौजूद थें।

बीबीसी पर छापेमारी व पत्रकारिता पर हमले के खिलाफ भाकपा का प्रतिरोध मार्च

प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर जताया विरोध

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पटना जिला परिषद द्वारा बीबीसी के कार्यालयों पर आयकर विभाग के छापेमारी पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। पटना जिला कार्यालय काजीपुर से प्रतिरोध मार्च निकाल नयाटोला, मछुआ टोली, लंगर टोली, बाकरगंज होता हुआ शहीद भगत सिंह चौक पहुंच सभा में बदल गया। यहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका गया। इसके पूर्व काजीपुर कार्यालय से झंडा, बैनर, पोस्टर के साथ बीबीसी पर छापेमारी क्यों जवाब दो, स्वतंत्र पत्रकारिता पर दमन क्यों जवाब दो, अभिव्यक्ति पर हमला नहीं सहेंगे, अडानी पर चुप्पी और बीबीसी पर हमला नहीं चलेगा आदि नारे लगाते हुए विभिन्न मार्ग से मार्च करते हुए शहीद भगत सिंह चौक पहुंचा। वहां देवरत्न प्रसाद की अध्यक्षता में सभा करते हुए प्रधानमंत्री का पुतला फूंका गया। पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व पार्षद मोहन प्रसाद ने कहा कि बीबीसी पर छापेमारी ने जाहिर कर दिया है कि देश में अघोषित आपातकाल है। सवाल उठाने वाले को, सच कहने वाले को सरकार बर्दाश्त नहीं करती है। ऐसी स्थिति को हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। जिला सचिव मंडल सदस्य प्रमोद नंदन ने कहा कि देश में शर्मनाक हाल है। सरकार अडानी जैसे लुटेरों को बचाती है और स्वतंत्र पत्रकारिता करने वालों पर दमन कर रही है। जिला कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुमार ने कहा कि बीबीसी पर यह हमला गुजरात दंगों की वास्तविकता सामने लाने की वजह से की गई है। लेकिन सच को दबाया नहीं जा सकता है। शहर के नेता शौकत अली ने ऐसे हाल पर जनता को आंदोलन करने का आह्वान किया। छात्र नेता व जिला कार्यकारिणी सदस्य पुष्पेंद्र ने कहा कि ऐसी घटनाएं ही बतातीं है कि देश में लोकतंत्र और संविधान खतरे में है।अंत में जिला सचिव विश्वजीत कुमार ने प्रतिक्रिया देने के लिए सभी साथियों को बधाई दी और कहा कि जनता की गोलबंदी और संघर्ष ही देश को बचाएगा, इसलिए संगठन और जन संघर्ष को तेज किया जाए। उक्त अवसर पर प्रलेस के उप महासचिव अनिश अंकुर, जिला परिषद सदस्य जयप्रकाश, मो कैसर, मंगल पासवान, राजेश कुमार, अभय सिंह, सुशील उमाराज, अनंत शर्मा, रामदेव चंद्रवंशी, अर्जुन पासवान, राजकुमार महतो, रवि कुमार ठाकुर, मो शकील, बबलू ठाकुर, अशोक राम, मिथिलेश चंद्रवंशी, उदय चौधरी आदि प्रतिरोध मार्च व पुतला दहन में शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

चोरी हो गई

दानापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत. न्यू मैनपुरा खरजां रोड निवासी व सैनिक अंजेश कुमार राय के कमरे के ताला तोड़ कर करीब चार लाख की सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया. गृहस्वामी बगल के कमरे में सोये थे. उन्हें चोरी की भनक तक नहीं लगी. इस संबंध में अंजेश कुमार राय ने स्थानीय थाना में मामला दर्ज कराया है. दर्ज प्राथमिकी में अंजेश ने बताया कि न्यू मैनपुरा खरजां रोड में सुनीता कुमारी पति सुनील कुमार के मकान में किराये पर रहते हैं. मंगलवार की रात बगल के कमरे में परिवार के साथ सोये हुए थे. इस बीच चोर बगल के कमरे का ताला तोड़ बैग व अलमारी से सोने-चांदी के गहने की चोरी कर ले गये हैं. ये करीब चार लाख से अधिक के थे. उन्होंने बताया कि सुबह देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था. थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है और आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाला जा रहा है, ताकि चोरों की शिनाख्त की जा सके

शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया

दानापुर. शाहपुर थाना के पुलिस बीते रात वाहन चेकिंग के दौरान थाने के पास 55 पीस अंगेजी शराब के साथ तस्कर विपिन बिहारी को गिरफ्तार किया गयाहै. गिरफ्तार विपिन खासपुर मनेर का निवासी है. थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि मंगलवार को रात थाना के सामने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को पकडा गया. पकडे युवक झोला में छुपाकर 55 पीस अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है.जो दानापुर की ओर ले जा रहा था. गिरफ्तार विपिन से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया

दानापुर ठगी के मामले मे दो व्यक्ति को भेजा गया जेल

दानापुर. ठगी के मामले में फरार चल रहे दो ठग को गिरफ्तार किया गया है. थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि एक बाबा ने ठगी करने के मामले में थाने में कांड संख्या 648/21 दर्ज कराते हुए उसरी शिकारपुर निवासी कृष कुमार व नीरू कुमारी के विरूद्ध मामला दर्ज कराया था. इसी मामले में पुलिस ने बीते रात गुप्त सूचना के आधार पर उसरी शिकारपुर निवासी कृष कुमार व नीरू कुमारी को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार कृष व नीरू से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. कुत्ते को बिस्किट खिलाने को लेकर दो परिवारों में हुई मारपीट दानापुर. थाना क्षेत्र के अंतर्गत जजेज कॉलोनी में कुत्ते को बिस्कूट खिलाने के विवाद को लेकर दो पडोसी नीरज कुमार व मनोज तिवारी के बीच मारपीट में एक परिवार के तीन जख्मी हो गए . जख्मी नीरज व उसकी मां व बहन को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बगहा में कड़ी सुरक्षा के बीच दूसरे दिन दस परीक्षा केंद्रों पर मैट्रिक परीक्षा कदाचारमुक्त शांतिपूर्ण तरीके सम्पन्न हुई

परीक्षार्थी रहे दोनो पाली में 221 छात्र व छात्राएं अनुपस्थित

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा बिहार बिद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा नगर में निर्धारित 10 परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समय से दोनों पालियों में बुधवार को विज्ञान विषय के साथ शुरू हुई इन परीक्षा केंद्रों पर दोनों पाली में कुल 221 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर अधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों का लगातार इन परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

एसडीएम ड़ॉ अनुपमा सिह ने बताया कि सभी केंद्रों पर बिल्कुल शांतिपूर्ण माहौल में लगातार प्रथम दिन की परीक्षा संपन्न हुई है। कहीं से किसी गड़बड़ी की शिकायत नहीं है। सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी अपनी

ड्यूटी में मुश्तैद रहे। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस पदाधिकारी व महिला व पुरूष पुलिस बल का बंदोबस्त करने के साथ मेडिकल टीम की भी व्यवस्था की गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर परीक्षार्थी को आवश्यक इलाज फौरन उपलब्ध कराया जा सके। उड़नदस्ता टीम भी परीक्षा केंद्रों का जायजा लेती रही। बताते चलें कि सहकारी प्रोजेक्ट बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पठखौली,बगहा दो में प्रथम पाली में 941 में 13 अनुपस्थित व दूसरे पाली में 931 में 15 अनुपस्थित रहे प्रोजेक्ट बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बगहा,में प्रथम पाली 928 में 21 अनुपस्थित व दूसरे पाली में 911 में 27 छात्राएं अनुपस्थिति रही पंडित उमाशंकर तिवारी महिला महाविद्यालय बगहा,में प्रथम में 749 में 4 अनुपस्थिति व दूसरे पाली में 732 में 12 छात्राएं अनुपस्थित रही आदर्श मध्य विद्यालय पटखौली में प्रथम पाली में 507 में 9 व दूसरे पाली में 507 में 6 छात्राएं अनुपस्थि रही मोंटफोर्ट पब्लिक स्कूल बनकटवा बगहा एक मे प्रथम पाली में 697 में 14 व दूसरे पाली में 705 में 15 छात्र अनुपस्थित रहे एनबीएस मिल्स उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरईपुर बगहा दो में प्रथम पाली में 864 में 10 व दूसरे पाली में 872 में 8 छात्र व छात्राएं अनुपस्थित रहे डीएम एकेडमी बगहा एक मे प्रथम पाली में 1073 में 13 व दूसरे पाली में 1044 में 16 छात्र अनुपस्थित रहे मध्य विद्यालय नरईपुर बगहा दो में प्रथम पाली में 283 में 4 व दूसरे पाली में 277 में 3 छात्र अनुपस्थित रहे बीबीएन कॉलेज औसनी बगहा दो में प्रथम पाली में 313 में 7 व दूसरे पाली में 315 में 8 छात्राएं अनुपस्थित रही सन राइज सेकेंडरी पब्लिक स्कूल बगहा दो में प्रथम पाली में 428 में 8 व दूसरे पाली में 716 में 8 छात्राएं अनुपस्थित रही इन 10 में से 6 परीक्षा केंद्रों पर छात्राएं परीक्षा दे रही हैं, जबकि चार पर छात्रों के परीक्षा की व्यवस्था है। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी से विशेष निगरानी की जा रही है।

बगहा - 2 के परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों समेत पटखौली थानाध्यक्ष लालबाबू यादव व अन्य पुलिस पदाधिकारी केंद्रों की निगरानी करते रहे।वही बगहा एक के परीक्षा केन्द्रों पर भी नगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा, नगर थाना के एसआई मोहम्मद खलील तथा एएसआई संतोष कुमार समेत प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी सतत चौकसी में जुटे रहे।

केमिकल कारोबारी से रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

- पड़ोसी बंटी सिंह रंगदारी मांग बंद कर देता मोबाइल
- जिस सिम से कॉल किया वह फेक, गिरफ्तार निकला पड़ोसी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

चौक थाना क्षेत्र के हरिमंदिर गली निवासी और झाऊगंज में केमिकल का व्यवसाय करने वाले वाहेगुरु पाल सिंह से पांच लाख रुपए की रंगदारी की मांग की गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एएसपी अमित रंजन ने चौक थाना परिसर में पत्रकारों को बताया कि इसी दस फरवरी को कारोबारी वाहे गुरुपाल सिंह को कॉल कर पांच लाख की रंगदारी की मांग की गई। साथ ही धमकी दी गई कि यदि उक्त राशि नहीं दी गई, तो गोली मारकर हत्या कर दी जाएगी। इस संबंध में पीड़ित कारोबारिया के द्वारा 10 फरवरी को चौक थाना में कांड संख्या 70/23 दर्ज कराया गया। चौक थाना के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता ने कांड के अनुसंधान की जिम्मेवारी एसआई रमेश कुमार को सौंपी। कांड की गंभीरता को देखते हुए एएसपी अमित रंजन के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम के द्वारा तेजी से एवं वैज्ञानिक अनुसंधान करते हुए कांड में संलिप्त एक अपरा कर्मी को 14 फरवरी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति चौक थाना क्षेत्र के हरिमंदिर गली का रहने वाला अमृतपाल सिंह का बेटा करीब 28 साल का हरजीत सिंह उर्फ बंटी है। उसके पास से पुलिस ने कांड में प्रयुक्त मोबाइल और सिम भी बरामद किया है। एएसपी अमित रंजन ने बताया कि जिस सिम से रंगदारी की मांग की गई थी, वह व्यक्ति फेक सिम का इस्तेमाल कर रहा था। यही नहीं, वह जब भी मोबाइल को ऑन करता और कारोबारियों को रंगदारी की मांग कर और धमकाने के बाद तुरंत बंद कर देता था। इससे पुलिस को खासा परेशानी हो रही थी, मगर पुलिस ने भी वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए अंततः रंगदारी मांगने वाले के गर्दन तक पहुंच ही गई। अंततः उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार हरजीत सिंह उर्फ बंटी कारोबारी वाहे गुरुपाल सिंह का पड़ोसी ही है और पूर्व में वह उसकी दुकान में काम भी कर चुका है। कांड के उद्भेदन में चौक थानाध्यक्ष गौरी शंकर गुप्ता, एसआई रमेश कुमार, सिपाही मंटू कुमार, अभिजीत कुमार और अभिषेक कुमार शामिल थे। एएसपी अमित रंजन ने कहा कि चौक थाना की पुलिस ने बेहतर काम करते हुए इस कांड का उद्भेदन किया है।

पश्चिम दरवाजा से चौक के बीच वाहनों का चलना हुआ मुश्किल

गुजरी बाजार, दीवान मोहल्ला, गुलजारबाग, घसियारी गली आदि को खोद डाला

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पुराना शहर पाटलिपुत्र में रहना लोगों के लिए अभिशाप बन गया है और यह पीड़ा यहां के लोग पिछले एक साल से झेलने को मजबूर हैं। मगर जनप्रतिनिधि, पुलिस प्रशासन के अधिकारी से लेकर पदाधिकारी हर कोई इस समस्या से जूझ रहे हैं, मगर कोई आवाज उठाने वाला नहीं है। नतीजतन नमामि गंगे सीवरेज परियोजना का कार्य कर रही एजेंसी मनमानेपन पर उतर गई है। पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी महज पत्राचार कर खानापूर्ति कर ले रहे हैं, तो जनप्रतिनिधि और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतागण भी आंख मूंद कर

तमाशबीन बने हैं। दूसरी और हर छोटी-बड़ी समस्याओं को लेकर धरना देने और बयानबाजी करने वाले बयान बहादुर नेता भी इस मुद्दे को लेकर चुप्पी साधे हैं। नेतृत्व विहीन जनता मन ही मन अपने आक्रोश का इजहार कर जाम का झाम झेलने को अभिशप्त है। स्थिति यह है कि इंटर के बाद दशम बोर्ड का परीक्षा चल रहा है। परीक्षार्थी से लेकर अभिभावक परीक्षा केंद्र तक जाने के लिए परेशान हाल दिखते हैं। अब इस परीक्षा के समाप्त होने के बाद सीबीएसई और आईसीएसई के टेंथ और ट्वेल्थ बोर्ड की भी परीक्षा शुरू होनी है। ऐसे में लोग परेशान हैं। स्थिति यह है कि मरीजों को ढोने वाला वाहन एंबुलेंस से लेकर रिक्शा, ऑटो तक में रहे मरीज दम तोड़ने को मजबूर हैं। दरअसल पिछले एक साल से सुदर्शन पथ, अशोक राजपथ, शेरशाह पथ के सादिकपुर से लेकर अंबेडकर गोलंबर के बीच, जल्ला रोड, सुदर्शन पथ के गुलजारबाग स्टेशन से लेकर नून की चौराहा के बीच, खाजेकलां-महावीर घाट रोड लिंक पथ इस कदर नमामि गंगे परियोजना से जुड़ी एजेंसी ने गड्ढा कर बेहाल कर दिया है कि किसी भी तरफ से तिपहिया या चार पहिया वाहन लेकर गुजर ना चुनौती बन गया है। इन लोगों का इस दूरी में वाहनों से गुजरना मुश्किल हो गया है। बची-खुची कसर मच्छरहट्टा के दुकानदारों और फुटपाथ दुकानदारों ने पूरी कर दिया है। इस दूरी में लोग फुटपाथ की कौन कहे, रोड पर अपना सामान रख कारोबार कर रहे हैं। उसी रोड पर ठेला और पिकअप वैन लगा कर माल की लोडिंग और अनलोडिंग भी हो रही है। नतीजा यह है कि एक तरफ नमामि गंगे, तो दूसरी ओर अतिक्रमण ने अशोक राजपथ, सुदर्शन पथ, शेरशाह पथ आदि रोड पर चलना लोगों का दुश्वार कर दिया है।

केंद्र सरकार की कार्य व योजना जनता तक पहुंचे

पटना सिटी (प्राकि)। भाजपा सावित्री सत्यवान मंडल के कार्यसमिति की बैठक मंडल अध्यक्ष अखिलेश मेहता की अध्यक्षता में हुई। इसमें पूर्व मंत्री सह विधायक नंदकिशोर यादव ने कहा कि कार्यकर्ता एकजुट होकर बूथ सशक्तिकरण के लिए कार्य करें। इसके लिए शक्ति केंद्र का विस्तार करते हुए केंद्र सरकार के कार्यकलाप और योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं।आयोजन में भाजपा के प्रदेश मंत्री रूपनारायण मेहता, महानगर के महामंत्री विनय केसरी, उपाध्यक्ष सुरेश सिंह पटेल, प्रो संजय श्रीवास्तव, रविशंकर मेहता, अजय आजाद, संजय सिन्हा, अविनाश पटेल, सुधीर यादव, दिलीप पासवान, उमेश केवट, सुबोध, राजन, दीपक, कमलकांत, सुजीत आदि उपस्थित थे।

पश्चिम चंपारण के डीएम ने किया शुभारंभ

- जीविका दीदी की रसोई अनुमंडलीय अस्पताल में मरीजों कराएगी भोजन,

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा बुधवार को डीएम कुंदन कुमार ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत एएनएम स्कूल में संचालित जीविका समूह द्वारा संचालित रसोई से अनुमंडलीय अस्पताल के मरीजों को नाश्ता, व भोजन उपलब्ध कराने की महती योजना का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस क्रम में रसोई घर में बनने वाले सभी सामानों की बिंदुवार जांच पड़ताल किया। महिला समूह के अध्यक्ष रीना देवी, सचिव रानी देवी सहित संस्था के डीपीएम आरके. निखिल, बीपीएम विनोद कुमार से पूछताछ किया।

अस्पताल में आपूर्ति को लेकर जैसे ही बताया गया कि मरीजों से आर्डर लेकर यहां एक व्यक्ति लाएगा। उसके बाद वहां भेजा जाएगा। डीएम ने कहा ऐसा नहीं करें। सभी आर्डर मोबाइल से मांगे और उसके बाद आपूर्ति करें। रसोई में काम कर रहीं कर्मियों से पूछ ताछ करते हुए क्या- क्या बना सकते है। इसका प्रशिक्षण आदि मिला है या नहीं पूछ ताछ किया। स्वच्छ, पौष्टिक आहार देने का निर्देश देते हुए जीविका समूह का उत्सावर्धन किया। इस मौके पर बगहा एसडीएम डॉ अनुपमा सिंह सहित अनुमंडल अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर के. बीएन. सिंह उपाधीक्षक डॉ एके तिवारी, रमेश रंजन सिंह उर्फ सिंटू सिंह, सहित अस्पताल के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

शिवरात्रि को ले जनसंपर्क, हुआ मंडप पूजन

पटना सिटी (प्राकि)। महाशिवरात्रि महोत्सव शोभायात्रा समिति की रजत जयंती वर्ष पर निकलने वाली शोभायात्रा को लेकर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान मालसलामी भट्टी पर, जमुनापुर, सिमली, कटरा बाजार, मंसूरगंज, नगला मेन रोड, मोर्चा रोड, किला रोड, पूर्वी नंदगोला, जलकद्दरबाग समेत अन्य मुहल्लों में समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण साह, संयोजक राजेश साह, सुरेश सिंह पटेल, राजू चंद्रवंशी, दिलीप चौधरी, मनोज वर्मा, धीरेंद्र सिंह, लल्लू शर्मा, विनय केसरी, संतोष जायसवाल, कौशल शर्मा, मुकेश अग्रहरि, हरेंद्र यादव, टिंकू राउत, शंभू प्रसाद, शाह कमल कृष्ण, किशोरी प्रसाद, संतोष चौरिसया ने जनसंपर्क अभियान चलाया। दूसरी ओर गायघाट करनालगंज स्थित पौराणकि संकट मोचन हनुमान मंदिर दुर्गा स्थान में बुधवार को मंडप पूजन से महाशिवरात्रि का अनुष्ठान आरंभ हो गया।

मुआवजा रोका मैरिन ड्राइव के लिए पायलिंग का काम.....

मुआवजा की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

वार्ड संख्या 72 में पड़ने वाले रिकाबगंज गंगा मंदिर के किनारे ग्रामीणों ने राघोपुर प्रखंड के जफराबाद टोक में गंगा किनारे पड़ने वाली लगभग 21 बिगहा जमीन मैरिन ड्राइव के लिए पायलिंग का काम काम शुरू होने से पहले ही रोक दिया। दीघा से दीदारगंज तक बनने वाले मैरिन ड्राइव में नया मोड़ आ गया है। किसानों से ली गई जमीन का अबतक मुआवजा ही नहीं मिला है। मामला मालसलामी थाना क्षेत्र के रिकाबगंज गंगा मंदिर घाट की है। यहां मरीन ड्राइव में लगे जेसीबी को काम करने से किसानों ने रोक दिया। गंगा मंदिर घाट पर किसानों के फसल लगे 21 बीघा रैयती जमीन पर जिला प्रशासन के आदेश पर अधिग्रहित किया गया। जमीन के जाने से किसानों में आक्रोश है। इसके विरोध में किसानों ने बुलडोजर और जेसीबी मशीन से हो रहे कार्य को बंद करा कर हंगामा किया है।साथ ही जिला प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी की। पीड़ित किसानों का कहना है की जमीन का लगान देने के बाद भी सरकार और जिला प्रशासन की टीम गंगा पथ बनाने के नाम पर बिना मुआवजा दिए किसानों की जमीन को

अधिग्रहण कर रही है। पीड़ित किसान ने बताया सरकार की विकास योजना में वह सब कोई बाधा नहीं पहुंचाना चाह रहे हैं, पर सरकार बिना मुआवजा दिए फसल लगे खेत पर बुलडोजर और जेसीबी लगा कर फसल को बरबाद कर रहे हैं और न ही जमीन का मुआवजा दे रहे हैं, जबकि जमीन अधिग्रहण मामले में हाईकोर्ट से किसानों के पक्ष में फैसला सुनाया गया है। लेकिन हाईकोर्ट के फैसले को जिला प्रशासन मानने को तैयार नहीं है।किसान रामजी प्रसाद, बिजेंद्र राय और मनोज कुमार का यह भी कहना है की जान दे देंगे, पर अपनी जमीन नहीं देंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर हमलोगों के 21 बीघे जमीन का मुआवजा नहीं मिलता है, तो हम जान दे देंगे। लेकिन बिना मुआवजा के जमीन नही देंगे। विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण जमीन पर कार्य कराने से पहले अधिग्रहण की प्रक्रिया अपनाते हुए सरकार से मुआवजा की राशि देने की मांग उठायी। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे रामजी प्रसाद ने बताया कि पटना उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में मुआवाजा की मांग की जा रही है।प्रदर्शन में शामिल शिवजी राय, सत्यनाराण राय, देवेंद्र राय आदि का आरोप है कि जमीन पर लगे फसल का नुकसान कर जेसीबी से कच्छी सड़क निर्माण कार्य आरंभ कराया गया है. आंदोलन पर उतरे लोगों का कहना है कि सरकार मुआवजा देने के बदले जमीन पर जबरन कब्जा कर रही है। जमीन बचाने के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा।

हिंदू मुस्लिम के नाम पर देश को बांटा जा रहा है : दीपंकर

लोकतंत्र बचाओ -देश बचाओ रैली में भाकपा माले ने केन्द्र के खिलाफ भरी हुंकार

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में लोकतंत्र बचाओ -देश बचाओ रैली में भाकपा माले ने बुधवार को केन्द्र सरकार के खिलाफ हुंकार भरी। माले नेताओं ने केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला। माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि हम सभी को सरकार के भरोसे नहीं रहना है बल्कि आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। आंदोलन की राह पर जाकर हम सरकार से अपनी बात मनवाएंगे। अपना अधिकार लेकर रहेंगे। प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा, इस पर उन्होंने कहा कि जब समय आएगा तब यह चेहरा साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी का आत्मनिर्भर नहीं बल्कि यह मोदी और अडाणी का भारत है। हर तरफ संकट ही संकट है। संकट से देश को बचाना है तो हमें एक होना होगा। केंद्र की सरकार जनता की नहीं बल्कि अमीरों की सरकार है। हिंदू मुस्लिम के नाम पर देश को बांटा जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने कहा है कि हम 50 साल तक देश पर राज करेंगे। यह लोकतंत्र की भाषा नहीं बल्कि राजतंत्र की भाषा है। यह नहीं चलेगा। दीपंकर ने नरेंद्र मोदी की तुलना हिटलर से की और कहा कि अब गुजरात की बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन गुजरात को हमें याद रखना होगा जैसे हिटलर को हम याद करते हैं। माले के विधायक संदीप सौरव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार हम लोगों का विकास नहीं चाहती। वह सिर्फ अडानी और अंबानी का विकास करने में लगी हुई है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहे हैं और पढ़े-लिखे युवाओं की बहुत खराब हालत पूरे देश में है। हत्यारों को सरकार बाहर निकाल रही है और संघर्ष करने वालों को जेल में डाल रही है। माले के विधायक मनोज मंजिल ने कहा कि बुलडोजर सरकार नहीं चलेगी। बिहार में प्रश्न पत्र लीक नहीं चलेगा। बिहार लोक सेवा आयोग हो या फिर बिहार कर्मचारी चयन आयोग सब जगह प्रश्न पत्र लीक हो जा रहे हैं और युवाओं को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। शशि यादव ने कहा कि बिहार सरकार ने अपने घोषणा पत्र में आशा कार्यकताओं सहित तमाम संविदा कर्मियों के लिए जो वादा किया था उस सभी को जल्द से जल्द पूरा करें। सभी की नौकरी स्थाई हो और मानदेय बढ़ाया जाए, नहीं तो हम सरकार को ताकत बता देंगे। माले पोलित ब्यूरो के सदस्य धीरेंद्र झा ने कहा कि जो जमीन सरकारी है वह जमीन हमारी है। केंद्र सरकार जन विरोधी सरकार है और उसे 2024 में उखाड़ फेंकना है। मीना तिवारी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की मनुवादी नीति नहीं चलने दी जाएगी महिलाओं के अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। इसे महिलाएं बर्दाश्त नहीं करेंगी। महाधिवेशन में तमाम लेफ्ट पार्टियों के साथ ही कई तरह के संगठनों को इसमें शामिल किया जा रहा है। बिहार के विभिन्न जिलों से संगठन के नेताओं सहित कार्यकताओं गांधी मैदान की रैली में मंगलवार की रात से ही पहुंचने लगे थे। बुधवार की सुबह ट्रेन और सड़क मार्ग से बड़ी संख्या में लोग रैली में पहुंचे हुए हैं। दावा किया जा रहा है कि गांधी मैदान में 50 हजार से भी ज्यादा की भीड़ है। रैली को लेकर इसको लेकर पटना की मुख्य सड़कों को लाल झंडों से पाट दिया गया है। गांधी मैदान के साथ ही उसके चारों ओर की सड़कों पर भी बड़ी संख्या में पोस्टर लगाए गए हैं। कई जगहों पर तोरण द्वार बनाए गए हैं। रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं भी दिखीं। कई महिलाओं के साथ छोटे-छोटे दुधमुंहे बच्चे भी नजर आए। बड़ी संख्या में युवा भी शामिल हुए। रैली में धीरेंद्र झा, प्रभात कुमार चौधरी, कृष्ण देव यादव, महबूब आलम, सत्यदेव राम, मंजू प्रकाश, राज्य सचिव कुणाल, वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता,सत्यदेव राम, विनोद सिंह, हलधर महतो, मीना तिवारी, माले विधायक दल के नेता महबूब आलम, राजा राम सिंह, ईश्वर पोखरेल, कृष्ण देव यादव सहित कई नेताओं की उपस्थिति खास रही। 16 फरवरी से माले का महाधिवेशन शुरू हो रहा है। यह 20 फरवरी तक चलेगा। यह पार्टी का ग्यारहवां महाधिवेशन है।

बदले की भावना से कार्रवाई कर रही भाजपा सरकार : श्रवण कुमार

● भाजपा को 2024-2025 में मुंह की खानी पड़ेगी : जयंत राज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रमीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा है कि भाजपा सरकार बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। बुधवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यककताओं के दरबार में मंत्री कार्यक्रम के बाद मंत्री पत्रकारों से बातचीत की। बीबीसी पर हुयी छापेमारी संबंधी सवाल पर श्रवण कुमार ने कहा कि जो लोग भी भाजपा के नेताओं या उनकी सत्ता के विरुद्ध बोलेगा उनके खिलाफ बदले की भावना से ग्रस्त होकर भाजपा के लोग इस तरह की कारवायी करेंगे ही। भाजपा के लोग जिस प्रकार नफरत फैला रहे हैं उन्हें इसका खामियाजा 2024 एवं 2025 में भुगतना पड़ेगा। अमित शाह के बिहार दौरे संबंधी सवाल पर कहा कि राजनीति में सभी का आना- जाना लगा रहता है पर उन्हें यहाँ कुछ मिलने वाला नहीं है। उन्हें यहां की समस्याओं और चिंताओं पर भी सोचना चाहिए, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने, पटना विवि को केन्द्रीय विवि का दर्जा देने पर बोलना चाहिए। बलियावी के बयान पर कहा कि यह मामला हमलोगों के नेता नीतीश कुमार के संज्ञान में आ गयी है, वो इस संदर्भ में उचित निर्णय लेंगे। उपेन्द्र कुशवाहा द्वारा जदयू के कमजोर होने की बात करते हुए 19-20 को बैठक बुलाये जाने संबंधी एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में लगातार मजबूत हो रही है। पिछले दिनों सम्पन्न सदस्यता अभियान में भी पार्टी के अब तक के सर्वाधिक सदस्य बने हैं। फिर भी अगर उन्हें कोई बात लगती है तो पार्टी में रखनी चाहिए, कोई गलत बात बोलना और अलग से बैठक बुलाना सही नहीं है। इस अवसर पर लघु जल संसाधन मंत्री जयंत राज ने भाजपा नेताओं द्वारा की जा रही बयानबाजी संबंधी एक सवाल के जवाब में कहा कि देश के लोग रोजगार और विकास चाहते हैं, बयान और जुमला नहीं। भाजपा को 2024- 2025 के चुनाव में आंटे- दाल का भाव पता चल जाएगा। आसन्न लोकसभा चुनाव में 7 दलों के महागठबंधन द्वारा बिहार की 40 में सभी 40 सीटें जीती जायेंगी। प्रशांत किशोर के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि रणनीति बनाना और राजनीति करना दो अलग बातें हैं वो राजनीतिज्ञ बनने की राह में चल पड़े हैं, सफर तय करने दीजिये, समय जवाब देगा। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के दिल्ली के मुख्यमंत्री से मुलाकात करने संबंधी सवाल पर कहा कि विपक्ष के सभी नेता एक दुसरे से मिल रहे हैं। हम सभी के सामने 2024 में देश में लोकतंत्र और संविधान बचाने का मुदा है। बताते चलें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर प्रदेश कार्यालय में सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने एवं जनसमस्याओं के समाधान हेतु होने वाले कार्यकर्ताओं के दरबार में मंत्री कार्यक्रम में बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं लघु जल संसाधन मंत्री जयंत राज सम्मिलित हुए और विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं को सुन उनका समाधान किया व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर महासचिव मृत्युंजय कुमार सिंह एवं सचिव वासुदेव कुशवाहा भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सम्मेलन में फिजियोथेरेपी के डॉ. सम्मानित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। अहमदाबाद में आयोजित फिजियोथेरापी संवर्ग के 60 वें कान्फ्रेस में बिहार आईएपी के प्रेसिडेंट एवम भुतपुर्व विभागध्यक्ष एवं नियंत्रंण पदाधिकारी बिहार कालेज ऑफ फिजियोथेरापी के प्रो.डॉ नरेन्द्र कुमार सिन्हा को बेस्ट प्रेसिडेंट एवं बिहार के ही डाक्टर अखिलेश झा को सिग्निफिकेंट कान्ट्युबुयशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अधिवेशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया था। इस कार्यक्रम के दौरान विश्व फिजियोथेरापी संघ के अध्यक्ष एवं डा एम्मा स्ट्रोक एवं विश्व फिजियोथेरापी संघ के सीईओ जानथन क्रुगर भी शामिल हुई, जिन्होंने इस अवार्ड को अपने हाथों से डा नरेन्द्र कुमार सिन्हा को प्रदान किया । यह जानकारी लोक नायक जयप्रकाश नारायणअतिविशिष्ट अस्पताल में कार्यरत फिजियोथेरेपिस्ट डा.मृत्युंजय कुमार ने दी।

कनाडा के कृषि मंत्री से मिले केन्द्रीय मंत्री पशुपति पारस

● द्विपक्षीय व्यापार और संभावित निवेशों के विस्तार पर की चर्चा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कनाडा के कृषि मंत्री डेवीड मारिट डिप्टी, असिस्टेंट डिप्टी मिनिस्टर ऑफ एग्रीकल्चर पॉल जॉनसन, जेम्स चेरेविक तथा अन्य प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में बातचीत की। इस अवसर पर द्विपक्षीय व्यापार और संभावित निवेश अवसरों के विस्तार के तरीके पर भी चर्चा हुई, जिसमें दोनों देश भारत और कनाडा के बीच आयात और निर्यात सम्बन्धों की ओर बढ़ावा मिल सकेगा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के क्षेत्र में केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस एवं कनाडा शिष्टमंडल के बीच सकरात्मक बातचीत हुई। श्री पारस कनाडा के कृषि विभाग से आये हुए शिष्टमंडल के माध्यम से मिलकर कार्य करने की संभावनाओं पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के मुताबिक, आत्मानिर्भर भारत अभियान के तहत शुरू की गई सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमी (पीएमएफएमई) योजना का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के असंगठित क्षेत्र में मौजूदा व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यमों की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना और इसको बढ़ावा देना है, क्षेत्र के किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और उत्पादक सहकारी समितियों को उनकी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के साथ सहायता प्रदान करते हैं। श्री पारस ने कनाडा के कृषि मंत्री से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र में हुए अभुतपूर्व विकास की जानकारी दी और कहा कि भारत और कनाडा भौगोलिक रूप से दूर है फिर भी दोनों देशों का संबंध मधुर है। श्री पारस ने आगे कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय मित्रता की स्थाई कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

चिराग ने बलियावी के बयान की कड़ी निंदा की

कहा-राजनीति चमकाने के लिए देते हैं उल्टा-सीधा बयान

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने सेना में मुसलमानों के लिए 30 फीसदी आरक्षण की मांग करने वाले जदयू नेता गुलाम रसूल बलियावी के बयान की कड़े शब्दों में निंदा की है। श्री चिराग कहा है कि जिस सेना की वजह से बलयावी जी जैसे नेता और पूरा देश सुरक्षित है उन पर सवाल उठाना या उन्हें अपमानित करना ठीक नहीं। श्री चिराग ने कहा कि देश में कई मुद्दे हैं जिनका सरोकार जनता से है, लेकिन ये लोग या उनकी पार्टी उसे नहीं उठाएगी। श्री चिराग ने पूछा कि सेना पर बयान देने वाले लोग बिहार के बदतर हालात पर क्यों नहीं बोलते। दरअसल ये लोग खबरों में बने रहने के लिए और अपनी राजनीति चमकाने के लिए ऐसे उल्टा-सीधा बयान देते हैं। श्री चिराग ने कहा कि ये लोग अपनी सियासी रोटी सेंकने के लिए केवल बांटने की राजनीति करते हैं और इसीलिए वे ऐसी बातों को छेड़ते हैं, जिससे उनका मकसद पुरा हो सके। श्री चिराग ने कहा कि आज जदयू की जो स्थिति है वह ऐसी ही मानसिकता की वजह से है। उनके बेतुके बयान हर बार उन पर भारी पड़ते हैं, लेकिन ये बाज नहीं आते। उक्त आशय की जानकारी लोजपा (रा) के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दी।

पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल ने जरूरतमंदों को कराया भोजन

पटना। पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल की सदस्याओं ने बुधवार को एलआईसी भवन के सामने करीब 200 से अधिक जरूरतमंदों को भोजन कराया। खाना खाकर सभी के चेहरे पर एक अजीब खुशी थी। आज का भोजन डॉ अर्चना जैन के बेटे ऋतिक अग्रवाल एवं सारिका पहाड़िया के बेटे शुभम जैन के जन्मोत्सव पर उनके द्वारा कराया गया। मौके पर मंडल की अध्यक्ष सरला जैन छाबड़ा ने कहा कि मंडल द्वारा अन्य जगहों पर खाना खिलाया जाएगा तथा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। गीता जैन ने बताया कि आज के इस भोजन शाला में, सोनू जैन गंगवाल, अर्चना जैन, सुनीता पहाड़िया, रंजू छाबड़ा, रजनी जैन, खुशबू जैन, प्रीति जैन, डॉक्टर रचना जैन ,ऋचा जैन सारिका पहाड़िया, निकिता अजमेरा, चंदा बगड़ा, शोभा छाबड़ा सभी ने अपना सहयोग दिया। साथ हीं शोभा अजमेरा, अनूप अजमेरा, प्रदीप पहाड़िया, प्रभात जैन, राजेश छाबड़ा ने भी बढ़-चढ़कर भोजन शाला में अपना योगदान दिया।

जननायक की पुण्यतिथि समारोह को लेकर युवा राजद की बैठक

पटना। राष्ट्रीय जनता दल द्वारा प्रस्तावित 17 फरवरी को आयोजित पटना के बापू सभागार में जननायक की 35वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम की सफलता को लेकर पार्टी के प्रदेश कार्यालय में युवा राजद के प्रदेश प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरूण कुमार यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई। ज्ञात हो कि पुण्यतिथि कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव एवं अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह करेंगे। बैठक में सर्वसम्मति से जननायक की 35वीं पुण्यतिथि को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया गया। इसके लिए युवा राजद द्वारा पटना शहर में जगह-जगह पर होर्डिंग, बैनर लगाया जायेगा और प्रचार-प्रसार किया जायेगा। युवा राजद के प्रदेश प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरूण कुमार यादव ने कहा कि राज्य भर के जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष सहित भारी संख्या में युवा राजद के कार्यकत्ता कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिएयुवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार विधान परिषद सदस्य मो कारी सोहैब जी के निदेशार्नुसार व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। बैठक में युवा राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात रंजन, सृजन स्वराज, प्रदेश महासचिव शिवेन्द्र कुमार तांती, अजीत कुशवाहा, शिवराज कुमार, फुदेना रविदास, शेखर यादव, जेम्स कुमार यादव, ऋषि यादव, ओमप्रकाश चैटाला, संतोष मेहता, अजय कुमार, अभिषेक चन्द्रवंशी, रोहित कुमार, सहित अन्य उपस्थित थे।

महाप्रबंधक अनुपम शर्मा की अध्यक्षता में पीएनएम की बैठक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

महाप्रबंधक अनुपम शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में ईस्ट सेन्ट्रल कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ रेल हित, कर्मचारी कल्याण संबंधी कार्यों पर विचार-विमर्श एवं सुझावों के आदान प्रदान हेतु स्थायी वार्ता तंत्र (पीएनएम) की वर्ष 2023 की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी जे के पी सिंह एवं सभी विभागों के प्रधान विभागाध्यक्षगण तथा अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि कर्मचारी हित अति महत्वपूर्ण है एवं रेल प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है। महाप्रबंधक ने प्रशासन के साथ सहयोगात्मक रवैये के लिए कर्मचारी यूनियन के प्रति आभार प्रकट करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रेलकर्मी के अथक परिश्रम से पूर्व मध्य रेल आने वाले समय में नई ऊंचाई प्राप्त करने में सफल रहेगा। बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। महाप्रबंधक ने कर्मचारी यूनियन के सुझाव को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक एवं त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि रेल हित एवं कर्मचारी कल्याण हेतु हर प्रकार की व्यवस्थाएँ की जाएगी जिससे रेलकर्मी एवं उनके परिवारजन को सुविधा हो। ईस्ट सेन्ट्रल कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष डीके पाण्डेय, महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव एवं यूनियन के मुख्यालय एवं मंडल के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

कल्चरल फिएस्टा 2023 में बच्चों ने दिखाया टैलेंट

पटना। राजधानी के प्रेसिडेंसी ग्लोबल स्कूल में कल्चरल फिएस्टा 2023 का रंगारंग आगाज हुआ। कल्चरल फिएस्टा के अवसर पर विद्यालय के सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा एक से लेकर दसवीं तक के बच्चों ने भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक सनीश कुमार एवं प्राचार्य डॉ अजय कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलन कर हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रार्थना एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। कक्षा 2 के बच्चों द्वारा महाभारत थीम पर नृत्य और भांगरा ने मौजूद लोगों को खूब झुमाया। बिहार के गीत , राजस्थान के कलबेलिया , हरियाणवी डांस और गुजराती गरबा का नृत्य भी बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई। फिएस्टा का निर्देशन कोरियोग्राफर कुमार जॉनी की देखरेख में हुई। मौके पर विद्यालय के निदेशक सनीश कुमार एवं प्राचार्य अजय कुमार के द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित भी किया गया। निदेशक सनीश कुमार ने कहा कि हर संस्कृति की महत्ता के लिए ऐसे कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चों को भारतीय संस्कृति से परिचय करवाना है। भारत विविधताओं का देश है और यहां की संस्कृति पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बनाती है ।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जारी की जिला पर्यवेक्षकों की सूची

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने पार्टी की मजबूती और आगामी सभी कार्यक्रमों की सफलता के लिए तथा जिले में कांग्रेस पार्टी के सफलतापूर्वक संचालन के लिए प्रत्येक जिला के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। इस सूची में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ विधायकों एवं विधान पार्षदों को जिम्मेदारी दी गयी है। जिला पर्यवेक्षकों की सूचि निम्नांकित हैं। पूर्व अध्यक्ष मदन मोहन झा को पश्चिम चंपारण का प्रभारी बनाया गया है। विजेंद्र चौधरी विधायक को पूर्वी चंपारण, पूनम पासवान को वैशाली, अजीत शर्मा को मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी में भावना झा को, शिवहर में मनोज कुमार सिंह को इंचार्ज दिया गया है। गोपालगंज में गुंजन पटेल, सिवान में कपिल देव यादव, सारण में प्रेमचंद्र मिश्रा, मधुबनी में प्रवीण सिंह कुशवाहा, दरभंगा में नागेंद्र विकल, समस्तीपुर में एल पी गुप्ता, सहरसा में कृपानाथ पाठक, सुपौल में तारानंद सदा, मधेपुरा में जय प्रकाश चौधरी, अररिया में शकील अहमद खान, पूर्णिया में तौकीर आलम ,किशनगंज में चंदन यादव, कटिहार में इजहारुल हुसैन, भागलपुर में डॉक्टर जावेद प्रभारी होंगे। बांका में अमित कुमार टुन्ना, मुंगेर में डॉ अशोक राम, लखीसराय में कैलाश पाल, शेखपुरा में अमिता भूषण, जमुई में कुमार आशीष, बेगूसराय में सुधीर कुमार उर्फ बंटी चौधरी, खगड़िया में प्रतिमा कुमारी दास, नालंदा में नरेंद्र कुमार, पटना शहर में सुबोध कुमार, पटना ग्रामीण-एक में अजय कुमार सिंह, पटना ग्रामीण 2 में कौकब कादरी, भोजपुर में अनिल कुमार शर्मा, बक्सर में आनंद शंकर, रोहतास में संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, कैमूर में राजेश कुमार, गया में विजय शंकर दुबे, जहानाबाद में डॉक्टर समीर कुमार सिंह, अरवल में आलोक हर्ष, औरंगाबाद में अवधेश कुमार सिंह और नवादा में अभय कुमार सर्जन को इंचार्ज दिया गया है।

आम लोगों व युवाओं को ठगना बंद करे भाजपा: राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्र सरकार व भाजपा पर आम लोगों व युवाओं को ठगने का आरोप लगाते हुए पूर्व विधायक व जदयू नेता राजीव रंजन ने कहा है कि वर्तमान केंद्र अपने 9 वर्षों के कार्यकाल का अपना पूरा समय आम लोगों व युवाओं को सब्जबाग दिखाने में बीता दिया। आम लोगों को उम्मीद थी कि इस सरकार में उनके अच्छे दिन आएंगे, उनके पास अधिक आय होगी, सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होगी और उन्हें नई-नई सहूलियतें मिलेंगी। लेकिन उल्टा हुआ। रोजगार और खत्म हुए, लोगों की आय घटी और आज लोग हाथ मलने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि सरकार की सबसे बड़ी कमी रोजगार पैदा करने में नाकामी है। जहां तो सरकार ने दो करोड़ रोजगार प्रति वर्ष उत्पन्न करने का वादा किया था, वहीं रिक्तियां होने के बावजूद भर्तियाँ नहीं निकाली गयीं। अब चुनावी वर्ष में महागठबन्धन के 10 लाख नौकरियों की देखादेखी यह लोग नौकरियां देने की कोशिश में लगे हैं। जदयू नेता ने कहा कि सरकार ने युवाओं के कौशल विकास के लिए पूरे तामझाम से स्किल डेवलपमेंट मंत्रालय की घोषणा की थी। इसे एतिहासिक कदम बताते करोड़ों रुपए खर्च किये गये।

होली के अवसर पर और 09 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का होगा परिचालन

● यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का लिया गया निर्णय

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

होली के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है । इनमें से 07 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की सूचना पूर्व में प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी जा चुकी है । इसी क्रम में और 09 जोडी.स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने का निर्णय लिया गया है - 04048/04047 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस - 04048 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 06 एवं 08 मार्च, 2023 को आनंद विहार से 23.00 बजे खुलकर अगले दिन 21.15 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04047 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 07 एवं 09 मार्च, 2023 को मुजफ्फरपुर से 23.00 बजे खुलकर अगले दिन 23.30 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।

-04412/04411 आनंद विहार-सहरसा-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस - 04412 आनंद विहार-सहरसा विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 02, 06 एवं 09 मार्च, 2022 को आनंद विहार से 11.10 बजे खुलकर अगले दिन 11.20 बजे सहरसा पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04411 सहरसा-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 03, 07 एवं 10 मार्च, 2023 को सहरसा से 14.30 बजे खुलकर अगले दिन 13.55 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

-04060/04059 आनंद विहार-जयनगर-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस - 04060 आनंद विहार-जयनगर आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 03, 07 एवं 10 मार्च, 2023 को आनंद विहार से 10.30 बजे खुलकर अगले दिन 15.15 बजे जयनगर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04059 जयनगर-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 04, 08 एवं 11 मार्च, 2023 को जयनगर से 17.00 बजे खुलकर अगले दिन 19.55 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।

-04062/04061 दिल्ली-बरौनी-दिल्ली आरक्षित सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस - 04062 दिल्ली-बरौनी आरक्षित सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 03 एवं 10 मार्च, 2023 को दिल्ली से 08.40 बजे खुलकर अगले दिन 02.40 बजे बरौनी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04061 बरौनी-दिल्ली आरक्षित सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 04 एवं 11 मार्च, 2023 को बरौनी से 04.45 बजे खुलकर उसी दिन 23.35 बजे दिल्ली पहुंचेगी ।

- 04064/04063 आनंद विहार-जोगबनी-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस- 04064 आनंद विहार-जोगबनी आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 04 एवं 11 मार्च, 2023 को आनंद विहार से 15.30 बजे खुलकर अगले दिन 22.30 बजे जोगबनी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04063 जोगबनी-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 06 एवं 13 मार्च, 2023 को जोगबनी से 01.20 बजे खुलकर अगले दिन 11.10 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।

- 04070/04069 आनंद विहार-सीतामढ़ी-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस - 04070 आनंद विहार-सीतामढ़ी आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 04, 07 एवं 11 मार्च, 2023 को आनंद विहार से 00.30 बजे खुलकर उसी दिन 21.30 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04069 सीतामढ़ी-आनंद विहार आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 05, 08 एवं 12 मार्च, 2023 को सीतामढ़ी से 00.15 बजे खुलकर उसी दिन 23.45 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।

- 04068/04067 नई दिल्ली-दरभंगा-नई दिल्ली आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस - 04068 नई दिल्ली-दरभंगा आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 02, 06 एवं 09 मार्च, 2023 को नई दिल्ली से 19.25 बजे खुलकर अगले दिन 16.30 बजे दरभंगा पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 04067 दरभंगा-नई दिल्ली आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 03, 07 एवं 10 मार्च, 2023 को दरभंगा से 18.00 बजे खुलकर अगले दिन 16.40 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।

- 04066/04065 दिल्ली-पटना-दिल्ली सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशलः गाड़ी सं. 04066 दिल्ली-पटना सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल दिनांक 04.03.2023 एवं 06.03.2023 को दिल्ली से 23.00 बजे प्रस्थान करेगी तथा विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 16.00 बजे पटना पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 04065 पटना-दिल्ली सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 05.03.2023 एवं 07.03.2023 को पटना से 17.45 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 10.35 बजे दिल्ली पहुंचेगी ।

- 03317/03318 धनबाद-सीतामढ़ी-धनबाद एक्सप्रेस स्पेशल - 03317 धनबाद-सीतामढ़ी एक्सप्रेस स्पेशल 09.03.2023 से 20.03.2023 तक प्रत्येक शनिवार, सोमवार एवं गुरूवार को धनबाद से 18.20 बजे खुलकर अगले दिन 06.30 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 03318 सीतामढ़ी-धनबाद एक्सप्रेस स्पेशल 10.03.2023 से 21.03.2023 तक प्रत्येक रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को सीतामढ़ी से 09.30 बजे खुलकर उसी दिन 21.30 बजे धनबाद पहुंचेगी ।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना– ECR_SPJ_ST_T_22_IPIS_R_SS

मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूर संचार/ समस्तीपुर निम्न कार्य हेतु भारत के राष्ट्रपति के ओर से खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

1. कार्य का नाम एवं स्थानः समस्तीपुर मंडल के सकरी (SKI) और सगौली (SGL) स्टेशनों पर एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (CGDB, AGDB, PDB और TADDB) का प्रावधान। **2. अनुमानित लागतः** रुपये 2,04,47,819.90/– (दो करोड़ चार लाख सैंतालीस हजार आठ सौ उन्नीस रुपये और नब्बे पैसे मात्र। **3. निविदा जमा करने की तिथि एवं समय एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** 02.03.2023 अपराह्न 16:00

पुलवामा में शहीद सैनिकों को जुलूस निकाल कर दी श्रद्धांजलि

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मंगलवार की देर संध्या प्रखंड के भुसवर गुलचंद महतो चौक से छात्र युवाओं ने 2019 पुलवामा हमला में सीआरपीएफ के 40 शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने कैंडल लेकर विभिन्न वार्डो से होते हुए भुसवर देवी चौक पहुंचे। वहां पहुंचने के बाद छात्र युवाओं का जुलूस एक सभा में बदल गई। जिसकी अध्यक्षता बैद्यनाथ कुमार व संचालन सुरज कुमार कर रहे थे। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए एसएफआई नेता अवनीश कुमार ने कहा कि आज से 4 वर्ष पूर्व पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर हमलावर आतंकियों ने 300 किलो आरडीएक्स विस्फोटक से लदे वाहन से जवानों के काफिले की बस को टक्कर मार दी। जिसमें 40 जवान शहीद हो गये और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे। घटना भले चार साल पुरानी है, लेकिन उसके जख्म आज भी हैं। उन जवानों की शहादत की टिस

आज भी हमलेगों के बीच बरकरार है। देश के अधिकांश सैनिक किसान परिवार से आते हैं। जब किसानों के बच्चे देश की रक्षा के दौरान शहीद हो जाते हैं तो इस पीड़ादायक समय में नेता लोग बयान देते हैं कि ये सेना में शहीद होने के लिए ही भर्ती होते हैं। जिसकी हम कड़ी शब्दों में निंदा करते हैं। मोदी सरकार आज तक पुलवामा आतंकी हमले के साजिशकर्ता का नामों का खुलासा नहीं की है। केंद्र सरकार इन साजिशकताओं का नाम छुपा रही है। जब इस हमला के साजिशकताओं को फांसी की सजा होगी तभी इन शहीद जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि मानी जाएगी। इस कैंडल मार्च में गगन कुमार, विकास कुमार शर्मा, पिंटू कुमार, सौरभ कुमार, राहुल कुमार, मो० मासूम, मो० सिराज, ऋषि कुमार, रंजन कुमार, नीतीश कुमार, विवेक कुमार, सुमित कुमार, गोपी कुमार, सोनू कुमार, आजाद, मनीष कुमार, मो०आंसर, राजीव कुमार, मो० कलाम, सचिन कुमार सहित सैकड़ों छात्र युवा उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रेल ट्रैक के पास सें युवक का शव बरामद, ट्रेन से गिरकर मौत की आशंका

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के कपूर्रीग्राम थाना क्षेत्र के निरपुर गुमटी के रेलवे लाइन पर ट्रेन से गिरकर एक अज्ञात युवक की दर्दनाक मौत हो गई है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना रेल पुलिस को दिया। तत्पश्चात आरपीएफ की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। बताया जाता है कि बुधवार की सुबह एक युवक किसी अज्ञात ट्रेन से समस्तीपुर मुजफ्फरपुर रेल सेक्शन के निरपुर रेल ट्रैक पर ट्रेन से गिर गया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। जिसे स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना रेल पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए सदर अस्पताल लेकर आई हुई थी, समाचार लिखे जाने तक युवक की पहचान नही की जा सकी थी।

विधायक के अनुशंसा पर लगा नया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों में हर्ष

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपूर विधानसभा के चोरा टभका पंचायत के रोटगन्ना ग्राम में विधायक अजय कुमार के अनुशंसा पर नए ट्रांसफार्मर लगाए जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में हर्ष है। विदित हो कि बीते दिनों भीषण गर्मी होने के बावजूद बिजली कटौती एवं लो वोल्टेज की समस्या को देखते हुऐ ग्रामीणों ने छठ घाट के निरक्षण के दौरान बलुआही घाट चौक पर विधायक के समक्ष बिजली संकट से अवगत कराया था। जिसे विधायक ने त्वरित संज्ञान में लेते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों को उसी समय फोन कॉल के माध्यम से विशेष निर्देश दिए थे। जिसका प्रतिफल था की उसके कुछ ही दिन बाद अधिकारियों ने स्थल निरक्षण कर लिया था। विधायक के अनुशंसा उपरांत बिजली विभाग को ट्रांसफार्मर उपलब्ध होते ही लगया रहा है।

दो घरों में लगी भीषण आग से लाखों रुपए के समान जलकर हुए राख

मोरवा, समस्तीपुर। ताजपुर थाना क्षेत्र के चकसिकंदर पंचायत के वार्ड संख्या एक में बीती रात लगभग 12 बजे भीषण आग लग गई। जिससे घर में रखे लाखों का संपत्ति जलकर राख हो गई। स्थानीय राजद के नेता सह पूर्व मुखिया प्रत्यासी संतोष यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि भीषण आग लगने से लाखों का संपत्ति जलकर राख हो गया है। वहीं आग लगने का कारण का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय विधायक एवं स्थानीय प्रशासन को देखकर उचित मुआवजे की मांग की है।

पटना में आयोजित किसान समागम में भाग लेने के लिए विभूतिपुर से 5 किसान हुए चयनित

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड के 5 किसानों को 21 फरवरी 2023 को बापू सभागार पटना में आयोजित किसान समागम में चयनित किया गया है। जिसकी सूची प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने जिला कृषि पदाधिकारी को भेजा है। किसान समागम के लिए विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत टभका से किसान रामबालक राय, शिवनाथपुर से राम बहादुर सिंह, महिषी से कपिलेश्वर कुंवर, कल्याणपुर दक्षिण से विकास कुमार एवं चोरा टभका से रामचंद्र महतो का चयन किया गया है।

बदमाशों ने युवकों को गोली मारकर किया गंभीर रूप से घायल, मिश्रा नर्सिंग होम में इलाज जारी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के दलसिंहसराय रोड पर घर से बाजार जा रहे एक बाइक सवार युवक को स्कार्पियो सवार बदमाशों के द्वारा उसे रोक कर गोली मार दी गई और इसके बाद बदमाश विद्यापतिनगर की ओर भाग खड़े हुए। बदमाशों के द्वारा गोली मारे जाने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे स्थानीय लोगों के द्वारा आनन-फानन में इलाज के लिए दलसिंहसराय

अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और घायल युवक के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। वहीं दलसिंहसराय अनुमंडलीय अस्पताल में घायल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया। जिसके बाद परिजनों ने घायल युवक को समस्तीपुर शहर के आरपी मिश्रा रोड स्थित मिश्रा नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहांमिश्रा नर्सिंग होम के संचालक डॉक्टर राजीव कुमार मिश्रा के द्वारा उसका इलाज किया गया। जिसके बाद गोली लगने से घायल हुए युवक खतरे से बाहर बताया गया। युवक की पहचान विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के बालकृष्णपुर मड़वा गांव के वार्ड नं0 4 निवासी स्व० विष्णुदेव महतो के 40 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार के रूप में किया गया है। घटना की सूचना पर नगर थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी पुलिस बल के साथ मिश्रा नर्सिंग होम में पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। वहीं डॉ राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि युवक की हालत स्थिर है बायें जांघ में एक गोली लगी है जिसे ऑपरेशन कर निकाल दिया गया है, उन्होंने बताया कि मरीज अब खतरे से बाहर है।

जेवरात चोरी मामले का चौथे दिन पुलिस ने किया खुलासा, जेवर फुलवारी से बरामद

कल्याणपुर, प्रात : किरण संवाददाता

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के झहुरी गांव से पिछले रविवार के दिन हुई चोरी के मामले में चोरी का जेवरात घर के पास फुलवारी से पुलिस ने बरामद कर लिया है। वहीं सूचना पर पहुंचे कल्याणपुर पुलिस की ओर से एसआई संजय कुमार ने बरामद सभी सामानों की सूची बनाते हुए जब्त कर थाने ले आई है। परिजनों का बताना है, कि रविवार को दोपहर दो बजे के आसपास घर के गोदरेज में रखे अठारह लाख की जेवर व बीस हजार नकदी पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया था। चोरी होने की प्राथमिकी गृहस्वामी द्वारा कल्याणपुर थाना में कराया गया था। कल्याणपुर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए दरभंगा पुलिस की मदद से डॉग स्क्वायड की टीम के द्वारा पूरे क्षेत्र में दबिश बनाए हुए था। जिसके परिणाम स्वरूप इसी कड़ी में बुधवार की आहले सुबह घर के पास ही फूल के पेड़ के जड़ के पास एक कपड़े में सभी जेवरात रखकर छोड़ दिया। सवेरे उठते ही किसी की नजर उस पोटली पर पड़ी। जिसके बाद संदिग्ध पोटली की तलाशी करने पर चोरी के सभी जेवरात बरामद होने की बात कही। इस बात की सूचना कल्याणपुर पुलिस को दी गई। सूचना के आधार पर पहुंचे कल्याणपुर पुलिस की ओर से एसआई संजय कुमार ने जेवरात को बरामद कर लिया।

अलग-अलग अगलगी की घटना में लाखों की संपत्ति जलकर राख

विभूतिपुर, समस्तीपुर

विभूतिपुर थाना क्षेत्र के देशरी कर्रख वार्ड वार्ड 06 चंदनटोल में विद्युत शार्ट सर्किट से एक आरा मिल में आग लग गई। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने विभूतिपुर थाना को दी। सूचना मिलते ही विभूतिपुर एवं रोसड़ा से अग्निशामक वाहन घटनास्थल पर पहुंची। जहां दमकल की सहायता से स्थानीय लोगों व फायर बिग्रेड की टीम के कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस अगलगी की घटना में मशीन के पार्ट्स, कुछ लकड़ी, एक

मोटरसाइकिल जलकर राख हो गए। वहीं आग बुझाने के क्रम में मिल के मालिक रामकुमार शर्मा की हाथ, कंधा व नाक झुलस गया। जिससे वह जख्मी हो गए। उनका उपचार जारी है। वहीं दूसरी ओर बेलसंडी तारा पंचायत के बूढ़ी गंडक नदी के किनारे श्मशान घाट के निकट झाड़ी एवं खेत में अचानक आग लग गई। आग की लपटें तेजी से गांव की ओर बढ़ रहे थे। जिसकी सूचना विभूतिपुर थाना एवं अंचलाधिकारी को दी गई। सूचना मिलते ही अग्निशामक वाहन घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

मानसिक रूप से बीमार शख्स ने पहले पत्नी की गला काटकर की हत्या फिर खुद फंदे से गया झूल

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

एक शख्स ने अपनी जिंदगी खत्म करने से पहले दिल दहला देने वाली वारदात को अंजाम दिया। उस शख्स ने वेलेंटाइन डे की रात को अपनी पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। पत्नी को मौत के घाट उतारने के बाद उसने अपने आप को भी खत्म कर लिया। घटना समस्तीपुर के पटोरी प्रखंड के जोरपुरा की है। घटना की जानकारी बुधवार सुबह उस वक्त मिली जब उसके बच्चे घर के अंदर गए। उसके बाद ग्रामीणों ने इस घटना की सूचना हलई पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हलई पुलिस घटनास्थल पहुंच जांच में जुट गयी। जानकारी के मुताबिक पत्नी की मारकर आत्महत्या करने वाला पति लालबाबू सदा मानसिक रूप से बीमार था। उसकी पत्नी खेतों में मजदूरी कर अपना और परिवार का भरण-पोषण करती थी। दोनों के पांच बच्चे हैं। घर में एक बूढ़ी मां भी है। सरकार की ओर से एक इंदिरा आवास मिला था जिसमें पूरा परिवार गुजर बसर कर थे। घटनास्थल से प्राप्त जानकारी के अनुसार जोरपुरा पंचायत स्थित मुसहरी टोला निवासी लालबाबू सदा नियमित रूप से नशापान करता था। आसपास के लोगों के अनुसार वह मानसिक रूप से विक्षिप्त था। परिवार में लालबाबू सदा उसकी पत्न ी सामो देवी के अलावा लालबाबू की बूढ़ी मां, तीन लड़के एवं दो लड़कियां रहती है। लालबाबू के पिता का देहांत पहले ही हो चुका है। मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के कारण लालबाबू की पत्नी एवं मां खेतों में मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करती थी। मंगलवार रात लालबाबू की मां एवं बच्चे घर के झोपड़ी वाले हिस्से में सो गए, जबकि लालबाबू और उसकी पत्नी सामो देवी एस्बेस्टस वाले कमरे में सो गए। सुबह जब घर के सदस्य अंदर पहुंचे तो पाया कि खून से लथपथ सामो देवी की लाश पड़ी थी। किसी तेज धारदार हथियार से सामो का गला काटकर हत्या की गई है। उसी कमरे की खिड़की में रस्सी बांधकर लालबाबू ने भी आत्महत्या कर ली थी। हलई पुलिस घटनास्थल पहुंच कर घटना की पड़ताल कर रही है। इस घटना से पूरा परिवार बिखड़ गया है। घर में मां और पांच बच्चों को देखने वाला कोई नहीं है। पुलिस मौके पर पहुंच कर छानबीन कर रही है। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। लोगों के बीच तरह तरह की चर्चा आम हो रही है।

सोना लूटकांड में संलिप्त एक अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के हरपुर ऐलौथ में बीते माह हुए सोना लूट कांड में संलिप्त रहे एक अपराधी को मुसरीघरारी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर समस्तीपुर नगर थाना क्षेत्र के स्टेडियम मार्केट के पास से हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बड़बट्टा निवासी के रूप में हुई है। बता दें कि बीते तीन जनवरी 2023 को मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के हरपुर ऐलौथ पोखर के पास अपराधियों ने सोना लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इसी मामले में 27 जनवरी को एसआईटी के द्वारा उक्त घटना में संलिप्त तीन अपराधियों को हुंडिया पेट्रोल पंप के पास से हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस घटना में संलिप्त अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए मुसरीघरारी पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। इस बाबत मुसरीघरारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि सोना लूट मामले में गिरफ्तार की संलिप्तता थी और पुलिस के द्वारा पूछताछ में उसने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि उसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस तथा एक विवो कंपनी का मोबाइल बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में उसने अपने अन्य साथियों का नाम भी पुलिस को बताया है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। उन्होंने बताया कि उसे न्यायिक हिरासत में समस्तीपुर भेज दिया गया है।

7000 से अधिक परीक्षा केंद्रों और दुनिया के 26 देशों में शुरू हुई सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में सीबीएसई की 10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षा शुरू हो गई है। सीबीएसई दसवीं बोर्ड के लिए पहला टेस्ट पेंटिंग का है। वहीं 12वीं कक्षा के लिए 15 फरवरी को पहली परीक्षा एंटरप्रेन्योरशिप की हो रही है। बुधवार 15 फरवरी से शुरू हुई 10वीं की परीक्षाएं 21 मार्च और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं पांच अप्रैल को समाप्त होंगी। सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं देशभर के 7,250 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जा रही हैं। दुनिया भर के 26 देशों में सीबीएसई की परीक्षाएं 15 फरवरी से प्रारंभ हो गई। इन परीक्षाओं में 38 लाख 83 हजार 710 छात्र शामिल हो रहे हैं। इनमें से 21,86,940 परीक्षार्थी 10वीं की परीक्षा और 16,96,770 परीक्षार्थी 12वीं की परीक्षा देंगे। हालांकि पहले दिन परीक्षा देने वाले छात्रों की संख्या अधिक नहीं है। इसका कारण यह है कि अभी दसवीं और बारहवीं कक्षा के मुख्य विषयों की परीक्षाएं शुरू नहीं हुई हैं। सीबीएसई बोर्ड द्वारा तय शेड्यूल के मुताबिक 10वीं एवं 12वीं दोनों ही कक्षाओं के लिए परीक्षाएं सुबह 10 बजकर 30 मिनट से शुरू हुई। छात्रों को परीक्षा से एक घंटा पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने का निर्देश दिया गया था। सीबीएसई का कहना है कि अप्रैल तक चलने वाली इन सभी परीक्षाओं में 10 बजे तक छात्रों को परीक्षा केंद्र में अपना प्रवेश सुनिश्चित कर लेना चाहिए। सीबीएसई बोर्ड की ये परीक्षाएं दोपहर 1 बजकर 30 मिनट पर समाप्त होगीं। दसवीं कक्षा के लिए पहला टेस्ट पेंटिंग का है। 27 फरवरी को दसवीं कक्षा के लिए अंग्रेजी की परीक्षा ली जाएगी। 4 मार्च को विज्ञान की परीक्षा होगी। 11 मार्च को संस्कृत, 15 मार्च को सोशल साइंस, 17 मार्च को हिंदी और 21 मार्च को गणित की परीक्षा ली जाएगी। वहीं 12वीं कक्षा के लिए 15 फरवरी को पहली परीक्षा एंटरप्रेन्योरशिप थी। 20 फरवरी को हिंदी, 24 फरवरी को इंग्लिश, 28 फरवरी को केमिस्ट्री, 2 मार्च को जियोग्राफी, 6 मार्च को फिजिक्स, 9 मार्च को लीगल स्टडीज, 11 मार्च को गणित, 16 मार्च को बायोलॉजी और 17 मार्च को इकोनॉमिक्स की परीक्षा ली जाएगी।

गर्भवती महिला की इलाज के दौरान हुई मौत

कल्याणपुर, प्रात : किरण संवाददाता

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बरहेता गांव में अवैध रूप से चल रहा है कि निजी क्लिनिक में बुधवार की सुबह एक गर्भवती महिला की ईलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतक के परिजनों के अनुसार गर्भवती महिला की पेट में पल रही पुत्री के कारण जच्चा बच्चा को खतरा बताया गया। जहां गर्भ पात करने की सलाह दी गई। जिसके बाद इलाज के लिए बुधवार को नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। जहां बुधवार की सुबह ईलाज के दौरान ही मौत हो गई। वहीं मृतक महिला की पहचान मिजार्पुर ध्रुवगामा गांव निवासी जय कुमार सहनी की पत्नी 35 वर्षीय प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है। मौके पर मृतक की सास सुनीता देवी का बताना है, कि विते 13 फरवरी के रोज पेट में दर्द होने पर इलाज के लिए नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। जहां गर्भ को तत्काल नष्ट करने का सलाह उपस्थित डॉक्टरों ने दिया। जिसके बाद पीड़ित महिला को परिजनों ने भर्ती कराया। इस संबंध में निष्ठा पोलो क्लीनिक के संचालक नीलेंदु ठाकुर ने बताया, महिला की अचानक हृदय गति रुक जाने से मौत हो गई है। इसका यहां जारी इलाज से मौत का कोई लेना देना नहीं है। घटना की सूचना पर मृतक के परिजन वहां पहुंचकर हंगामा करने लगे। जिसके बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि व बुद्धिजीवियों की मदद से गुस्साए परिजनों ने काफी हंगामा करने लगे। जिसके बाद स्थानीय बुद्धिजीवियों एव जनप्रतिनिधियों ने मिलकर मामले को शांत कराया। मृतक प्रियंका के शव को ले जाने से पूर्व मुआवजा की मांग कर रहे थे। जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहयोग से दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दी गई है। वहीं इस संबंध में थाना अध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि मौत होने की सुचना नहीं मिली है। मृतक के परिजन द्वारा आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी

दुष्कर्म के प्रयास में असफल बदमाशों ने महिला का हाथ-पैर तोड़ा, प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म के प्रयास में असफल बदमाशों ने महिला की हाथ पैर तोड़ दिया। मामला को लेकर पीड़ित महिला के पति ने चार लोग ब्रजेश कुमार राय, चंद्र देव राय, चंदेश्वर राय, जय राम राय को आरोपित करते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि मेरी पत्नी घर के बगल में लगे सब्जी तोड़ रही थी। तभी उपर्युक्त नामित बदमाशों ने जबरन उसे उठाकर बगल के खेत में ले गया। एवं दुष्कर्म का प्रयास किया। जिसके बाद मेरी पत्नी उसे धक्का देकर चीखने चिल्लाने लगी। दुष्कर्म के प्रयास में असफल होने पर बदमाशों ने ईट एवं बांस के डंडे से हमला कर दिया। जिससे मेरी पत्नी की हाथ एवं कमर की हड्डी टूट गई। इसके बाद बदमाशों ने गले का मंगलसूत्र एवं कान की बाली खिंचकर फरार हो गया।

32 बोतल विदेशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

पूसा, समस्तीपुर। पूसा थाना अध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के मलिकौर से बालू के ढेर से बीते मंगलवार रात गुप्त सूचना के आधार पर पूसा पुलिस दल ने 32 बोतल यानी 5 लीटर 760 मिली लीटर विदेशी शराब बरामद बरामद किया है। इस मामले में मलिकौर निवासी कामेश्वर राय के पुत्र संतोष राय एवं संतोष राय के पुत्र संगम कुमार को गिरफ्तार किया है।

शिविर मानव शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शरीर का रक्त वर्ष में दो बार अवस्य देना चहिए...

रक्तदान करने से इंसान स्वस्थ रहते हैं : प्रधानाचार्य डॉ. राजकिशोर तुगनायत

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखण्ड के नरघोघी स्थित गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज समस्तीपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना व उड़ान-आर्ट्स एंड कल्चरल क्लब के सोशल अवेयरनेस सोसाइटी के द्वारा रक्तदान शिविर कैंप का आयोजन किया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ० राजकिशोर तुगनायत ने रक्तदान शिविर लगाने आए रक्त आयोग के सदस्य का बुके देकर स्वागत किया। अपने सभी छात्र छात्राओं को रक्त देने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि मानव शरीर को स्वस्थ रखने

के लिए शरीर का रक्त वर्ष में दो बार अवस्य देना चहिए। कहा कि रक्त दान देने से किसी असहाय, गरीब व्यक्ति को जरूरत के समय मदद मिल सकती है। जो रक्त दान करते हैं, उनके शरीर फिर से शुद्ध रक्त बनते है। जिससे इंसान का शरीर स्वस्थ और बीमारमुक्त रहता है। इस कार्यकम की शुरूआत संस्थान के प्रधानाचार्य ने सर्वप्रथम रक्त दान करके किया। इसके बाद संस्थान के सभी शिक्षको ने भी अपनी रक्त दान किया। इनको देख संस्थान के लगभग 150 से अधिक छात्र छात्राओं ने भी रक्त दान किया। इस मौके पर रक्त संग्रह करने आए रक्त आयोग के सदस्य ने सभी रक्तवीर को एक ब्लड डोनर कार्ड, फल और जूस दिया। साथ ही सभी रक्तवीर को संस्थान के उड़ान क्लब द्वारा रक्तवीर को एक सर्टिफिकेट दिया गया। रक्त शिविर लगाने आए रक्त आयोग के सदस्य ने इस अयोजन के लिए संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ० राजकिशोर तुगनायत को धन्यवाद किया। उन्होंने बोला इस तरह का कार्यक्रम समस्तीपुर के किसी संस्थान में नहीं हुआ था। इस संस्थान में पहली बार हुआ। प्रधानाचार्य व स्टूडेंट रिप्रजेंटेटिव काउंसिल व उड़ान आर्ट्स एंड कल्चरल क्लब के चेयरमैन प्रो० अभय कुमार ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस कॉर्डिनेटर और क्लब के सोशल अवेयरनेस सोसाइटी के कॉर्डिनेटर को सराहा और आगे भी इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करते रहने का सलाह दिया।

401 कार्टन विदेशी शराब बरामद, एक कंटेनर और एक पिकअप जब्त

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के कपूर्रीग्राम थाना पुलिस ने बुधवार की शाम गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल के पास समस्तीपुर पूसा मार्ग में छापेमारी कर कंटेनर और पिकअप पर लदे भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त किया है। वहीं शराब कारोबारी मौके से फरार हो गए। एसआई इम्तियाज उल हक खान ने बताया कि शराबबंदी को लेकर पूरे थाना क्षेत्र में लगातार छापेमारी किया जा रहा है और उसी क्रम में पुलिस ने शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। बरामद शराब की मात्रा 401 कार्टन में पुलिस 2726 लीटर बतायी गई है।

ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन लेने का निर्णय

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड के केदार संत रामाश्रय इंटरमीडिएट महाविद्यालय, सरायरंजन में बुधवार को शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों की एक बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से महाविद्यालय की शैक्षिक प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही कॉलेज में नामांकन, पंजीयन, परीक्षा प्रपत्र, महाविद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र एवं अन्य कार्य हेतु आवेदन महाविद्यालय के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से लेने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो० बद्रीनारायण झा ने की। मौके पर प्रो० नवीन कुमार चौधरी, प्रो० दीनानाथ झा, प्रो० अविनाश कुमार, प्रो० मोहम्मद असगर अली, प्रो० खुशबू कुमारी, प्रो० अनु कुमारी, प्रो० अनुराधा कुमारी, विकास कुमार झा, जयकांत ईश्वर, बमबम कुमार, उमेश झा, अरविंद कुमार आदि मौजूद रहे।

नल जल योजना में गबन के आरोपी पूर्व वार्ड सदस्य और एक नशेड़ी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत हथौड़ी थाना क्षेत्र के रहटौली पंचायत में नल जल योजना के 5 लाख 40 हजार गबन मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी को रहटौली गांव से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार की पहचान सुरेश साह के पुत्र और वार्ड संख्या 4 के पूर्व वार्ड सदस्य भोला साह के रूप में हुई है, जिसे जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने कहा कि थाना क्षेत्र के अन्य गबन मामलों के आरोपितों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी। वहीं उन्होंने बताया कि रात्रि गश्ती के दौरान बल्लीपुर गांव में शराब पीकर हंगामा करने के आरोप में बृहस्पति राम के पुत्र सोनू कुमार को गिरफ्तार किया है। जांच के क्रम में शराब पीने की पुष्टि होने पर मामला दर्ज करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मौके पर हथौड़ी थाना अध्यक्ष विशाल कुमार सिंह, एसआई रमेश कुमार, चौकीदार अमृतम प्रसाद समेत अन्य मौजूद थे।

मुसरीघरारी में निकाला गया कैंडल मार्च

सरायरंजन, समस्तीपुर। मुसरीघरारी में स्थानीय युवाओं ने मंगलवार की देर शाम पुलवामा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च निकाला। साथ हीं कैंडल मार्च को मुसरीघरारी के सभी रास्ते होकर मुसरीघरारी चौराहा पर सभी लोग एकत्रित होकर नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित किया। इसका नेतृत्व सुदीप पाल, मोहम्मद इफ्तिखार, प्रदीप पाल, दीपक कुमार साह, मोहम्मद आदिल, मनीष कुमार, दिव्यांशु कुमार, मिथिलेश कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

बीजेपी विभूतिपुर पूर्वी मंडल की बैठक में लिया गया कई निर्णय

विभूतिपुर। भारतीय जनता पार्टी विभूतिपुर पूर्वी मंडल कार्यसमिति की बैठक निवर्तमान मंडल अध्यक्ष पंडित बाबू साहेब झा के नरहन स्थित आवासीय परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष उपेन्द्र कुमार कुशवाहा, रोसड़ा विधायक विरेन्द्र पासवान, एवं जिला उपाध्यक्ष अरविंद कुमार कुशवाहा उपस्थित हुए। आगत अतिथियो को चादर, पाग, माला आदि भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं जिलाध्यक्ष एवं विधायक ने आगामी लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत के लक्ष्य को हासिल करने हेतू बूथ कमिटि, पन्ना प्रमुख एवं सदस्यता अभियान चलाने के लिए कार्यकताओं से अनुरोध किया तथा केन्द्र सरकार की सभी लोककल्याणकारी योजना को आमजनों को बताने, लाभ दिलवाने तथा जागरूक करने की अपील की। मौके पर जिलाकार्यसमिति सदस्य शिवचन्द्र प्र सिंह, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, डां मुकेश सिंह, गुंजन मिश्रा, विनय कुमार सिंह, उदय प्रकाश सिंह, मनीष शर्मा, चन्दन सिंह, प्रियांशू रंजन, रंजीत सिंह, संतोष कुमार, विरेन्द्र रजक, लालबाबू शर्मा आदि उपस्थित थे।

शराब कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया जेल

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के महथी वार्ड 9 से शराब कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त अवधेश सिंह के पुत्र नीरज कुमार सिंह उर्फ बिहारी सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उक्त बात की जानकारी थाना अध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने दी है।

दो परीक्षा सेंटर पर से 5 विद्यार्थी हुए निष्कासित

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के श्री सुंदर सिंह उच्च विद्यालय मुक्तापुर एवं बुनियादी स्वामी इंटर कॉलेज करुआ से 5 बच्चे चोरी करने के मामले में निष्कासित कर दिया गया। जिसमें श्री सुंदर सिंह उच्च विद्यालय मुक्तापुर से तीन एवं बुनियादी विद्यालय से दो को निष्कासित कर दिया। नोडल पदाधिकारी पवन कुमार सिंह के द्वारा करवाई की गई।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय जल सेना मानिकपुर निवासी पंकज कुमार के मृत्यु पर सांसद ने दुःख व्यक्त किया

गया। लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत टनकुप्पा प्रखंड के पंचायत गजाधरपूर, ग्राम मानिकपूर निवासी श द्वारिका प्रजापति जी के पुत्र पंकज कुमार भारतीय जल सेना मे कार्यरत थे जिनका निधन अंडमान निकोबार में ड्यूटी के दौरान हो गई थी। यह अत्यंत दुखद घटना है ।परमात्मा वीर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

आकाश प्रियदर्शी बनाए गए राष्ट्रिय सनातन योद्धा मंच के गया जिला संयोजक सह प्रचारक

गया। मानपुर निवासी सह शहर के प्रसिद्ध समाजसेवक सह युवा नेता आकाश प्रियदर्शी को राष्ट्रिय सनातन योद्धा मंच का गया जिला संयोजक सह प्रचारक मनोमित किया गया है। यह जानकारी देते हुए राष्ट्रिय संरक्षक सचिन राज ने बताया की समाज के लिए सदैव सजक और समर्पित रहने वाले आकाश को राष्ट्रिय सनातन योद्धा मंच का गया जिला संयोजक सह प्रचारक पद का दायित्व दिया गया है ।मै तहे दिल से स्वागत करता हूं और उम्मीद करता हूं की वे मंच को काफी उचाइयो तक ले जाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। विक्की सिंह राजपूत,प्रीतम वर्मा, एबीवीपी नगर मंच प्रमुख रोहम राज आदि कई लोगों ने सुभकमनाये दी है और उज्वल भविष्य की कामना की है ।

गया के उभरते लाल आकाश प्रियदर्शी एफ.एस.आई.ए अवाड्र्स 2023 के लिए चुने गए

गया। मानपुर के जनकपुर मोहल्ला के निवासी सह शहर के नामचीन बिजनेसमैन बादल सिन्हा के इकलौते पुत्र आकाश प्रियदर्शी उर्फ एपी का चयन एफएसआईए अवाड्र्स 2023 के लिए चयन किया गया है। मुंबई के एक निजी होटल में उन्हें ये अवाड्र्स दे कर नवाजा जाए गा। बता दे की आकाश प्रियदर्शी शहर के उभरते हुए युवा नेता सह समाजसेवक है। उन्हें समाजसेवा में अपना अहम योगदान देने हेतु उनका चयन किया गया है।

तीन सौ बोतल नेपाली देशी शराब के साथ दो शराब तस्कर गिरफ्तार

मधुबनी/जयनगर ।मधुबनी जिला के जयनगर थाना पुलिस के द्वारा दो शराब तस्करों को तस्करी का तीन सौ बोतल नेपाली देशी शराब के साथ दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया। शराब मामले में पुलिस के द्वारा की गई करवाई को लेकर थाना अध्यक्ष ने बताया कि थाना क्षेत्र में पुलिस पदाधिकारी सुप्रिया कुमारी के नेतृत्व में पुलिस बल के द्वारा सघन गस्ती एवं चेकिंग दौरान थाना क्षेत्र के शहीद चौक के समीप तस्करी का शराब के साथ दो तस्करो को गिरफ्तार किया गया। शराब तस्कर से बरामद शराब में 300 सौ एम एल का तीन सौ बोतल नेपाली देशी शराब जब्त किया गया। शराब मामले में गिरफ्तार आरोपीयों में थाना क्षेत्र के पिपरा टोल निवासी लालू कुमार यादव और दुल्लीपट्टी निवासी अमन कुमार सिंह बताया जाता हैं। मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायीक हिरासत में भेज दिया गया हैं।

पालीगंज में स्कार्पियो और बाइक में टक्कर से युवक की मौत

पालीगंज थाना क्षेत्र के मधवा गांव के पास उलार सेहरा मुख्य सड़क पर स्कार्पियो की तक्कड़ से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी सजीवन यादव के 21 वर्षीय पुत्र विकास कुमार पालीगंज थाना क्षेत्र के मधवा गांव स्थित अपने बहन के घर आया था। जहां से वह बाइक पर सवार होकर बुधवार की शाम घर लौट रहा था। अभी वह गांव के बाहर सड़क पर पहुंच ही था कि सड़क से गुजर रही एक तेज रफ्तार स्कार्पियो उसे टक्कर मारकर भाग निकला। इस हादसे में युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल की मौत इलाज के लिए पालीगंज अनुमंडल अस्पताल जाते समय रास्ते मे ही हो गया। वही मौत के सूचना पाकर अस्पताल पहुंचे परिजनों का हाल रो रो कर बुरा हो गया। वही सूचना पाकर पहुंची पालीगंज पुलिस ने कानूनी कार्यवाई करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए पालीगंज अनुमंडल अस्पताल को सौंप दिया।

छात्र जदयू मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित मगध विश्वविद्यालय कुलपति का किया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

बोधगया : मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा जीने नवनिर्वाचित मगध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर शशि प्रताप शाही जी को पुष्प गुच्छ एवं माला पहना कर किया स्वागत, मालूम हो कि कई महीनों से छात्र जदयू अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा के नेतृत्व में मगध विश्वविद्यालय के लिए स्थाई कुलपति अस्थाई रजिस्टर के लिए मांग कर रहे थे।

इस मौके पर मगध विश्वविद्यालय छात्र जदयू अध्यक्ष यश वर्मा उर्फ उत्तम कुशवाहा ने कहा कि हम सब कि जो मांगे थे आवाज महामहिम राज्यपाल के द्वारा पूरा कर दिया गया बता दें कि हम सभी छात्र जदयू कार्यकर्ता एवं विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों का मेहनत एवं संघर्ष का नतीजा है विश्वविद्यालय में स्थाई कुलपति की नियुक्ति हुई है इसके लिए छात्रों को धन्यवाद कहूंगा साथ ही उत्तम कुशवाहा ने कहा कि आज मगध विश्वविद्यालय में पदभार ग्रहण करने के बाद कुलपति डॉक्टर शशि प्रताप शाही जी से हम ने अनुरोध किया की मगध विश्वविद्यालय में जो समस्याएं हैं उसे जल्द से जल्द समाधान करें मुख्य समस्याओं को ध्यान केंद्रित करते हुए कहा की लाखो डिग्रियां बनकर रखी हुई है साइन के वजह से लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है जल्द से जल्द डिग्री की समस्या को दूर करें ,साथ ही जितने भी पेंडिंग परीक्षाएं हैं उनका शेड्यूल जारी करके उन्हें सर समय लिया जाए, एवं लंबित परिणाम जो अभी तक जारी नहीं किया गया है उसे जल्द से जल्द जारी करें एवं विभिन्न मांगों को रखते हुए अपने बातों को रखा साथी काकी नए कुलपति के आने से मगध विश्वविद्यालय की स्थिति सुधारने का अनुमान है और डॉक्टर साहिब प्रताप शाही जी जो पटना एंड कॉलेज के प्रिंसिपल भी रहे हैं और कई माइनों में पटना एंड कॉलेज को सिगरेट से 1 ग्रेड पर लाए हैं हम सभी इनसे अपेक्षा करते हैं कि मगध विश्वविद्यालय को भी उसी तरह आगे ले जाएंगे, इस मौके पर मगध विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष अमरजीत कुमार ,रोशन कुमार, महासचिव गोरेलाल, प्रवक्ता प्रीति यादव ,अनिल यादव,, कोषाध्यक्ष रोशन पटेल, कुंदन कुमार हिमांशु कुमार रवि, रोशन, चंद्रगुप्त ,शिवम अमित कुमार, सत्यम , सूरज ,सौरभ, समेत अन्य छात्र जदयू के लोग रहे उपस्थित।

छात्र जदयू विश्वविद्यालय अध्यक्ष के द्वारा शहीदो कि दी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

गया। छात्र जदयू मगध विश्वविद्यालय कार्यालय में मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा के नेतृत्व में छात्र जदयू कार्यालय मैं पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है।

इस दौरान उपस्थित छात्रों ने शहीद जवानों की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई है ।इस कार्यक्रम का नेतृत्व छात्र जदयू मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष यश वर्मा उर्फ उत्तम कुशवाहा ने शहीद वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देकर यह संदेश दिया जाएगा ,कि शहीदों का सम्मान ही राष्ट्र का सम्मान है। न केवल शहीदों के प्रति, बल्कि उनके परिजनों के प्रति भी सम्मान का भाव होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यदि मातृभूमि के ये रक्षक न हो तो देश मे अमन चैन कायम रखना मुश्किल हो जाएगा। यह बता दें कि गत वर्ष 14 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा सेक्टर में सीआरपीएफ के जवानों से भरी एक बस को आतंकवादियों ने विस्फोट करके उड़ा दिया था। उस धमाके में 40 जवान शहीद हो गए थे। साथ ही कहा कि हम छात्रों का भारत सरकार से निवेदन है कि 14 फरवरी को शहीद दिवस बलिदान दिवस घोषित किया जाए ।इस मौके पर विश्वविद्यालय उपाध्यक्ष रोशन कुमार, अमरजीत कुमार, कोषाध्यक्ष रोशन पटेल, प्रवक्ता प्रीति यादव, अनिल यादव के अध्यक्ष कुंदन कुमार हिमांशु कुमार रवि कुमार रोशन कुमार चंद्रगुप्त शिवम पाठक शिवम सौरभ सूरज, रोहित अन्य छात्र रहे उपस्थित थे।

'भीम चौपाल' कार्यक्रम हर घर दस्तक स्टीकर सटाकर एवं प्रखंड स्तर पर डा भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई जाएगी : अभय कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया जनता दल यूनाइटेड गया कार्यालय के पास वेला इंटरनेशनल होटल में जिला अध्यक्ष अभय कुशवाहा के अध्यक्षता में पार्टी के निदेर्शानुसार आगामी 14 अप्रैल 2023 को डा0 भीमराव अंबेडकर जयंती पंचायत स्तर पर मनाने एवं उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाने हेतु पार्टी ने "भीम चौपाल" कार्यक्रम करने की तैयारी बैठक बुलाई गई है ।

अभय कुशवाहा ने कहा की डा0 भीमराव अम्बेडकर जी के संदेश को स्टीकर के माध्यम से प्रत्येक घर तक पहुंचाने एवं 14 अप्रैल को प्रत्येक पंचायत में बाबा साहब की जयंती मनाने और 13 अप्रैल 2023 की संध्या को जयंती स्थल पर दीप प्रज्वलित करने का कार्यक्रम है । जिलाअध्यक्ष अभय कुशवाहा ने कहा डा0 भीमराव अम्बेडकर जी का सपना को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दलित, महादलित, पिछड़ा, अतिपिछड़ा शोषित वंचितों को हक अधिकार देकर पूरा किया है एवं उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाने का काम किया है। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मगध प्रमंडल कार्यक्रम प्रभारी विद्यानंद विकल सामिल हुए हैं। विद्यानंद विकल ने कहा की कार्यक्रम की विशेष सफलता के लिए सभी अनुमंडल तथा सभी प्रखंड में प्रभारी नियुक्त कर दिया गया है ।आज इस बैठक से पहले जदयू नेता सुनील सिंह की तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया है, जिनका हत्या 10 फरवरी को कर दिया गया था ।इस बैठक का समापन उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखकर किया गया है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक कृष्णनंदन यादव, मनोरमा देवी, पूर्व अध्यक्ष अलेक्जेंडर खान, शौकत अली, प्रदेश द्वारा नामित अनुमंडल प्रभारी , जितेंद्र दास, सोनम दास, रणधीर रजक,शिवनाथ निराला,जिला द्वारा नामित अनुमंडल प्रभारी शंकर चौधरी,रामराज मांझी,कैलाश पासवान,रौशन मांझी, जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल, आसिफ जफर, कुंडल वर्मा, राजेश शर्मा,सुरेश राव, विनोद कुमार, गीता वर्मा, मितंबरा लोहड़े, बबन चंद्रवंशी, प्रखंड अध्यक्ष सतीश पटेल, राजेश कुमार, अरविंद लोहनी , संजय कुमार,जमीलू रहमान, एवं पार्टी के सम्मानित साथी उपस्थित थे।

गया जिला के कोठी थाना के बेलवारा घाट पर तोड़फोड़ और आगजनी की घटना में संलिप्त 9 लोग गिरफ्तार : एसएसपी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जिले के इमामगंज प्रखंड के कोठी थाना अंतर्गत बेलवारा घाट पर तोड़फोड़ व आगजनी घटना मामले में पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार की है ।इसकी जानकारी गया के एसएसपी आशीष भारती ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है। एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि कोठी थाना क्षेत्र के बेलवारा घाट पर बने झोपड़ी एवं मारुति वैन में आग लगाने, सामान नष्ट करने, गाड़ियों का शीशा फोड़ने आदि आरोप में कांड संख्या 16/23 दर्ज कर कार्रवाई की गई इस दौरान नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है ।साथ ही घटना में संलिप्त आरोपियों को पकड़ने के लिए छापामारी जारी है। पकड़े गए आरोपी बनारसी पांडे, बिगन पासवान, अनिल साव, किरण देवी, मीना देवी, सविता कुमारी, दीपक कुमार, हकीम मियॉ को गिरफ्तार किया गया है और इस दौरान एक आरोपी भवानी सिंह थाना में आत्म समर्पण किया है। गिरफ्तार नौ लोगों से पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

मशीन के गड़बड़ी के कारण फायरिंग रेंज से भटका गोला, गिरा गांव में

प्रात : किरण संवाददाता

बाराचट्टी (गया)। बाराचट्टी प्रखंड के बुमेर पंचायत अक्सर सेना के द्वारा किए जा रहे फायरिंग के कारण हमेशा सुर्खियों में रहता है जिसके कारण आए दिन गांव में दहशत का माहौल बना रहता है । इसी क्रम में बुधवार को लगभग 11 बजे देवरी डुमरी से सेना के द्वारा अभ्यास फायरिंग का गोला मशीन की गड़बड़ी के कारण रेंज से भटककर बीच गांव में जा गिरा। जिसका टूटा हिसा कई घरों को अपने आगोश में ले लिया। हालांकि इस दौरान कोई हताहत की सूचना नही है। जब इस घटना के बारे में संवाददाता ने सेना के अधिकारियों और जवानों जवाब पूछना चाहा तो इंकार करके चले गए । मौके पर मौजूद रहे पंचायत के मुखिया संजीव कुमार ने बताया की घटना की सूचना मिलते ही तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया । तत्पश्चात जवान यहां पहुंचे और अपनी गलती ग्रामीणों के सामने कबुल किया। साथ ही मुखिया ने ग्रामीणों से आग्रह किया की मार्च तक सेना का फायरिंग अभ्यास चलेगा। इसलिए रेंज में न जाए और अपने अपने जानवर को भी घर ही रखे । इसपर ग्रामीणों ने कहा की हमलोग को जीना दुश्वार हो गया है काम नही करेंगे तो खाएं क्या , अपने बच्चो को कैसे पालन करे इसके लिए सरकार को सोचना चाहिए । उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले भी लगभग 10 बच्चे जानवर चराने के दौरान गोला के चपेट में आने से घायल हो गए थे ।

शहीदों की याद में युवाओं ने ब्लैक डे व्यक्त कर पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/जयनगर। मधुबनी ज़िला के जयनगर पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों की वर्षी पर जयनगर प्रखंड के दुल्लीपट्टी गाँव के युवाओं ने मंगलवार की शाम एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर पुलवामा के शहीदों को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। युवाओं ने पुलवामा हमले को कायराना आतंकी हमला बताते हुए इस दिन काला दिवस ब्लैक डे के रुप में व्यक्त किया। दुल्लीपट्टी बजरंग बली मन्दिर के पास निशू सिंह की अगुआई में आयोजित शोक सभा में युवाओं ने कैंडल जलाकर और सीआरपीएफ के सभी चालीस शहीदों के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर व श्रद्धा सुमन अर्पित कर युवाओं ने भारत के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी

।मौके पर उपस्थित युवाओं ने वीर शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा। वीर शहीदों की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में निशु सिंह, माधव सिंह,वरुण झा,मनीष सिंह, ऋषि सिंह,सत्यम सिंह, आदित्या सिंह,सुमन सिंह,अनीश सिंह समेत अनेक युवा शामिल हुए।

मध्य विद्यालय महराजपुर विद्यालय का जांच करते बीडीओ मनीष कुमार

मधुबनी/खजौली। खजौली प्रखंड़ क्षेत्र के चंद्रडीह पंचायत के मध्य विद्यालय महराजपुर का वुधवार को बीडीओ मनीष कुमार द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के एचएम अशोक कुमार विद्यालय में उपस्थित थे.बीडीओ ने विद्यालय के शिक्षक उपस्थित पंजी,एमडीएम स्टॉक पंजी,विद्यालय में चल रहे एमडीएम योजना का जांच पड़ताल किया गया ।बीडीओ ने एचएम से एमडीएम की चावल की स्टॉक की जांच करने पर पुराना चावल की स्टॉक के अलाबे 34 बोरा चावल की स्टॉक पाया गया ।बीडीओ ने एचएम से कहा कि शिक्षक विद्यालय में नियत समय से आने का निर्देश दिया. वही एचएम अशोक कुमार ने बताया कि विद्यालय सुवह 9 वजे से संचालित होती है लेकिन शिक्षक 10 से साढ़े दस वजे पहुचते है. इस लेकर बीडीओ ने एचएम को निर्देश दिया कि जो शिक्षक नियत से विद्यालय नही पहुँचने वाले शिक्षक को उपस्थित हाजरी को काटकर एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया।

महाराजपुर पंचायत भवन पर शुद्ध जल पीने को लेकर लोगो को किया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली। खजौली प्रखंड़ क्षेत्र के पंचायत भवन महराजपुर के प्रांगण में वुधवार को चंद्रडीह पंचायत के मुखिया जयप्रकाश मंडल के अध्यक्षता में घोघरडीहा प्रखंड़ स्वास्थ विकास संध जगतपुर मधुबनी द्वारा सुरक्षित पेयजल उपलब्धता के संदर्भ में पंचायती राज संस्थाओं और समुदाय के सदस्यों की भूमिका को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर बीडीओ मनीष कुमार , प्रखंड़ प्रमुख कुमारी उषा,प्रोजेक्ट मैनेजर मो.अताउल्ला , क्लस्टर कोडीनेटर विमल कुमार सिंह,संस्था के डकुमेंटेन्स वासुदेव दास, जिला साथी अम्बिका कुमारी,रविन्द्र कामत,पंकज कुमार,प्रकाश कुमार,मानस कुमार,उप सरपंच योगेंद्र यादव,संतोष कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया.इस दौरान सभी अतिथियों को संस्था के द्वारा पाग,दोपता से सम्म्मनित किया गया। सम्मानित कर्यक्रम के परांत बीडीओ मनीष कुमार ने कहा कि आज के समय मे 70 प्रतिशत लोग आयरन युक्त पानी पीने से बीमार पड़ते है ।उन्होंने कहा कि लोगो को शुद्ध जल कैसे मिले जिससे लोगो को स्वास्थ ठीक रहे.उन्होंने कहा कि गंदगी से विभिन्न प्रकार की बीमारी फैलती है.गांव में लोगो द्वारा घर के अंदर एव बाहर चापाकल के समीप गड्ढा एव शौचायल निर्माण करने से उस जगह की गंदगी वाली पानी चापाकल के अंदर चले जाने से वही पानी को सेवन करने से लोगो को तरह तरह की बीमारी फैलती है।

उन्होंने लोगो से आवाहन किया कि नलजल से अमृत जैसे पानी को सेवन करने से बच्चों, युवा वर्ग स्वस्थ रहेंगे ।वही प्रखंड़ प्रमुख कुमारी उषा ने उपस्थित महिलाएं को कहा कि कमला नदी के किनारे जितने भी गांव वसा है उस गांव की चापाकल में निकलने वाली पानी मे पर्याप्त मात्रा में आयरन युक्त पानी निकलता है।

उस पानी को सेवन करने से मनुष्य के शरीर मे अनेकों तरह की बीमारी फैलती है ।उन्होंने कहा कि गांव में शौचालय निर्माण के लिए सरकार 12 हजार प्रोत्साहित राशि मुहैया कराने के बाद भी बहुत लोग शौचालय का निर्माण नही करते है ।उन्होंने कहा कि अपने बच्चों को हाथ पानी से धोकर ही कोई वस्तु या खाना खाने की नसीहत दी.उन्होंने कहा कि सरकार शुद्ध पानी पीने के लिए मुख्यमंत्री जलनल योजना के तहत हर घर मे नल लगाया है ।लेकिन गांव के लोग उस जल को उपयोग नही करके जानवर एव सब्जी की सिंचाई की कम कर रहे है.वही चंद्रडीह पंचायत के मुखिया जयप्रकाश मंडल ने कहा कि गांव में स्वच्छता को लेकर समस्त गांव में नाला निर्माण कर गंदगी पानी को नाला के द्वारा बाहर निकलने का काम किया है.उन्होंने कहा कि हरेक वार्ड में जलनल के द्वारा सभी घर मे शुद्ध जल आपूर्ति की जा रही है ।उन्होंने उपस्थित महिलाओं को कहा कि जिस घर मे जलनल का पानी किसी कारण वश सप्लाई नही हो रहा है उस घर तक नल को ठीक करके पानी की सफ्लाई की जाएगी.वही धोधरडीहा प्रखंड़ स्वास्थ विकास संघ जगतपुर मधुबनी संस्था के प्रोग्राम मैनेजर मो. अताउल्लाह ,कस्टर कोडिनेटर विमल कुमार सिंह,जिला साथी अम्बिका कुमारी,रविन्द्र कुमार कामत,वासुदेव दास द्वारा जल संरक्षता एव शुद्ध जल के उपयोग के बारे में बारीकी से समझाया गया।

नल जल के पानी नहीं मिलने से लोग हो रहे हैं परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) ।जहां एक और बिहार सरकार के द्वारा सैकड़ों से अधिक योजनाएं चलाई जा रहे हैं जिससे कि हर गरीब के लोगों को लाभ मिल सके ,पर यह योजना कागज पर ही सीमेंट करके रह गई है सरकार नीतीश कुमार के द्वारा बिहार में हर रोज समाधान यात्रा को लेकर जिले में यात्रा कर रहे हैं लोगों की समस्या को सुन रहे हैं सरकार के द्वारा कि जा रहे है,कई जनहित कार्य योजना के बारे में जानकारी ले रहे हैं ताकि योजना तब के लोग तक लेकिन तबके के पदाधिकारियों की कुंभकरण नींद भला लोगों तक योजना को पहुंचाने में विफल साबित हो रही है ताजा मामला जिले संग्रामपुर प्रखंड के झिकुली पंचायत के वार्ड संख्या 5 एवं 6 का है यहां पर पूर्व वार्ड सदस्य एवं अन्य ग्रामीणों ने उमेश वर्मा अरुण तांती एवं दर्जनों से अधिक ग्रामीण महिला सहित लोगों ने बताया कि हम लोगों के घर तक नल जल का कनेक्शन तो किया गया है पर पानी हम लोग का सपना हो गया है 1 वर्ष पूर्व ही 5 नंबर वार्ड में जल मीनार को खड़ा किया गया है हर घर तक लगाया गया है हर रोज देना तो दूर की बात है पानी 1 दिन भी अभी तक नहीं लोगों के घर तक पहुंचा है इतना ही नहीं इस वार्ड की जनसंख्या लगभग 600 से अधिक की है पर यहां जिस घर में भी अपना चापाकल वह जनवरी फरवरी माह में ही चिढ़ाता हुआ नजर आ रहा है लोगों को आधा किलोमीटर की दूरी पर चापाकल से पानी लाने मैं काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है जिससे कि अपने घर का जरूरतमंद कार्य को पूरा कर सके वहीं ग्रामीण जगिया देवी किरण देवी शांति देवी सुनैना देवी द्वारिका मंडल इत्यादि लोगों ने बताया कि हम लोगों को पानी की समस्या बहुत बड़ी समस्या है हम लोगों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को पिछले 5 दिन पूर्व ही लिखें नहीं घर तक पहुंचने की सूचना दी है पर अब तक तरह का कोई पदाधिकारी करने की इतनी दूर की बात है पर देखने तक भी नहीं आए हैं अगर हम बात 6 नंबर वार्ड की करें तो यहां पर तो करवाया गया है करवाया हुआ लगभग 2 साल समय बीत चुका है मीनार को खड़ा किया गया है उस पर पानी का टंकी नहीं होने के कारण घर तक पानी पहुंचने का कोई गुंजाइश भी नहीं है इस संदर्भ में जब के कनीय अभियंता अमरजीत कुमार से बात किया गया तो उनके द्वारा यह बताया गया कि तरह का कोई जानकारी नहीं मिली है कि वार्ड संख्या 5 एवं 6 में किल्लत है मेरे संज्ञान में आज आया है तो अपने स्टाफ को भेज करके इसको पानी की समस्या को दूर करवाते हैं अब देखने वाली बात यह होगी कि कब तक लोग पानी पीने के लिए दर-दर तक भटकते रहते हैं या फिर पदाधिकारियों के नींद टूटती है और दोनों वार्ड घरों को तरीके से पानी मिल सकता है।

भाजपा मंडल कार्यसमिति की बैठक हुआ संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

पालीगंज भाजपा कार्यसमिति की बैठक पालीगंज प्रखंड क्षेत्र के मुराखार संस्कृति भारती विद्यालय में आयोजित किया गया। कार्य समिति की बैठक के उद्घाटन पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुरूआत किया गया। सत्र में मुख्य अतिथि विधायक रामजन्म शर्मा रहे, बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अरुण शर्मा ने किया संचालक गोपाल शर्मा किया कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष ने कहा कि मंडल कार्यसमिति की बैठक में भाजपा कार्यकताओं से एकजुट होकर संगठन बूथ स्तर से लेकर मंडल कमेटी तक को सुदृढ़ एवं सशक्त बनाने के संबंध में मंथन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि रामजन्म शर्मा ने कहे कि भाजपा का शासन काल देश का स्वर्णिम काल है, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को नई पहचान मिली है। देश नीत विकास के नए आयाम गढ़ रहा है सरकार जनता के हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है निकट भविष्य में और बेहतर परिणाम देखने को मिलेगा अंत में धन्यवाद ज्ञापन धनंजय शर्मा के द्वारा किया गया इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित हुए जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार जिला उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा राकेश शर्मा महामंत्री साहि शर्मा धनंजय शर्मा इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

सम्पादकीय

जस्टिस गवर्नर

कई राज्यों के राजभवन चचाओं में रहे हैं, क्योंकि वे विपक्षी दलों की राज्य सरकारों के रास्ते में कांटे बिछाते रहे हैं। राज्यपाल एक अदद भाजपा कार्यकर्ता की तरह काम करते हैं और विवादों को जन्म देते रहे हैं। संविधान ने राज्यपाल की अहम भूमिका परिभाषित की है, लेकिन वक्त के साथ-साथ राज्यपाल दिल्ली दरबार के एजेंट की भूमिका निभाते रहे हैं। इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श की गुंजाइश है। हमारा संविधान किस मॉडल पर आधारित है, उसकी नैतिकता महत्वपूर्ण है अथवा संवैधानिक मूल्य अनिवार्य हैं! इस पर संविधान सभा से लेकर संसद के विभिन्न सत्रों तक कई बहसें हुई हैं। ताजातरीन उदाहरण जस्टिस अब्दुल नजीर का है, जिन्हें सर्वोच्च अदालत से सेवानिवृत्ति के बाद आंध्रप्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रपति भवन ने जिन 13 राज्यपालों, उपराज्यपाल की नियुक्तियां की हैं, उनमें पूर्व न्यायाधीश एक ही हैं, जबकि सेना के दो पूर्व जनरलों को भी यह संवैधानिक पद दिया गया है। जस्टिस नजीर की नियुक्ति पर खूब चीखा-चिल्ली मची है। व्याख्याएं की जा रही हैं कि मोदी सरकार ने उन्हें, उनके सरकार-सम्मत न्यायिक फैसलों के लिए, पुरस्कृत किया है। यह फिजूल सियासत और विवादबाजी है। जस्टिस नजीर की न्यायिकता, धर्मनिरपेक्षता, तटस्थता और संवैधानिक प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्हें बिका हुआ न्यायाधीश तक करार दिया गया है। आखिर यह अस्वीकार्यता और विरोध क्यों किया जा रहा है? क्या किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश को राज्यपाल या किसी अन्य संवैधानिक पद पर विराजमान नहीं किया जा सकता? यह अकेला, एकमात्र और सर्वप्रथम मामला नहीं है। कांग्रेस सरकारों में जस्टिस गवर्नर और पूर्व जनरलों को राज्यपाल बनाया जाता रहा है। देश का उपराष्ट्रपति भी बनाया गया है। राज्यसभा में भी रिटायर्ड न्यायाधीशों को भेजा जाता रहा है। दरअसल यह गलत तब होता, जब संविधान में स्पष्ट उल्लेख होता कि एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश या सैन्य जनरल अमुक अवधि तक कोई भी पद ग्रहण नहीं कर सकता। इसके अलावा, राज्यपाल बनाए जाने के लिए जो भी नियम-कानून हैं, उनका पालन किया गया है। दरअसल जस्टिस नजीर अपने न्यायिक कार्यकाल में करीब 200 न्यायिक पीठों के सदस्य रहे। उनके जरिए 93 महत्वपूर्ण और लीक से हटकर न्यायिक फैसले सुनाए। अयोध्या विवाद पर जिस संविधान पीठ ने 2019 में राम मंदिर के पक्ष में फैसला देते हुए 500 से ज्यादा सालों पुराने विवाद को खत्म किया था, जस्टिस नजीर उस पीठ के सदस्य थे। मुसलमान होने के बावजूद उन्होंने राम मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला सुनाया। कट्टरपंथी और कठमुल्ला चेहरों ने इसीलिए उनका विरोध किया और पीएफआई सरीखे संगठन ने उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी, लिहाजा सरकार को उन्हें जेड श्रेणी की सुरक्षा देनी पड़ी। राम मंदिर के अलावा, नोटबंदी, तीन तलाक, निजता के अधिकार संबंधी संवेदनशील मामलों में भी उन्होंने फैसले दिए। तीन तलाक पर तो उन्होंने न्यायिक पीठ से अलग फैसला दिया और तीन तलाक को अलोकतांत्रिक करार देने से इंकार कर दिया। बहरहाल आज मुस्लिम झंडेवरदार उन्हें सच्चा मुसलमान मानने को तैयार नहीं है। कुछ ऐसा ही व्यवहार पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत-रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सरीखी मुस्लिम शख्सियतों के साथ भी किया गया, जिन्होंने संप्रदाय से बढकर भारत राष्ट्र को महत्त्व दिया।

एयरो इंडिया की नयी ऊंचाई, नए भारत की सच्चाई

युद्धक विमानों, रक्षा उपकरणों एवं तकनीक को प्रदर्शित करने वाली इस रक्षा प्रदर्शनी ने एक बार फिर यह इंगित किया कि भारत रक्षा क्षेत्र में भी एक बड़ी ताकत बन रहा है। इस आयोजन की महत्ता इससे समझी जा सकती है कि इसमें करीब सौ देशों की आठ सौ से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं। इनमें कई प्रमुख देशों की नामी कंपनियां हैं। सबसे बड़ी विशेषता एवं गर्व एवं गौरव करने की बात इससे बेहतर और कुछ नहीं कि रक्षा क्षेत्र की भारतीय कंपनियां इनसे होड़ ले रही हैं, बराबर का मुकाबला कर रही है। यह होड़ भारत के बढ़ते सामर्थ्य एवं रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को ही रेखांकित करती है, जो नये भारत एवं सशक्त भारत के निर्मित होने का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एयरो इंडिया के उद्घाटन पर कहा कि मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि भारत में रक्षा क्षेत्र को मजबूती देने का सिलसिला आगे और भी तेज गति से बढ़ेगा। निश्चित ही देश अनुकूल एवं प्रभावी आर्थिक नीतियों के सहारे विश्व स्तर पर सैन्य साजोसामान के प्रमुख निर्यातकों में से एक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

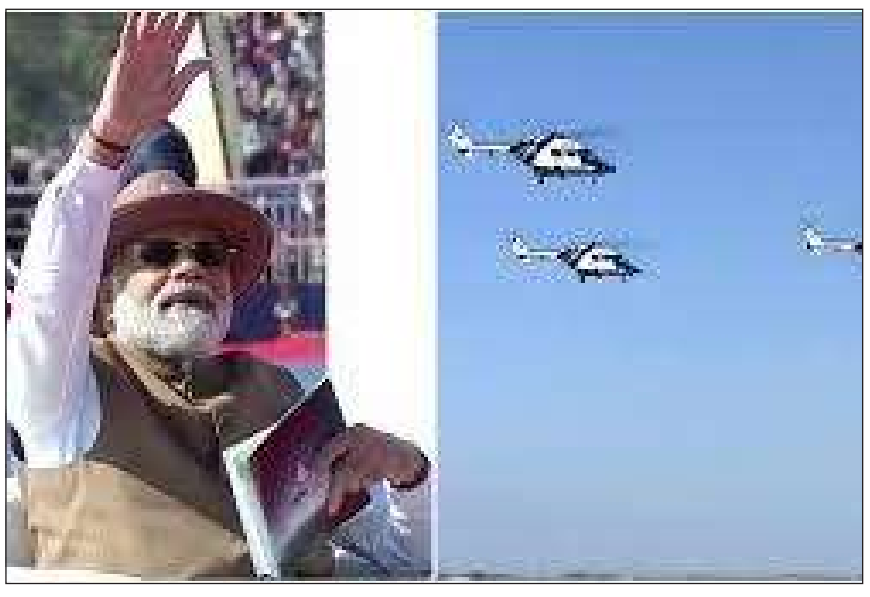

एशिया का सबसे बड़ा एयर शो एयरो इंडिया के 14वें संस्करण में बेंगलुरु में स्थित येलहंका वायुसेना स्टेशन परिसर में भारत के दम, आत्मविश्वास, ताकत एवं आत्मनिर्भरता के बहुआयामी प्रदर्शन को देखकर कहा जा सकता है भारत सशक्त हो रहा है। युद्धक विमानों, रक्षा उपकरणों एवं तकनीक को प्रदर्शित करने वाली इस रक्षा प्रदर्शनी ने एक बार फिर यह इंगित किया कि भारत रक्षा क्षेत्र में भी एक बड़ी ताकत बन रहा है। इस आयोजन की महत्ता इससे समझी जा सकती है कि इसमें करीब सौ देशों की आठ सौ से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं। इनमें कई प्रमुख देशों की नामी कंपनियां हैं। सबसे बड़ी विशेषता एवं गर्व एवं गौरव करने की बात इससे बेहतर और कुछ नहीं कि रक्षा क्षेत्र की भारतीय कंपनियां इनसे होड़ ले रही हैं, बराबर का मुकाबला कर रही है। यह होड़ भारत के बढ़ते सामर्थ्य एवं रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को ही रेखांकित करती है, जो नये भारत एवं सशक्त भारत के निर्मित होने का संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एयरो इंडिया के उद्घाटन पर कहा कि मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि भारत में रक्षा क्षेत्र को मजबूती देने का सिलसिला आगे और भी तेज गति से बढ़ेगा। निश्चित ही देश अनुकूल एवं प्रभावी आर्थिक नीतियों के सहारे विश्व स्तर पर सैन्य साजोसामान के प्रमुख निर्यातकों में से एक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जो लगातार युद्ध की आशंकाओं को देखते हुए सुरक्षा एवं दुनिया की बड़ी सैन्य शक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत की उजली एवं संतोषभरी तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। पांच दिवसीय इस कार्यक्रम, द रनवे टू ए बिलियन अपॉर्चुनिटीज विषय पर एयरोस्पेस और रक्षा क्षमताओं में भारत की वृद्धि का प्रदर्शन भारत की नई ताकत और आकांक्षाओं को दशार्ता रहा है। भारत को दुनिया की सर्वोच्च आर्थिक महाशक्ति बनाने में उन्नत रक्षा सामग्री के निर्माण के लिए और अधिक ऊंचे लक्ष्य रखने होंगे ताकि उसका निर्यात करके अधिकाधिक विदेशी मुद्रा का अर्जन किया जा सके।

इसी के साथ भारत की कोशिश यह भी होनी चाहिए कि आयातित युद्धक सामग्री पर निर्भरता कम से कम हो सके। इसकी पुष्टि एयरो शो का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री की ओर से दिए गए इस वक्तव्य से भी होती है कि भारत अगले कुछ वर्षों में अपने सैन्य साजो-सामान का निर्यात 1.5 अरब अमेरिकी डालर से बढ़ाकर पांच अरब अमेरिकी डालर करने की तैयारी कर रहा है। इस समय भारत लगभग 75 देशों को अपनी रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है। उल्लेखनीय यह है कि भारत में निर्मित लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और अन्य रक्षा उपकरणों एवं तकनीक की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी कंपनियों की भागीदारी के चलते ही संभव हो सका है। अच्छा हो कि यह समझा जाए कि अन्य क्षेत्रों की तरह रक्षा क्षेत्र में भी निजी कंपनियों की भागीदारी कितनी आवश्यक है। इससे भारत का व्यापार भी उन्नत होगा एवं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार भारत में बने तेजस विमान और आईएनएस विक्रांत भारत की अनूठी एवं विलक्षण क्षमताओं के उदाहरण हैं। भारत ने पिछले आठ-नौ वर्षों में अपने रक्षा उत्पादन क्षेत्र का कायाकल्प किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि इक्कीसवीं सदी का नया भारत, अब नये अवसरों को तलाश कर उन्हें आकार देने में जुटा है। भारत विश्व की एक बड़ी ताकत बनने के लिये कमर कस चुका हैं। देश में हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। अब तक हमारा देश पिछले कुछ दशकों से सबसे बड़ा रक्षा आयातक था, वो अब दुनिया के 75 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। बीते पांच वर्षों में देश का रक्षा निर्यात छह गुना बढ़ा है। रक्षा एक महत्वपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संवेदनशील क्षेत्र है जिसकी प्रौद्योगिकी को, जिसके बाजार को और जिसके व्यापार को सबसे जटिल माना जाता है। इसके बावजूद, भारत ने बीते 8-9 साल के भीतर-भीतर अपने यहां रक्षा क्षेत्र में ऐसे-ऐसे कीर्तिमान घटित किये हैं, देखकर संतोष ही नहीं हो, आश्चर्य भी होता है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रक्षा एवं एयरोस्पेस के क्षेत्र में किए गए प्रयास भारत के लिए एक लांच पैड की तरह काम कर रहे हैं। रक्षा-शिल्पी के रूप में उन्होंने हर नयी संभावनाओं को तलाशा है और उसे यथार्थ में ढाला है। दुनिया की बड़ी रक्षा-शक्तियों से चचाओं एवं वाताओं के द्वारा भारत की ताकत से रू-ब-रू कराया है। भारत में रक्षा क्षेत्र में हर निवेश, भारत के अलावा, दुनिया के अनेक देशों में एक प्रकार से व्यापार-कारोबार के नए रास्ते बना रहा है, नयी संभावनाएं, नए अवसर सामने आ रहे हैं। एयरो इंडिया की गगनभेदी गर्जना में भी भारत के नये सुधारों, उपलब्धियों, और परिवर्तनों की गूंज सुनकर हर हिन्दुस्तानी का सीना गर्व से चौड़ा हो रहा है। आज भारत में जैसी निर्णायक सरकार है, जैसी स्थायी नीतियां हैं, जैसी विकासमूलक सोच है, नीतियों में जैसी साफ नीयत है, वह अभूतपूर्व है, अनूठी है। आखिर भारत को परम वैभव, शक्ति-सम्पन्नता, आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी दर्शन के पथ पर ले जाने, समर्थ एवं शक्तिशाली बनाने की स्थितियां नये भारत बनने का स्पष्ट उद्घोष है। मेरा भारत महान् बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन महानता के लिये सतत जागरूकता, प्रयास, जिजीविषा, नयी सोच एवं कर्म जरूरी होते हैं। रक्षा क्षेत्र में स्वावलम्बी बनने के लिये भारत को एक साथ दो मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है। एक तो परंपरागत हथियारों के निर्माण में उसे और अधिक सक्षम होना होगा और दूसरे, आधुनिक तकनीक से लैस युद्धक सामग्री तैयार करने में भी महारत हासिल करनी होगी। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि भविष्य के युद्ध परंपरागत हथियारों से कम, आधुनिक तकनीक आधारित उपकरणों से अधिक लड़े जाएंगे। रूस-यूक्रेन युद्ध ने यदि कुछ स्पष्ट किया है तो यही कि आने वाले समय में उन्हीं देशों की सैन्य शक्ति श्रेष्ठ मानी जाएगी, जो आधुनिक तकनीक और विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित रक्षा उपकरणों से लैस होंगे। इस दृष्टि से भारत को अभी लम्बी यात्रा करनी है।

मरीजों का आर्थिक शोषण क्यों?

डा. वरिंदर भाटिया

इस बार गणतंत्र दिवस के मौके पर भारत सरकार की तरफ से पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वालों में जालंधर से स्कूल शिक्षा प्राप्त करने वाले जबलपुर के डाक्टर मुनिश्वर चंद्र डावर भी शामिल हैं। डा. डावर आज भी 20 रुपए की मामूली फीस पर मरीजों का इलाज करते हैं। डाक्टर डावर सेना में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान उनकी पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। डा. डावर ने न जाने कितने घायल जवानों का इलाज किया। हालांकि युद्ध समाप्त होने के बाद उन्हें अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते सेना में समय से पहले रिटायरमेंट लेना पड़ा। इसके बाद 1972 से उन्होंने जबलपुर में अपनी प्रैक्टिस शुरू की। फिर यहां पर वह गरीबों का इलाज करने लगे। डॉ. डावर का जन्म आज के पाकिस्तान में 1946 में हुआ था। कहते हैं कि डेढ़ साल की उम्र में ही उनके पिता का निधन हो गया था। उन्होंने स्कूल की पढ़ाई पंजाब के जालंधर से की। इसके बाद जबलपुर, मध्यप्रदेश से उन्होंने डॉक्टरी की डिग्री हासिल की। महंगाई के जमाने में मरीजों का आर्थिक शोषण न करने वाले डॉक्टर डावर सेवा भाव के अद्भुत प्रतीक बने हैं। डॉक्टर डावर की बात करने के साथ-साथ चिकित्सा पेशे का दूसरा डार्क पहलू भी विचारणीय होना चाहिए। कहना न होगा कि डॉक्टरों यानी चिकित्सकों को हमारे समाज में एक बेहतर दर्जा दिया गया है। चिकित्सा पेशे को सबसे अच्छे कामों में से एक माना जाता है। चिकित्सा व्यवसाय सदियों से विकसित हुआ है और अभी भी विकसित हो रहा है। विभिन्न बीमारियों की दवाएं तथा उपचार जो पहले उपलब्ध नहीं थे, अब विकसित हुए हैं। चिकित्सा प्रौद्योगिकी ने भी समय गुजरने के साथ प्रगति की है। अगर हमारे पास अच्छे डॉक्टर हैं और हमारे आसपास के क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाएं हैं तो यह राहत की भावना देता है। इसके बावजूद इस पेशे से जुड़े कुछेक लोगों द्वारा सेवा की बजाय व्यापारिक आर्थिक शोषण की सोच को आगे रखना इस पेशे की गरिमा के अनुरूप नहीं रखा जा सकता है। आज जहां लोग अपने जीवन को लेकर डॉक्टरों पर भरोसा करते हैं, वहीं अतीत में कुछ मरीजों के आर्थिक शोषण के मामलों ने समाज के विश्वास को हिला कर रख दिया है। डॉक्टरों को अपने पेशे के प्रति वफादार रहना आवश्यक है। भारत में डॉक्टरों को ऊंचा दर्जा दिया जाता है। हालांकि भारत में स्वास्थ्य सेवा उद्योग विश्व के विकसित देशों के समान नहीं है, परंतु हमारे पास चिकित्सा का अध्ययन करने के लिए अच्छी सुविधा है और इसके लिए प्रतिभाशाली डॉक्टरों का एक समूह भी है। फिर भी भारत को स्वास्थ्य सेवा में लंबा रास्ता तय करना है। जहां तक सरकारी अस्पतालों का सवाल है, इनमें से कई में एक अच्छा बुनियादी ढांचा है, पर अधिकांश को अच्छी तरह प्रबंधित नहीं किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवा उद्योग में विभिन्न स्तरों पर बहुत भ्रष्टाचार है। हर कोई पैसा कमाना चाहता है, भले ही इसके लिए किसी के स्वास्थ्य की कीमत चुकानी पड़े। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत कुछ कर्मचारी भी रोगियों को ठीक से सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं। ऐसे कई मामले देखने को मिलते हैं जहां रिपोर्ट गलत साबित हो जाती है और रोगियों को समय पर दवा नहीं मिल पाती। इसके अलावा जब अस्पताल में दवाएं और चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की बात आती है तो कुप्रबंधन देखने को मिलता है। आज भी देश में अनेक लोग डॉक्टरों से इलाज करवाने में संकोच करते हैं। बहुत से लोग आम सर्दी, फ्लू और बुखार के लिए घर पर ही दवाओं को लेना पसंद करते हैं क्योंकि उनका मानना है कि चिकित्सक इस मुद्दे को अनावश्यक रूप से बढ़ा सकते हैं। हम देखते हैं कि आज गैर सरकारी क्षेत्र हमारे देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर हावी हो रहा है। यह कोई बुरी बात नहीं है। हालांकि व्यवस्था ने कई सरकारी अस्पतालों और नर्सिंग होम की स्थापना की है, पर इनमें से अनेक की संरचना और समूची स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए ज्यादातर लोग वहां जाना पसंद नहीं करते हैं। इस पर व्यवस्था द्वारा ही संज्ञान लिया जाना ठीक होगा। चिकित्सा जगत का एक और कड़वा सच है कि कमीशन के चक्कर में अनेक मरीजों को कई तरह के गैर जरूरी परीक्षण कराने का सुझाव दिया जाता है, भले ही वे साधारण बुखार या खांसी के लिए उनसे संपर्क करते हों। कुछ चिकित्सक स्वास्थ्य ठीक करने और विभिन्न चिकित्सा स्थितियों के बारे में ज्ञान की कमी के कारण लोगों की जरूरतों का फायदा उठाते हैं। यहां तक कि अगर लोग इन परीक्षणों का खर्चा वहन नहीं कर सकते, तब भी वे इन परीक्षणों को कराते हैं। क्या यह सिर्फ पैसे कमाने का एक तरीका तो नहीं है? इस पर सच तलाशना होगा। कई बार तो ऐसे मामले देखने को मिलते हैं जिनमें लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया जाता है और आवश्यक अवधि से अधिक समय तक रहने को कहा जाता है ताकि अस्पताल उनसे लाभ कमा सके। लोगों को उनकी बीमारियों के बारे में गलत तरीके से बताया जाता है ताकि उनसे पैसे निकाले जाएं। क्या लोगों की सेवा करने के बजाय आजकल मेडिकल व्यवसाय पैसे कमाने का जरिया बन गया है? ऐसा क्यों हो रहा है? हमें सोचना होगा। भारत में जो स्थिति है वो बहुत गम्भीर है। यहां हेल्थ सिस्टम न तो उतना विकसित है जितना जरूरी है, न ही व्यवस्थित है।

राजस्थान में गहलोत की बजट बाजीगिरी?

राजस्थान की सत्ता में दोबारा वापसी के लिए उन्होंने ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। गहलोत के जादुवी बजट से यह साबित होता है कि राजस्थान का आम चुनाव मोदी बनाम अशोक गहलोत होगा। क्योंकि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, अन्नपूर्णा योजना, किसानों को मुफ्त बिजली, उज्जवला योजना में सस्ती गैस जैसी सुविधाएं भाजपा के फ्री राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और सुशासन की काट हैं। निश्चित रूप से राजस्थान की जनता पर इसका सीधा असर पड़ेगा। क्योंकि राज्य के आम बजट में आम आदमी का खासा ख्याल रखा गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए राज्य का आम चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। क्योंकि एक तरफ सत्ता में दोबारा वापसी के लिए जहाँ सारे प्रयोग करने पड़ेंगे। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी से उन्हें लड़ना पड़ेगा। लेकिन इन सब के बावजूद स्वयं उन्हें कांग्रेस से लड़ना पड़ेगा।

प्रभुनाथ शुक्ल
लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक सधे हुए पॉलिटिकल मैजिक मैन हैं। राजस्थान के आम बजट में उन्होंने राज्य के सभी वर्गों को साधने का काम किया है। बजट में उन्होंने आम आदमी की जेब का विशेष ख्याल रखा है। वैसे तो यह राज्य का वित्त बजट है, लेकिन इसका सीधा सरोकार होने वाली विधानसभा चुनाव से है। राजस्थान की सत्ता में दोबारा वापसी के लिए उन्होंने ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। गहलोत के जादुवी बजट से यह साबित होता है कि राजस्थान का आम चुनाव मोदी बनाम अशोक गहलोत होगा। क्योंकि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, अन्नपूर्णा योजना, किसानों को मुफ्त बिजली, उज्जवला योजना में सस्ती गैस जैसी सुविधाएं भाजपा के फ्री राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और सुशासन की काट हैं। निश्चित रूप से राजस्थान की जनता पर इसका सीधा असर पड़ेगा। क्योंकि राज्य के आम बजट में आम आदमी का खासा ख्याल रखा गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए राज्य का आम चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। क्योंकि एक तरफ सत्ता में दोबारा वापसी के लिए जहाँ सारे प्रयोग करने पड़ेंगे। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी से उन्हें लड़ना पड़ेगा। लेकिन इन सब के बावजूद स्वयं उन्हें कांग्रेस से लड़ना पड़ेगा। क्योंकि पार्टी में ही सचिन पायलट उनके धुर राजनीतिक विरोधी रहे हैं। उनकी नाराजगी और बगावती तेवर कई बार सड़क पर आ चुके हैं। भाजपा कांग्रेस की इस अंदरूनी फूट का लाभ उठाना चाहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य का दौरा भी कर चुके हैं और वहां उन्होंने जनसभाओं के जरिए राज्य की नब्ज टटोलने की कोशिश की है। कांग्रेस आलाकमान सोनिया गांधी, अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कैसे तालमेल बिठाएंगी यह भी एक बड़ा सवाल है। लेकिन फिर भी राज्य में गहलोत की अपनी साख है। सियासी और करिश्माई व्यक्ति हैं। हालांकि राजस्थान में वह गांधी परिवार का भरोसा खोने के बावजूद भी सबसे अधिक भरोसेमंद दिखते हैं। केंद्र की मोदी सरकार निश्चित रूप से महंगाई नियंत्रण करने में विफल रही है। रसोई गैस और बिजली जैसी सुविधा को फ्री कर मुख्यमंत्री ने आम आदमी को साधने की पूरी कोशिश की है। रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से लोग बेहद परेशान हैं। राजस्थान से सटे राज्य पंजाब और दिल्ली में केजरीवाल की फ्री बिजली योजना काफी कारगर रहीं है। जिसका असर गहलोत की राजनीति पर भी पड़ता दिखता है। आम आदमी के लिए राज्य सरकार ने जहाँ 100 यूनिट बिजली फ्री देने की घोषणा की है। वहीं किसानों एकदम मुफ्त बिजली मिलेगी। सरकार की सबसे बड़ी घोषणाओं में यह खास है कि कोरोना में अनाथ हुए बच्चों को सरकारी नौकरी मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आम आदमी और किसानों के लिए विशेष रियायत दी है। किसानों को मुफ्त बिजली देने का भी उन्होंने ऐलान किया है। इसके तहत राज्य के 11 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। इसके साथ किसानों को तीन हजार करोड़ का कर्ज भी दिया जाएगा जो ब्याज मुक्त होगा। राजस्थान में लंपी बीमारी की वजह से लाखों गायों की मौत हुई है। जिसकी वजह से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन पशुपालकों की दो गायों की मौत हुई है उन्हें प्रति गाय 40-40 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा। अपने आप में यह बड़ी घोषणा है। कृषि कल्याण कोष के वित्त को भी बढ़ा दिया गया है। इसमें 50 फीसदी का इजाफा कर 7500 करोड़ कर दिया गया है। संरक्षित खेती को बढ़ावा देने के लिए एक हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। निश्चित रूप से यह घोषणाएं किसानों के लिए वरदान साबित होंगी। राज्य में अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहन देने के लिए वर्तमान वित्त बजट को दोगुना कर दिया गया है। अभी तक लाभार्थियों को जहां 50 हजार मिलते थे अब सीधे एक लाख की मदद मिलेगी। इसके साथ ही युवाओं में स्किल डेवलपमेंट के लिए 500 करोड़ की योजना प्रस्तावित है। राज्य में अब एक से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं को मुफ्त शिक्षा मिलेगी। राजस्थान की महिला आबादी पर भी विशेष ख्याल रखा गया है। राजकीय बसों में यात्रा पर 50 फीसदी छूट मिलेगी। राज्य में साफ सफाई और स्वच्छता बनाए रखने के लिए 30 हजार युवाओं को नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा बुजुर्गों की सबसे बड़ी मासिक पेंशन योजना की धनराशि को दोगुना कर दिया गया है। पूर्व में जिसे 500 रुपए की मासिक पेंशन मिलती थीं अब उसे एक हजार रुपए मिलेंगे। ग्रामीण इलाकों में इंदिरा रसोईया और आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या भी बढ़ायी जाएगी। अशोक गहलोत ने राज्य के गरीब परिवारों को सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना की सुविधा दी है। संभवत यह देश का इकलौता राज्य है जहाँ चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 25 लाख रुपए की राशि मुफ्त इलाज के लिए उपलब्ध होगी। जबकि केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा है। यह सुविधा राजस्थान के चुनिंदा निजी अस्पतालों में भी मिलेगी। इस योजना की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। इसके अलावा उज्जवला योजना पर भी केंद्र की मोदी सरकार को हाशिए पर लिया है। राज्य के 76 लाख परिवारों को 500 में रसोई गैस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस पर 1500 करोड़ से अधिक का बजट आएगा। साथ ही एक करोड़ परिवारों को अन्नपूर्णा पैकेट भी वितरित किया जाएगा। यह खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत होगा। जिसमें दाल, चीनी, चावल नमक और मसाले होंगे। यह केंद्र की तरफ से मुफ्त अनाज योजना से अलग होगी। भाजपा आमतौर पर राज्यों का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरों को आगे रखकर लड़ती है और उसे सफलता भी मिलती है। राजस्थान का चुनाव भाजपा के लिए करो और मरो की स्थिति होगी। क्योंकि वह राज्य की सत्ता से बाहर। वैसे भी कहा जाता है कि राजस्थान में पांच साल बाद सत्ता बदल जाती है। फिलहाल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास मोदी जैसा चेहरा नहीं है। लेकिन हाल में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान चुनाव में कितना करिश्मा दिखा पाती है यह वक्त बताएगा। सवाल है कि गहलोत की जादूगरी के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कितना करिश्मा चलता है यह देखना होगा।

मोहन भागवत का बयान और भारत में जातिवाद

डॉ. राकेश कुमार आर्य

शुद्र को लेकर हमारे देश में अक्सर चर्चा होती रहती है और उनकी दयनीय स्थिति के लिए मनु महाराज को दोषी बताया जाता रहता है। मनु को जातिवाद का जनक भी कहा जाता है। जबकि सच यह नहीं है मनु वर्ण व्यवस्था के समर्थक है। यह वर्ण व्यवस्था पूरे संसार में आज भी ज्यों की त्यों लागू है। वास्तव में वर्ण व्यवस्था बौद्धिक स्तर के आधार पर अपने आप बन जाती है। जो व्यक्ति बौद्धिक स्तर पर उच्चतम स्थिति को प्राप्त होता है वह अपने आप ही ब्राह्मण हो जाता है। चाहे वह किसी भी जाति समाज या देश में पैदा क्यों न हुआ हो? इसी प्रकार जो व्यक्ति बाहुबल में श्रेष्ठ होता है वह क्षत्रिय और जो समाज की अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में अपना योगदान दे सकने में सक्षम होता है वह वैश्य हो जाता है। इसके अतिरिक्त जो व्यक्ति इन तीनों के योग्य नहीं होता वह सेवा भाव को अपना कर अपना जीवन यापन करता है। उसी को शूद्र कहते हैं। यह शूद्र वह व्यक्ति होता है जो पढ़ने लिखने के सारे अवसर उपलब्ध होते हुए भी बौद्धिक विकास नहीं कर पाता या बौद्धिक क्षेत्र में अपनी विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं कर पाता। मनु महाराज का चिंतन केवल यहीं तक है कि जो व्यक्ति अपने आप ही पढ़ने लिखने और उन्नति के अवसरों में पीछे रह जाता है वह शूद्र होता है। ध्यान रहे कि ऐसा व्यक्ति किसी दयनीय अवस्था में धकेला नहीं जाता बल्कि उसकी बुद्धि सुनीता उसे अपने आप पीछे कर देती है। इसका कारण यह है कि सबकी प्रतिभा और सबकी बौद्धिक क्षमताऐं एक जैसी नहीं होती। जब व्यक्ति को जानबूझकर पीछे धकेला जाता है या उसके आत्मिक, मानसिक और शारीरिक उन्नति के सभी अवसर छीने जाते हैं या उन पर प्रतिबंध लगाया जाता है तो ऐसी स्थिति में जो लोग किसी भी क्षेत्र में पीछे रह जाते हैं वे अन्याय का शिकार हुए कहे जाते हैं। उन्हें सुधर नहीं कह सकते। भारतवर्ष में सचमुच एक ऐसा दौर आया जब कुछ लोगों ने एक वर्ग को पीछे धकेलने का कार्य किया और अपने वर्चस्व को स्थापित करने के लिए समाज के ऐसे वर्ग पर अत्याचार किए। महर्षि दयानंद जी महाराज ने ऐसे वर्ग की आलोचना की जो दूसरों पर अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए उनके अधिकारों को छीनता है। उन्होंने कहने का अभिप्राय है कि महर्षि दयानंद जी महाराज ने ब्राह्मण जाति में पैदा होने वाले लोगों के जाति अभिमान पर सबसे पहले प्रहार किया और उन्हें इस बात के लिए दोषी बताया कि तुम समाज में ऊंच नीच फैला रहे हो। जबकि समाज की प्रत्येक प्रकार की विषमता को समाप्त करना तुम्हारा धर्म था। वास्तव में स्वामी जी ने ब्राह्मण समाज को उसका श्रेष्ठ कर्तव्य याद दिलाया, जब उन्होंने यह कहा कि तुम समाज में प्रत्येक प्रकार की विषमता को समाप्त करने के लिए संसार में आए हो, इसलिए उसी काम को करो। उसके विपरीत आचरण करके धर्म भ्रष्ट मत बनो। जब देश के प्रधानमंत्री स्वामी दयानंद जी महाराज जी की 200 वीं जयंती के अवसर पर उनके लिए होने वाले कार्यक्रमों का शुभारंभ कर रहे हैं, तब आर एस एस प्रमुख मोहन भागवत ने भी महर्षि दयानंद जी महाराज के इसी चिंतन को आगे बढ़ाते हुए ब्राह्मण समाज को केवल उनका श्रेष्ठ कर्तव्य कर्म अर्थात धर्म ही याद दिलाने का काम किया है। इसके पीछे उनके शुद्ध मनोभाव को देखने की आवश्यकता है। उन्होंने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि भारतवर्ष में जाति व्यवस्था ऊंचे नीचे स्वच्छता का लाभ उठाकर दूसरे माता बलंबिया ने हिंदू को कमजोर किया है। हिंदू की समाज की इन कमजोरियों को पैदा करने में जिन लोगों ने किसी भी दृष्टिकोण से सहयोग दिया है उन्हें अब समय रहते अपनी कमियों को स्वीकार कर हिंदू समाज के हरिजन समाज को अपने साथ लगाना चाहिए, नहीं तो ईसाइयत और इस्लाम उन पर नजर लगाए बैठी है। यदि हिंदू समाज नहीं चेता तो इस्लाम और ईसाई समाज के लोग हिंदू समाज को कमजोर करने के लिए इन लोगों को अपने साथ मिला लेंगे। हिंदू समाज को अपने कमजोरियों को स्वीकार करना चाहिए और मोहन भागवत के बयान को सही संदर्भ में लेना चाहिए। अपने संख्या बल के आधार पर ही हिंदू समाज देश में मजबूती से शासन कर सकता है और अपनी धार्मिक, सामाजिक परंपराओं को बनाए रख सकता है, अन्यथा सब कुछ नष्ट हो जाएगा। जो लोग यह मान रहे हैं कि मुसलमानों के भीतर जाति प्रथा नहीं होती, इसलिए मुसलमानों में समानता देखी जाती है और हमको इसीलिए मुस्लिम मत को स्वीकार कर लेना चाहिए तो उनको भी यह याद रखना चाहिए कि मुसलमानों में भी ज

संक्षिप्त खबरें

एक झलक पाने के लिए रोड किनारे खड़े रहे लोग

गोपालगंज ।गोपालगंज जिले के दौरे का समाचार सुनकर जिले के आम नागरिक जिस जिस रास्ते से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का काफिला जाने वाला था उस सड़क के किनारे दोनों तरफ उनके एक झलक को पाने के लिए खड़े रहे। धूप का भी आम नागरिकों पर कोई असर नहीं पड़ा। अपने मुख्यमंत्री के दीदार के लिए सड़क के दोनों किनारे लोगों का जमावड़ा लगा रहा। जब तक कि वे लोग नीतीश कुमार के एक झलक को नहीं पा लिया। उनको देखने के बाद ही धीरे-धीरे भीड़ हटनी शुरू हो जाती थी तथा लोग अपने अपने कार्यों में चले जाते नजर आए। लेकिन जब तक उन रास्तों से सीएम गुजरे नहीं तब तक नागरिकों का जमावड़ा लगा रहा।

होलिंडग बैनर पोस्टर से पटा रहा टोला सिपाया का क्षेत्र

गोपालगंज ।मुख्यमंत्री के गोपालगंज आगमन के तहत कार्यकताओं एवं बड़े से छोटे नेताओं तक के बैनर पोस्टर और होर्डिंग से पूरा टोला सिपाया पंचायत पटा रहा। शायद ही कोई ऐसा जगह हो जहां मुख्यमंत्री के समाधान यात्रा का बैनर या पोस्टर नहीं लगा हो। जिले के छोटे से बड़े नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ अपना फोटो निवेदक में लगा कर के समाधान यात्रा का बैनर चैक, बिजली के खंभे इत्यादि पर लगाए गए थे। साथ ही साथ सडक पर बडे-बडे तोरण द्वार का भी निर्माण कराया गया था।

आम से खास तक ने ली राहत की सांस

गोपालगंज ।मुख्यमंत्री की समाधान यात्रा जैसे ही बुधवार को समाप्त हुई आम से खास लोगों ने राहत की सांस ली। सबसे ज्यादा प्रसन्न प्रशासनिक महकमा एवं पुलिस महकमा था। क्योंकि मुख्यमंत्री के समाधान यात्रा को सफल संपन्न कराने में इन लोगों के ऊपर काफी जिम्मेदारियां थी। अंततः सकुशल मुख्यमंत्री की समाधान यात्रा को गोपालगंज जिला प्रशासन ने संपन्न करा दिया। जैसे ही मुख्यमंत्री गोपालगंज से मोतिहारी के लिए प्रस्थान किए प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, छोटे-बड़े कर्मचारी इत्यादि ने राहत की सांस ली।

आरडीडीई रिश्वत मामले में संयुक्त निदेशक करेंगे सुनवाई

संवाददाता। डीइओ कार्यालय के लिपिक रंजय कुमार ने माध्यमिक शिक्षा के संयुक्त निदेशक नसीम अहमद को आवेदन देकर आरडीडीई छपरा के विरुद्ध रिश्वतखोरी का आरोप लगाया है. उन्होने अपने आवेदन कहा है कि आरडीडीई के द्वारा मेरे आवेदन पर चिकित्सा अवकाश स्वीकृत किया गया था, लेकिन जब मेरे द्वारा रिश्वत नहीं दिया गया तो चिकित्सा अवकाश को अस्वीकृत कर दिया गया. जिस मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त निदेशक ने आगामी 24 फरवरी को मामले में सुनवाई की तिथि निर्धारित किया गया है. जिसमें आरडीडीई को अपराहन तीन बजे उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है. वही सुनवाई की तिथि से पूर्व रिपोर्ट मुहैया कराये जाने का निर्देश दिया गया है. वही आवेदक को अपने आरोप के संबंध में पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

मुखिया हत्याकांड में अब तक पुलिस को नही मिला सुराग

गोपालगंज ।मुखिया के हत्यारों को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। कई लोगों से पूछताछ भी कर चुकी है। लेकिन अबतक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग हाथ नही लग पाया है। सदर एसडीपीओ संजीव कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस राजनीतिक, सामाजिक व व्यवसायिक सहित अन्य पहलुओं पर घटना की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि संदेह के आधार पर एक दर्जन लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। पूछताछ लगातार जारी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही हत्या के मामले का उद्भेदन कर दिया जायेगा। विदित हो कि थावे प्रखंड के फुलुगनी पंचायत के वर्तमान मुखिया लोहरपट्टी निवासी महमद कुरेश को गुरूवार को बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियो ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसको लेकर मुखिया के बड़े पुत्र शाहिद हुसैन ने थाने में अज्ञात अपराधियो के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। वही मुखिया की हत्या को लेकर एसपी स्वर्ण प्रभात ने हत्या में शामिल अपराधियो की गिरफ्तारी के लिए सदर एसडीपीओ संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में एसआईटी टीम गठित की गई है। गठित एसआईटी टीम के द्वारा बिहार से लेकर यूपी तक टेक्निकल सेल के मदद से वैज्ञानिक तरीके से लगातार पुलिस छापेमारी कर रही है। एसआईटी टीम जिले के कई थाना क्षेत्र एवं पड़ोसी जिले सिवान के अपराधियो के सबंधित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

गोपालगंज वासियों को सीएम ने दिया बड़ा सौगात

84.50 करोड़ की लागत से बनी छात्रावास सहित 28 योजनाओं का हुआ उदघाटन

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाधान यात्रा के दौरान गोपालगंज वासियों को बड़ी सौगात दी है। बुधवार को सीएम ने विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग द्वारा कुचायकोट प्रखंड के टोला सिपाया पंचायत में 84.50 करोड़ की लागत से बने पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्रावास का उद्घाटन किया।

इस दौरान सीएम ने कॉलेज का निरीक्षण किया और वहां पर पढ़ रहे छात्रों से भी जानकारी लिया। सीएम ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इसी प्रकार कुचायकोट प्रखंड के सिपाया में विभिन्न विभागों की कुल 28 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। जिनमें तीन करोड़ 70 लाख 37 हजार की लागत से निर्मित स्वास्थ्य विभाग का हथुआ प्रखंड में 50 बेड का अस्पताल भी शामिल है। पंचायती राज विभाग द्वारा प्रखंड कटेया और पंचदेवरी में निर्मित पंचायत सरकार भवन जो एक करोड़ 22 लाख 78 हजार नौ सौ एवं एक करोड़ 22 लाख 5 हजार तीन सौ की लागत से बना है।

गोपालगंज प्रखंड के जिला पंचायत संसाधन केंद्र, गोपालगंज जो 5 करोड़ 20 लाख 79 हजार चार सौ की लागत से निर्मित है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा प्रखंड कुचायकोट में एनएच -28 से चक हंसना तक निर्मित सड़क, लागत एक करोड़ 18 लाख 43 हजार 896, रामायण सिंह के बथान से बरनैया गोखुल, पाण्डेय टोला तक निर्मित सड़क लागत 34.80 लाख, एल -36 खाड़ देउरवॉ से एल 0 36 अधमौली तक निर्मित सड़क लागत 61 लाख 53 हजार 825, पीएमजीएसवाई पथ से सोनहुला चंद्रभान तक निर्मित सड़क लागत 70.21 लाख, एनएच-28 से पोखरभिंडा से भोभीचक भाया बरई टोला तक निर्मित सड़क लागत 96.35 लाख, बैदौली पीच पथ से हरिजन टोला नया बस्ती निर्मित सड़क लागत 81 लाख 37 हजार 47, प्राथमिक विद्यालय दलया पीच पथ से अहिरटोला नया बस्ती तक निर्मित सड़क लागत 51.50 लाख, प्राथमिक विद्यालय बुढ़ी पीच पथ से बुढ़ी तक निर्मित सड़क लागत 59.90 लाख, डोरापुर भूवाला एमएमजी एसवाई हाता का टोला रोड से उचकागांव डोरापुर तक सड़क निर्माण लागत 50 लाख 26 हजार 296, एल 49 से रघुआ हाईस्कूल पीएमजीएसवाई रोड़ से एकडेगा तक निर्मित सड़क लागत 13.63 लाख, वही पशुपालन विभाग का प्रखंड उचकागांव में निर्मित प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय परसौनी खास लागत 76.02 लाख, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा विजयीपुर प्रखंड में निर्मित अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई मझौलिया, नौतन में सात-सात लाख की लागत से बनी है। वही गोपालगंज प्रखंड के अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइ जादोपुर शुकुल, कुचायकोट प्रखंड के खजुरी, कुचायकोट, रामपुर माधों, हथुआ प्रखंड के बरीरायभान में सात-सात लाख की राशि से निर्माण कार्य कराया गया है।

अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइ मगहिया पंचदेवरी, अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइ गणेश डुमर प्रखंड फुलवरिया ,अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइ करस घाट प्रखंड सिधवलिया अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइ दहीभत्ता प्रखंड उचकागांव, अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइ विदेशी टोला प्रखंड थावे और अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइ जगमलवा प्रखंड थावे प्रत्येक का सात- सात लाख की राशि से निर्मित है। जिसका उदघाटन किया गया। अब इन संसाधनों का उपयोग उस क्षेत्र के लोगों के द्वारा किया जायेगा। इस उदघाटन से लोगों में काफी उत्साह है।

मुख्यमंत्री ने 34 योजनाओं का किया शिलान्यास

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाधान यात्रा के क्रम में सिपाया में 34 योजनाओं का शिलान्यास किया। जिनमें स्वास्थ्य विभाग की 30 बेडों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोरे और कटेया के लिए किया गया। पंचायती राज विभाग के द्वारा उचकागांव प्रखंड के नवादा परसौनी, त्रिलोकपुर, लूहसी, उचकागांव, छोटका साखे, झीरवां, हरपुर एवं बंकीखाल में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। कुचायकोट प्रखंड के मठिया दुर्ग, रामपुर माधो, अहियापुर, मठिया हरदो, सलेमपुर खजूरी बरारी जगदीश आदि पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य कराया जायेगा। जो प्रत्येक पंचायत में एक करोड़ 37 लाख 69 हजार की लागत से बनेगे।

वहीं शिक्षा विभाग में उच्च विद्यालय बरौली में अतिरिक्त वर्ग कक्ष, डॉ राजेंद्र प्रसाद उच्च विद्यालय हथुआ में अतिरिक्त वर्ग कक्ष का निर्माण कार्य, कुचायकोट के इब्राहिम मेमोरियल उच्च विद्यालय सासामुसा, हजारीलाल उच्च विद्यालय बलवन सागर, माझा प्रखंड के उच्च विद्यालय धर्म परसा, फुलवरिया प्रखंड के पंचायत उच्च विद्यालय मिश्र बतरहा में अतिरिक्त वर्ग कक्ष का निर्माण कार्य का शिलान्यास, जो 28 लाख 30 हजार प्रत्येक की लागत से बनेगा और हथुआ प्रखंड के डॉ. राजेंद्र प्रसाद उच्च विद्यालय हथुआ में पुस्तकालय का निर्माण जो 16.80 लाख की लागत से किया जाएगा। वही ग्रामीण कार्य विभाग का प्रखंड कुचायकोट में पीच पथ से अमवां विजयीपुर तक सड़क निर्माण कार्य, एन एच 27 बथना कुट्टी से नरहवां शुक्ल तक सड़क मरम्मति कार्य, हेमवरदाहा से खैरटवां तक सड़क मरम्मति कार्य, बैकुंठपुर प्रखंड के देवकुली एनएच 101 से हकाम बाजार सड़क का मरम्मति कार्य, परसौनी पीएमजीएसवाई रोड से मलाह टोला तक सड़क का मरम्मति कार्य, आरईओ पथ गरौल से महुआ हरिजन टोला तक सड़क का मरम्मति कार्य, बरौली प्रखंड के एल 37- परसा से बलहा (बी आर 5)सड़क का मरम्मति कार्य, प्रखंड माझा के कोईनी भैसही पीच रोड से भरटोली भाया तुरहा टोली सड़क का मरम्मति कार्य, सिधवलिया प्रखंड के एनएच 101 सिधवलिया हरिजन टोला भाया मंगोल हरिजन टोला, कोहार टोला, मंगोल राजपूत टोला तक सड़क का मरम्मति कार्य, सिधवलिया प्रखंड के सराई पीएमजीएसवाई रोड से बुचिया कविराज टोला तक सड़क का मरम्मति कार्य सहित कुल चैंतीस योजनाओं का शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री के शिलान्यास से इन गांवों के लोगों में विकास की उम्मीद दिखने लगी है।

सीएम की अभेद थी सुरक्षा व्यवस्था, चप्पे-चप्पे पर जवान थे तैनात

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समाधान यात्रा के तहत चाक-चैबंद सुरक्षा व्यवस्था कायम की गई थी। कोई भी ऐसा चैक चैराहा नहीं था जहां पर मुख्यमंत्री के सुरक्षा व्यवस्था के लिए दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती नहीं हुई हो बताते चले कि मुख्यमंत्री पटना से हैलीकैप्टर से गोपालगंज के सिपाया पंहुचे थे। हैलीपैड से सड़क मार्ग द्वारा पॉल्टेक्निक कॉलेज परिसर में आगमन हुआ। सड़क के जिस जिस रास्ते से मुख्यमंत्री को गुजरना था उन सारे रास्तों को करीब-करीब पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। कोई भी ऐसा चैक चैराहा नहीं था जहां पर पुलिस व्यवस्था सुदृढ़ और मजबूत नहीं हो। पुलिस प्रशासन के तरफ से प्रशिक्षित डॉग को भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया था यह डॉग एकदम मुस्तैद तरीके से अपने कार्य में लगे हुए थे तथा हर क्षेत्र को सूंघते हुए चल रहे थे। समाधान यात्रा के दौरान सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम की गई थी। सुरक्षा ऐसी थी की परिंदा भी बगैर इजाजत पर नही मार सकता था। बुधवार की अहले सुबह से ही कुचायकोट के टोला सिपाया जाने वाले रूट को आम राहगीरों के लिए डायवर्ट कर दिया गया था। इस प्रकार लगभग तीन किलोमीटर की एरिया को सुरक्षा घेरा में रखा गया था।

सीएम ने जीविका दीदियों से की मुलाकात, चेक देकर किया प्रोत्साहित

गोपालगंज। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से मुलाकात की और स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों का निरीक्षण किया। उन्होंने सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत जीविका दीदियों को चेक सौंपा। जीविका दीदियों ने प्रतीक चिन्ह भेंटकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। साथ ही जीविका दीदियों ने अपने द्वारा तैयार किए गए उत्पाद को भी मुख्यमंत्री को भेंट किया। जीविका दीदियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जीविका से जुड़ने के बाद हमलोगों के जीवन में काफी बदलाव आया है और अब हमलोगों का परिवार खुशहाल है। ये सब आपकी कृपा से हुआ है।

प्रदेश के सभी इलाकों में हो रहा विकास का काम: नीतीश कुमार

समस्याओं को जानने के लिए कर रहे है समाधान यात्रा, जीविका दीदी आगे बढ़ेंगी तो समाज और विकसित होगा

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार के सभी इलाकों का विकास हो रहा है। बुधवार को समाधान यात्रा के दौरान गोपालगंज जिले में विकास कार्यों का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होने कहा कि आप लोग जानते है कि गोपालगंज में बाढ के समय तो समस्या आते रहती है। इसको लेकर काम हो रहा है। कही किसी प्रकार की कमी हो तो उसको दुर करने का प्रयास किया जा रहा है। सूबे में हर जगह शिक्षण संस्थान व कॉलेज तो खुलवाया ही जा रहा है। जल्द ही मेडिकल कॉलेज भी खुलेगा। बाकि सब तो ठीक ही चल रहा है, हमलोग यही देखने आये हैं कि जो काम कराये गये हैं वह पूर्ण हुआ है या नहीं और आगे क्या काम करना जरूरी है। इसी उद्देश्य को लेकर हमलोग घूम रहे हैं। हमलोगों ने बिहार के सभी जिलों में काफी काम करवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूह में जीविका दीदियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आगे इनकी संख्या और हम बढ़ाना चाह रहे हैं। उनकी आमदनी को भी बढ़ाना चाह रहे हैं। जीविका दीदी आगे बढ़ेंगी तो समाज और विकसित होगा। ये लोग पढ़ने-पढ़ाने में भी सहयोग करेंगी। आपस में प्रेम-भाईचारे का भाव रखेंगी इसलिए हम एक-एक चीजों को देख रहे हैं कि सभी लोग काम करें। जीविका दीदियां अच्छा कर रही हैं। इसके पूर्व सीएम ने टोला सिपाया पंचायत के दलित बस्ती वार्ड संख्या 14 में जाकर एक-एक योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चैधरी, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री सुनील कुमार, जिले के प्रभारी मंत्री रामानंद यादव, विज्ञान एवं प्रावैधिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह, सांसद आलोक कुमार सुमन, विधायक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, विधायक प्रेमशंकर यादव, जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रदेश प्रवक्ता मंजीत कुमार सिंह, सहित अन्य जनप्रतिनिधगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह मिशन निदेशक जल जीवन हरियाली अभियान राहुल कुमार, डीजीपी, सारण आयुक्त पुनम, डीआइजी विकास कुमार, डीएम डॉ. नवल किशोर चैधरी, एसपी स्वर्ण प्रभात, डीडीसी अभिषेक रंजन, अपर समाहर्ता सुनील कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

न्यायालय के आदेश को नही मानते अतिक्रमणकारी

धारा 144 के बावजूद कर रहे जमीन पर निर्माण कार्य

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के कटेया थाने के करकटहा, इन्दरा नगर में कुछ लोगों द्वारा न्यायालय के आदेश का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। न्यायालय द्वारा धारा 144 लगाए जाने के बावजूद इन लोगों द्वारा उक्त विवादित जमीन पर रात में निर्माण कार्य कराया जा रहा है। बताया जाता है कि बेलही खास गांव के देवेन्द्र मणि त्रिपाठी की जमीन करकटहा, इन्दरा नगर में स्थित है। यह जमीन उनके पिता को हथुआ राज से प्राप्त हुई है। लगभग 90 वर्षो से इनके दखल कब्जे में है। अभी भी उक्त जमीन में केले की बागवानी हुई है। इधर कुछ लोगों द्वारा उक्त जमीन को गलत तरीके से हड़पने की नीयत से गलत कागजात बनवा लिया गया है। जब इसकी जानकारी देवेंद्र मणि त्रिपाठी को लगी तो उन्होंने इसकी लिखित शिकायत अंचल पदाधिकारी एवं थानाध्यक्ष कटेया को सुपुर्द किया। अंचल से मिली जानकारी के अनुसार उक्त जमीन का अतिक्रमणकारियों द्वारा कोई साक्ष्य नहीं मिल रहा है, बावजूद इसके येन केन प्रकारेण गलत कागजात के आधार पर ऊपर- ऊपर जमीन की रसीद कटवा ली गई है। शनिवार को थाना परिसर में आयोजित जनता दरबार में भी इस मामले को उठाया गया था । दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आखिरकार स्थानीय आर ओ के द्वारा धारा 107 एवं 144 के लिए हथुआ अनुमंडल को भेजा गया। जिसके बाद दोनों पक्षों पर 107 एवं उक्त जमीन पर धारा 144 लागू कर दिया गया है। इधर न्यायालय के आदेश के बाद भी अतिक्रमणकारियों द्वारा उक्त जमीन पर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। बता दें कि यह निर्माण कार्य उन लोगों के द्वारा रात्रि में चोरी से कराया जाता है। जिसकी सूचना थाने को दे दी गई है। इस मामले में देवेंद्र मणि त्रिपाठी ने कोइरीगांवा गांव के कमलेश रजक, सुनील तिवारी एवं मिश्रौली गांव के बृज किशोर मिश्र एवं अजय मिश्र के विरुद्ध अवैध अतिक्रमण को लेकर स्थानीय थाने में आवेदन दिया गया है।

गोपालगंज की टीम ने सीवान को 19 रनों से हराया

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के पंचदेवरी प्रखंड के बहेरवा में 13 फरवरी से चल रही डीएसटी स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच बुधवार को सीवान व गोपालगंज के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में गोपालगंज की टीम ने सीवान की टीम को 19 रनों से हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। मैच का उदघाटन समाजसेवी दुर्गेश तिवारी, महुअवा पंचायत के मुखिया विश्वकर्मा बैठा व पूर्व जिला पर्षद प्रतिनिधि सुधांशु पांडेय ने फीता काटकर किया। मैच में सीवान की टीम ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी गोपालगंज की टीम 15 ओवरों में नौ विकेट के नुकसान पर 151 रन बनायी। जवाब में खेलने उतरी सीवान की टीम निर्धारित 15 ओवरों में नौ विकेट के नुकसान पर 132 रन ही बना सकी। गोपालगंज के टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार गोपालगंज टीम के खिलाड़ी रवि बनारसी को दिया गया। आयोजन समिति के प्रबंधक कमलेश कुशवाहा ने बताया कि गुरुवार को प्रतियोगिता का चैथा क्वार्टर फाइनल मैच लखनऊ व फारबिसगंज के बीच खेला जायेगा। मौके पर गंगा सागर मिश्र, राहुल तिवारी, प्रफुल्ल राय, आतिश द्विवेदी, अजय गुप्ता, कौशल किशोर मिश्र, परमेंद्र, शत्रुघ्न, सोनू सहित आयोजन समिति के सभी सदस्य व काफी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

आरडीडीई रिश्वत मामले में संयुक्त निदेशक करेंगे सुनवाई

गोपालगंज प्रातः किरण ब्यूरो, डीइओ कार्यालय के लिपिक रंजय कुमार ने माध्यमिक शिक्षा के संयुक्त निदेशक नसीम अहमद को आवेदन देकर आरडीडीई छपरा के विरुद्ध रिश्वतखोरी का आरोप लगाया है। उन्होने अपने आवेदन कहा है कि आरडीडीई के द्वारा मेरे आवेदन पर चिकित्सा अवकाश स्वीकृत किया गया था, लेकिन जब मेरे द्वारा रिश्वत नहीं दिया गया तो चिकित्सा अवकाश को अस्वीकृत कर दिया गया। जिस मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त निदेशक ने आगामी 24 फरवरी को मामले में सुनवाई की तिथि निर्धारित किया है। जिसमें आरडीडीई को अपराहन तीन बजे उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। वही सुनवाई की तिथि से पूर्व रिपोर्ट मुहैया कराये जाने का निर्देश दिया गया है। वही आवेदक को अपने आरोप के संबंध में पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

बीपीएस कॉजेल के सहायक प्रोफसर के साथ बदसलूकी, प्राथमिकी दर्ज

आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के भोरे प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीएस कॉलेज के एक सहायक प्रोफेसर के साथ कुछ लड़कों ने बदसलूकी के साथ ही जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर गाली गलौज की। बाद में सहायक प्रोफेसर के बयान पर स्थानीय थाने में दलित उत्पीड़न की प्राथमिकी दर्ज की गयी है। बताया जाता है कि 14 फरवरी को दो लड़के बीपीएस कॉलेज के गर्ल्स टॉयलेट में चले गये थे। वहां से निकल कर आने के क्रम में जब कॉलेज के सहायक प्राध्यापक शशिकांत ने उनसे कॉलेज में आने का कारण पूछा, तो उन्हें देख लेने की धमकी दी। बाद में जब वे कॉलेज से बाहर निकले, तो भोरे का ही रोहन जायसवाल अपने दस साथियों के साथ शशिकांत को घेर कर उनके साथ गाली गलौज और धक्का मुक्की करने लगा। साथ ही उन्हें जातिसूचक गाली देने लगा। इसी मामले को लेकर शशिकांत के बयान स्थानीय थाने में रोहन जायसवाल सहित दस अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

लखरांव में शराब तस्करों की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, शराब छोड़ भागे तस्कर

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के लखरांव बाग के पास बुधवार की सुबह शराब तस्करों की बाइक दूसरी बाइक से टकरा गई। इस हादसे में एक महिला और एक बच्चा घायल हो गये। जबकि शराब तस्कर शराब और बाइक छोड़कर फरार हो गये। इस दौरान पुलिस ने मौके पर से भारी मात्रा में शराब बरामद किया है।

बताया जाता है कि बुधवार की दोपहर यूपी की तरफ से एक बाइक पर भारी मात्रा में शराब लेकर एक तस्कर भोरे की तरफ जा रहा था। जैसे ही वो भोरे-मीरगंज मुख्य पथ पर पहुंचा कि उसकी बाइक अनियंत्रित होकर दूसरी बाइक से टकरा गई। जिस पर सवार एक महिला और एक बच्चा घायल हो गये। दोनों का इलाज एक निजी अस्पताल में कराया गया। वहीं सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने तस्कर की बाइक और शराब को जब्त कर लिया।

एक ही रात में दो बाइकों को चारी, प्राथमिकी दर्ज

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के दो अलग अलग जगहों से चोरों ने दो बाइकों की चोरी कर ली। मामले को लेकर दो प्राथमिकी दर्ज की गई है। पहली घटना थाना क्षेत्र के दूबे जिगना गांव में हुई। जहां तेज नारायण दूबे के यहां उनकी लड़की की बारात आयी हुई थी। जहां कुशीनगर जिले के चैरा खास थाना क्षेत्र के शेरपुर बड़हरा गांव निवासी राजा कुशवाहा वेटर का काम करने आया था।

उसने बाहर ही अपनी बाइक खड़ी कर रखी थी। जहां से अज्ञात चोरों ने उसे गायब कर दिया। दूसरी घटना थाना क्षेत्र के मलचैर में हुई, जहां जयराम कुशवाहा ने अपनी ई स्कूटी को अपने बरामदे में खड़ी कर रखी थी। जहां से अज्ञात चोरों ने उसे गायब कर दिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज करी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बरौली के युवक की ससुराल में पत्नी समेत पिटायी, जांच में जुटी पुलिस

बरौली । बरौली थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव का एक युवक अपनी पत्नी के साथ ससुराल गया था। जहां दोनो को मारपीट कर जख्मी कर दिया गया। किसी तरह से भागकर दोनो ने अपनी जान बचायी। गंभीर हालत में दोनो को इलाज स्थानीय अस्तपाल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि उक्त गांव का नरेश शर्मा अपनी पत्नी रंजीता देवी के साथ अपने ससुराल सिवान जिले के गोरेयाकोठी थाना क्षेत्र के सैदपुरा गांव में ससुर कमल शर्मा की तबियत खराब होने की सूचना पर गया था। जहां आपसी विवाद को लेकर पति व पत्नी को मारपीट कर गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया गया। इस मामले को लेकर रंजीता देवी ने थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है। आवेदन मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच पडताल करने में जुट गयी है।

पंचायत समिति की सामान्य बैठक में छाए रहे जन सरोकार के मुद्दा

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर सदर। सदर प्रखंड के सभागार में गत दिन मंगलवार को पंचायत समिति की सामान्य बैठक संपन्न हुई।इस की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख नरेश कुमार ने की गई। बैठक में मुख्य रूप से मुंगेर के विधायक प्रणव कुमार मौजूद रहे। बैठक में सदस्यों ने शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल सहित कई जन सरोकार से के मुद्दे उठाए. बैठक में मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों ने सदस्यों को आश्वस्त कराया की जो भी समस्याएं हैं उसे प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। प्रमुख नरेश कुमार ने बताया कि कई ज्वलनशील मुद्दा है जिसका निवारण नहीं होने से आमलोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने बताया कि कुतलूपुर के कई वार्डो में पेयजल की समस्या है। व्यवस्था के बावजूद भी लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

वहीं पंचायत समिति सदस्य गुलनाज शाहीन ने भी पंचायत में तार पोल सहित स्कूल में शिक्षकों की कमी का मामला उठाया. वही नवागढ़ी दक्षिणी पंचायत के पंचायत समिति रितु कुमारी ने प्राथमिक विद्यालय तांती टोला विद्यालय निर्माण एवं प्राथमिक विद्यालय बजरंगबली नगर मैं शिक्षक की मांग की श्रीनिवास सिंह, सतीश पासवान त्रिपुरारी मंडल ने भी अपने क्षेत्र से संबंधित कई समस्याओं को रखते हुए उसके अभिलंब समाधान की मांग संबंधित अधिकारियों से की। विधायक प्रणब कुमार ने भी समस्याओं की ओर अधिकारियों को इशारा करते हुए कहा इसमें कहीं कोई किंतु परंतु की बात नहीं होनी चाहिए. उन्होंने सदस्यों से कहा कि निश्चित रूप से क्षेत्र में जो समस्याएं हैं उसे दबाकर नहीं रखें.सदन में उठाएं जिससे कि अधिकारियों का ध्यान उस ओर केंद्रित हो और समस्या का समाधान हो सके.इस अवसर पर उप प्रमुख दुर्गा कुमारी, बीडीओ विकास कुमार, सीओ प्रीति कुमारी, सीडीपीओ पूनम, प्रखंड कृषि पदाधिकारी विनय कुमार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी स्वास्थ्य प्रबंधक रवि कुमार सहित विभिन्न पंचायतों के पंचायत समिति सदस्य एवं मुखिया मौजूद थे।

उद्घाटन मैच में कुशीनगर ने बलिया को हराया

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के पंचदेवरी प्रखंड के बहेरवा बाजार में डीएसटी स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का उदघाटन मैच बलिया व कुशीनगर के बीच खेला गया, जिसमें कुशीनगर की टीम ने बलिया को 33 रनों से हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। इससे पूर्व मैच का उदघाटन पूर्व अध्यक्ष जिला परिषद् गोपालगंज मुकेश पांडेय ने फीता काटकर किया। मैच में बलिया की टीम ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कुशीनगर की टीम निर्धारित 15 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 219 रनों का लक्ष्य बलिया टीम के सामने रखी। जवाब में खेलने उतरी बलिया की टीम 185 रनों पर ही सिमट गयी। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार बलिया टीम के खिलाड़ी विनोद को दिया गया। आयोजन समिति के सदस्य राहुल तिवारी व आतिश द्विवेदी ने बताया कि मंगलवार को प्रतियोगिता का दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच सिकटा गोरखपुर व कटेया के बीच खेला जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

दो अज्ञात शवो का लावारिस सेवा केंद्र ने कराया अंतिम संस्कार

आरा। लावारिस सेवा केंद्र ने बुधवार को दो अज्ञात शवो का अंतिम संस्कार गांगी नदी स्थित मुक्तिधाम पर कराया गया। सेवा केंद्र के संस्थापक डीएन सिंह ने बताया कि एक शव गजराजगंज ओपी पुलिस तथा दूसरा शव आरा नगर थाना पुलिस द्वारा प्राप्त हुआ था। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव को पहचान के लिए रखा गया था। पहचान नहीं होने पर आज दोनों शवों का अंतिम संस्कार करा दिया गया। शव को अंतिम संस्कार कराने में डीएन सिंह के अलावज रामेश्वर तिवारी, रविशंकर मिश्रा, जितेंद्र कुमार समेत अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

पत्नी की पिटाई करने वाला शराबी पति गिरफ्तार

बोचहा।थाना क्षेत्र के कन्हारा गांव में मंगलवार को एक नशेड़ी पति ने लाठी-डंडे से पत्नी को पीटकर घायल कर दिया। शोर शराबा की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंच गए और नशेड़ी से पत्नी को बचाया। इसके बाद पत्नी ने पति के बढ़ते अत्याचार से ऊबकर थाने में लिखित शिकायत की है, उसके बाद पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है।

पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम की तैयारियों के लिए बैठक आयोजित

मुजफ्फरपुर।जिलाधिकारी के कार्यालय कक्ष में, नेहरू युवा केंद्र,मुजफ्फरपुर द्वारा आयोजित किए जा रहे जिलास्तरीय पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम की तैयारियों से संबंधित पदाधिकारियो की बैठक आयोजित की गई। जिला युवा पदाधिकारी रश्मि सिंह द्वारा वर्णित बैठक में यह जानकारी दी गई कि इस वर्ष जी-20 सम्मेलन की अध्यक्षता एवं मेजबानी भारत वर्ष को मिली है।उक्त के क्रम जिला मुजफ्फरपुर में भी पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन जी-20 की थीम वसुधैव कुटुंबकम्पर आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को चार सत्रों में आयोजित किया जायेगा जिनमे जी- 20 और यूथ 20 से संबंधित कार्यक्रम, ।अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष, मिशन लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंटशामिल है। ज्ञातव्य है कि उक्त अवसर पर यूथ इंटरेक्शन कार्यक्रम तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने है। कार्यक्रम दिनांक 25 फरवरी , 2023 को डीआरसीसी , सिकंदरपुर में आयोजित किए जाएंगे।इन कार्यक्रमों में जिले के 15 से 29 आयु वर्ग के युवा भाग ले सकेंगे।

बीबीसी कार्यालय पर आयकर छापे का भाकपा माले न्यु डेमोक्रैसी ने की निंदा

मुजफ्फरपुर।केंद्र सरकार के आयकर विभाग द्वारा बीबीसी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय पर छापेमारी की सीपीआई(एमएल) न्यू डेमोक्रेसी जिला कमेटी मुजफ्फरपुर ने तीव्र निंदा की है।कहा गया है कि यह छापामारी प्रेस के अधिकारों पर हमला है।संवैधानिक अधिकारों का खुला उल्लंघन है। यह छापामारी मोदी सरकार अपने हिंदू सांप्रदायिक फासीवाद को ढकने का काम कर रही है। विदित हो कि 2002 में गुजरात में बीजेपी के द्वारा प्रायोजित संप्रदायिक दंगे हुए थे जिसमें हजारों मुस्लिम अल्पसंख्यक की हत्या, बिलकिस बानो जैसे चर्चित बलात्कार और उसके परिवार के नरसंहार भी शामिल हैं।गुजरात सांप्रदायिक दंगों पर बीबीसी के द्वारा एक टेली फिल्म बनाई गई थी जो प्रसारित की गई। इससे घबराकर बीबीसी दफ्तर पर छापामारी की गई है। पार्टी द्वारा मांग की गई है कि केंद्र की मोदी सरकार प्रेस के स्वतंत्रता के अधिकारों पर हमला बंद करें। जनता के अभिव्यक्ति की जनवादी अधिकारों पर हमला बंद करें।

बाबा सिद्धेश्वर नाथ शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकली कलश यात्रा

मुजफ्फरपुर।कुढ़नी प्रखंड के अमरख गांव स्थित माई स्थान प्रांगण में शिव शक्ति दरबार बाबा सिद्धेश्वरनाथ शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा हेतु गंडक नदी आथर घाट से बाबा के दरबार में 251 कन्याओं ने कलश बोझी कर बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मंदिर परिसर में कलश को समर्पण किया। 12 किलोमीटर की इस यात्रा को हाथी घोड़े के साथ हजारों ग्रामीणों ने मस्ती और भक्ति के साथ इस यात्रा को सफल बनाया। यज्ञआचार्य प्रमोद झा और पुरोहित दीपक मिश्रा ने बताया कि यह यज्ञ 15 फरवरी से शिवरात्रि तक चलेगा।16 को शिवलिंग की स्थापना की जाएगी,तदोपरांत शिव पार्वती नाम की अष्टयाम होगी उसके बाद शिवरात्रि में विवाह कृतन का आयोजन होगा।बाबा के शिवलिंग की स्थापना गांव और विश्वकल्याण के लिए की जा रही है।

रोजगार मेले में युवाओं की जुटी भीड़

रोजगार मेले के मध्यम से 1189 युवक एवं युवतियों का सीधे प्लेसमेंट के लिए हुआ निबन्धन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रो में महिलाओ के सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव की वाहक बनी जीविका द्वारा रोजगार मेले का आयोजन कर युवाओ एवं युवतियों के लिए रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण का अवसर उपलब्ध करा कर उनका भविष्य उज्जवल बना रही हैं। जीविका द्वारा दिन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत कांटी प्रखंड के जीविका कार्यालय के पास बुधवार को रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया ।

मेले का विधिवत उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी कांटी,जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक अनिशा, जिला रोजगार प्रबंधक अभिषेक शेखर, प्रखंड परियोजना प्रबंधक राकेश कुमार तथा वाई पी धीरज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रजवलित कर किया। इसमें बिभिन्न कंपनियों के स्टॉल लगाये गए । सभा को संबोधित करते हुए वीडियो ने कहा कि जीविका के सहयोग से ग्रामीण रोजगार युवा एवं युवतियों को संगठन क्षेत्र के गैर सरकारी संस्थान में सीधे रोजगार उपलब्ध कराने के लिए डीडीयु-जीकेवाई एवं आरएसईटीआई से प्रशिक्षित कर स्व-रोजगार से जोड़ने हेतु रोजगार सह मार्गदर्शक मेले का आयोजन किया गया है। इससे समाज के गरीब एवं वंचित लोगों का उत्थान होता है। इस मेले में साक्षर से लेकर तकनीकी डिग्री वाले सभी युवाओं के लिए विशेष अवसर है।

डीपीएम अनिशा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की जीविका के रोजगार मेला के माध्यम से हजारो ग्रामीणों को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार से जोरा गया हैं। जीविका से जूडी महिलाओ का समूह बनाकर उन्हें स्वरोजगार के लिए ऋण मुहैया कराया जाता हैं। जीविका से जुड़ी महिलाओ के बदौलत कई घरो के चूल्हे जल रहे हैं। वही समय समय पर रोजगार मेला का आयोजन कर बेरोजगार लोगो को कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार मुहैया कराया जाता हैं। इससे समाज के गरीब एवं वंचित लोगों का उत्थान होता है। प्रखंड परियोजना प्रबंधक राकेश कुमार ने कहा कि जीविका के माध्यम से बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए रोजगार सह मार्गदर्शक मेले का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है तथा जिले में छिपे हुए प्रतिभाओं को एक अच्छा और सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा है।

जिला रोजगार प्रबंधक अभिषेक शेखर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि ग्रामीण युवक एवं युवतियों को विभिन्न कंपनियों जैसेः-साई राजेश्वरी, विजन इंडिया, सुजुकी मोटर,लावा मोबाइल वाकरु, शिव शक्ति, सिक्योरिटी कंपनी जैसी बड़ी कंपनीयों में सीधे रोजगार तथा कौशल प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार प्राप्त करने का अच्छा विकल्प है।

रोजगार मेले के मध्यम से 1189 युवक एवं युवतियों का सीधे प्लेसमेंट के लिए निबन्धन किया गया। डीडीयु-जीकेवाई में कौशल प्रशिक्षण के लिए 368 युवक एवं युवतियों का चयन किया गया। जबकि आरएसईटीआई में रोजगार प्रशिक्षण के लिए 110 युवक एवं युवतियों का चयन हुआ। इस रोजगार मेले में कुल लोगों ने रोजगार के लिए निबन्धन कराया।

इस रोजगार सह मार्गदर्शक मेले के आयोजन को सफलीभूत करने हेतु पीआईए प्रतिनिधि रूपेश कुमार, चुनचुन कुमार तथा कांटी प्रखंड के सभी जीविका कर्मी उपस्थित थे।

शरीर पर पहने गए छोटे वस्त्र, मानव के मर्यादा एवं लज्जा को भंग करते हैं: जीयर स्वामी

प्रात : किरण संवाददाता

बखोरापुर में प्रवचन करते हुए श्री स्वामी जी महाराज ने कहा कि नैमिषारण्य की धरती पर सूत जी महाराज से शौनक ऋषि ने पूछा कि कलयुग में मानव का उद्धार कैसे होगा? जिस पर कथा सुनाते हुए सूत जी महाराज ने कहा कि हरिनाम संकीर्तन और सत्संग से ही मानव का उद्धार कलयुग में होगा । सूत जी महाराज ने ऋषियों को भागवत जी के महिमा को सुनाते हुए कहा कि भागवत सभी वेद, उपनिषद एवं धार्मिक ग्रंथों का सार है।

जीयर स्वामी ने कहा कि आज का मानव धर्म भी करते हैं, कर्म भी करते हैं, लेकिन शर्म नहीं करते। मनुष्य का नैतिक स्तर बहुत गिर गया है, आज भजन कीर्तन में भी लोग आधुनिक अश्लील धुन बजा कर नाच रहे हैं, जो मयार्दा के विरुद्ध है। कहा कि एडवांस युग की दुहाई देने वाले लोग कम वस्त्र पहन कर अपने आप को एडवांस बता रहे हैं, जिससे उनके संस्कार बिगड़ रहे हैं । किसी भी परिस्थिति में मनुष्य को अपनी मयार्दा, संस्कृति और संस्कार को नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि मनुष्य के जीवन से यह सब चले जाने के बाद उनका विनाश निश्चित है । उन्होंने बिहार के बक्सर जनपद के पावन भूमि की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि यह भूमि सतयुग से ही देवी- देवताओं की जन्म स्थली रही है। जहां त्रेता में भगवान राम स्वयं यहां आकर ऋषि- मुनियों की रक्षा के लिए आसुरी प्रवृत्ति के लोगों का संघार किया।

कहा कि धरती पर केवल मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसके लिए कई ग्रंथ- पुराण, उपनिषद- वेद आदि की रचना के साथ कई अविष्कार किए गए। जबकि पृथ्वी पर पशुओं और अन्य जीवों के लिए आज तक कोई अविष्कार नहीं हुआ, फिर भी पशुओं ने अपना धर्म नहीं छोड़ा। लेकिन आज का इंसान विभिन्न प्रकार के आविष्कार और धर्म ग्रंथों के मौजूद होने के बावजूद अपनी मयार्दा से गिरता जा रहा है ।

भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर सदर । दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक नौवागढ़ी मुंगेर में मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक के निदेर्शानुसार वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन किया गया . इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्रणी जिला प्रबंधक नवीन कुमार थे .सभा की शुरूआत में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक नौवागढ़ी शाखा के शाखा प्रबंधक प्रभात सिन्हा द्वारा अग्रणी जिला प्रबंधक शनवीन कुमार का स्वागत पुष्प गुच्छा देकर किया गया।इस मौके पर उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक के निदेर्शानुसार वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन आम जनमानस को जागरूक करने के लिए किया जा रहा है ।

इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के निदेर्शानुसार फरवरी माह के दिनांक 13 से दिनांक 17 तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया जाना है जिसका थीम है " सही वित्तीय बर्ताव, करे आपका बचाव " . उन्होंने बताया कि अपने मासिक आय में हम बजट बनाकर अपने आमदनी को बचा सकते हैं .यही बचत भविष्य में आवश्यकता के समय हमारे काम आएगा.उन्होंने यह भी कहा कि पैसा कहता है कि यदि तुम मुझे आज बचाओगे तो मैं तुम्हें जरूरत के समय कल बचाऊंगा.नवीन कुमार ने बताया कि डिजिटल वित्तीय सेवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग करें, क्योंकि डिजिटल सेवा सुविधाजनक है परंतु लापरवाही की स्थिति में नुकसानदायक भी हो जाती है. उन्होंने बताया कि फोन पर कभी भी अपने मोबाइल का ओटीपी, बैंक का खाता संख्या, केवाईसी संबंधित सूचना, आधार संख्या या अन्य गोपनीय सूचनाएं किसी के भी साथ साझा ना करें। फोन पर किसी भी तरह के दिए गए प्रलोभन या दी जाने वाली अनावश्यक सुविधाओं के लोभ में ना पड़े। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कोई भी अनजान लिंक जो आपके मोबाइल में ईमेल या मैसेज के द्वारा आपको मिलता है, उस पर क्लिक ना करे।

शिक्षकों को परीक्षा ड्यूटी में लगाया, विद्यालय में मिडडे मील का चूल्हा पड़ा ठंडा

बोचहा।शिक्षा विभाग के आदेश से मैट्रिक बोर्ड की परीक्षा मे विद्यालय के प्रधानाध्यापक के परीक्षा ड्यूटी पर चले जाने से प्रखंड क्षेत्र के आदिगोपालपुर पंचायत स्थित प्रा वि बुधनगरा में मिडडेमील का चूल्हा ठंडा पड़ गया। बिन खाए बच्चें अपने घर वापस लौट गया। मामला स्थानीय प्रशासन के पास पहुंचने के बाद स्थानीय प्रशासन ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया। बीईओ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है। इसकी जांच कर स्पष्टीकरण पूछा जायेगा। इधर, रसोईया कांति देवी ने बताया कि राशन नहीं रहने के कारण भोजन नहीं बना है। विद्यालय में कुल 24 बच्चों को पढ़ा रही शिक्षिका ज्योति कुमारी ने बताया कि इस विद्यालय में तीन शिक्षक है। विद्यालय प्रधान संगीता कुमारी मैट्रिक बोर्ड परीक्षा की ड्यूटी में गई है। और एक शिक्षिका कोमल कुमारी मातृ अवकाश पर है। रसोईया ने राशन नहीं मिलने की बात बताई। जबकि अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय प्रधान अपने घर पर मिडडेमील का सारा सामान रखती है।

भोजपुर में कुएं में डूबने से बालक की मौत,घर मे मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के सरैया गांव में बुधवार की शाम कुएं में डूबने से एक बालक की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृत बालक संदेश थाना क्षेत्र के सरैया गांव निवासी विनय चौधरी का आठ वर्षीय पुत्र अनिकेत कुमार है। इधर मृत बालक के परिजन मिट्ठू ने बताया कि बुधवार की शाम वह घर के बाहर कुएं के पास गांव के ही कुछ बच्चों के साथ खेल रहा था। जहां खेलने के दौरान वह अचानक कुएं में जा गिरा और डूब गया। कुछ देर बीत जाने के बाद उसके साथ खेल रहे बच्चों ने उसके घर जाकर परिजनों से कहा कि वह कुएं में डूब गया है। सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से उसे कुंए से बाहर निकाला। इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए संदेश रेफरल अस्पताल ले गए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि परिजन अभी उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ला ही रहे थे। तभी उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बावजूद इसके परिजन उसे आरा सदर अस्पताल ले आए जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन अपनी स्वेच्छा से शव का बिना पोस्टमार्टम कराये ही वापस गांव ले गए। बताया जाता है कि मृत बालक अपने दो भाई व एक बहन में बड़ा था। मृत बालक के परिवार में मां गुड़िया देवी व एक भाई सुमित कुमार एवं एक बहन सौम्या कुमारी है। घटना के बाद मृत बालक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद बालक की गुड़िया देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हर घर, हर दिन, आयुर्वेद कार्यक्रम के तहत बालों को झड़ने एवं पकने की समस्या पर चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। वैद्य प्रोफेसर दिनेश्वर प्रसाद राजकीय आयुर्वेद कॉलेज अस्पताल ,पटना ,बेगूसराय, दरभंगा बिहार के पूर्व प्राचार्य एवं पटना ,शेखपुरा के पाल मार्केट के अमृत आयुर्वेद का निदेशक सह मुख्य चिकित्सक हर घर, हर दिन ,आयुर्वेद कार्यक्रम के तहत बालों को कम आयु में झड़ने एवं पकने की समस्या एवं उससे बचाव के विषय पर जानकरी देंने जा रहा हूं,वर्तमान समय में कम आयु में ही बालों को झंडने, पकने एवं डैनडरफ की। खतरनाक समस्या बहुत तेजी से बढ़ी रही है, इन समस्याओं के लिए वर्तमन समय में बालों को झडने,पकने, डैंड्रफ आदि के समस्याओं के लिए एलोपैथ, होम्योपैथ, जैसे विद्या में शायद बहुत कम दवाइयां या विवरण मिलता है पर आयुर्वेद में खलीत ,पल्लीत नाम के रोग से बचाव ,इलाज एवं इसके कारणों का विस्तृत विवरण उपलब्ध है ,इसे दोषों के हिसाब से पित दोष के दुष्टी से ये सब समस्याएं होती हैं। इसके कारणों में लम्बे समय से कब्ज, पेट की खराबी, बार बार बुखार का आना, अनिद्रा,अत्यधिक चिन्ता, बालों एवं सर में तेल मालिश की कमी, अत्यधिक शुक्र का छरण,पितवधर्क आहार का विशेष सेवन, महिलाओं में लम्बे समय तक धाध(प्रदर) लि कोरिया, अनियमित मासिक स्राव, लम्बे समय तक एलोपैथिक दवाइयों का सेवन इत्यादि मुख्य कारण बताये गये है।इस रोग का निवारण एवं पितशामक दवाइयों एवं खानपान, आसन, प्राणायाम का नियमित प्रयोग, पेट को साफ करने वाली दवाइयों एवं खानपान का प्रयोग लाभदायक माना गया है। आंवला, त्रिफला का नियमित सेवन के साथ साथ भृंगराज,रीठा ,शिकाकाई से बालों की सफाई ,नाक में अणु तेल का प्रयोग विशेष लाभकारी है। केमिकल युक्त साबुन ,शैंपू एवं तेलों का परित्याग करना चाहिए एवं समय पर चिकित्सक से परामर्श लेकर इलाज कराना चाहिए ,समय समय पर रसायन एवं पंचकर्म चिकित्सा विशेष लाभकारी है पंचकर्म विधा में नस्यकर्म (शिरोविरेचन),विरेचन कर्म शिरोधारा या शिरोवस्ती से विशेष लाभ मिलता है विशेष जानकारी के लिए निम्न मोबाइल नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं,यथा 9773960287,9798924125।

कृषि वैज्ञानिक के जन्मदिन पर आयोजित हुआ सामाजिक मिलन समारोह

स्वावलंबी गांव से स्वावलंबी भारत विषय पर हुई संगोष्ठी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।राजेंद्र कृषि केंद्रीय विश्वविद्यालय पूसा के पूर्व कुलपति डॉ गोपालजी त्रिवेदी के 94वें जन्मदिन के अवसर पर आज बंदरा प्रखंड के मतलुपुर स्थित बाबा खगेश्वरनाथ धाम में 16वां सामाजिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया।।मिलन समारोह की अध्यक्षता पूर्व कुलपति डॉ गोपालजी त्रिवेदी एवं संचालन आरएयू पूसा के शोध की छात्रा सलोनी कुमारी ने किया।।कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया।। पूर्व कुलपति डॉ त्रिवेदी के 94 वां अवतरण दिवस पर उन्हें दीघार्यु होने की शुभकामनाएं दी गई।।बधाई देने वाले लोंगो ने शॉल,बुके एवं अंगवस्त्र देकर डॉ त्रिवेदी के दीघार्यु होने की कामना की।।डॉ रमन कुमार त्रिवेदी ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश कराया।।मौके पर 'स्वाबलंबी ग्राम से स्वाबलंबी भारत' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए पूर्व कुलपति डॉ एचपी सिंह ने कहा कि संगोष्ठी का विषय जितना अच्छा है उतना ही मुश्किल भी है।।उन्होने कहा,

हर गांव की समस्या एक नही होती।। आजादी के समय सबसे ज्यादा उत्पादन बिहार में था, लेकिन जैसे- जैसे हम आगे बढ़े ,उत्पादन पीछे होता गया।।इसके लिए चिंतन एवं मंथन करने की जरूरत है।। समृद्ध राष्ट्र के लिए पहले गांव को समृद्ध करना होगा।।इसके लिए गांव में ही रोजगार उपलब्ध करा कर युवाओं को पलायन करने से रोकने की जरूरत है।। बिहार की भूमि उपजाऊ है,पानी भी पर्याप्त है फिर भी हम उत्पादन में पिछड़े है।। लोगों की मानसिकता को बदल कर और बदलाव ला कर ही हम आगे बढ़ सकते हैं।बेहतर उत्पादन में टुकड़े -टुकड़े भूमि का होना सबसे बड़ी बाधा है।।नई तकनीक के साथ सामुहिक खेती कर ही बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है।।हमें स्वाबलंबी बनना होगा और अपनी शक्तियों को पहचानना होगा तभी हम आगे बढ़ सकते हैं।।आरएसइस के क्षेत्रीय प्रचारक रामकुमार सिंह ने कहा कि भारत के पुराने स्वाभिमान को वापस लाना होगा।। गांव की नई पीढ़ी को प्रेरणा देने के लिये गांव की ओर चलना होगा।। समन्वय बना कर और मिश्रित खेती करने से अधिक आमदनी हो सकती है।।राजेंद्र कृषि केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीएन पांडेय ने कहा कि गांव और खेती के बगैर कुछ भी सम्भव नही है।। आज के किशोर और युवा वर्ग को गांव की महत्ता बताने की जरूरत है। । गांव में उत्पादित वस्तुओं का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने की जरूरत है।।हमे स्वार्थ छोर सामुहिक रूप से आगे आना होगा।। जब हमारा गांव स्वाबलंबी होगा,समृद्ध होगा तभी हमारा देश समृद्ध होगा।।इसके लिए जागरूकता लाने की जरूरत है।। सर्वोदयी कार्यकर्ता लक्षणदेव प्रसाद सिंह ने कहा कि गांव की कुदाल,टोकरी,हंसुआ और रस्सी जब फैक्ट्री से बन कर आ रही है तो गांव समृद्ध और स्वाबलंबी कैसे होगा।। डॉ गोपालजी त्रिवेदी ने कहा कि आज के बदलते परिवेश में लोग एक दूसरे से कटने लगे है,दूर होते जा रहे है।जिससे समाज पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।।जरूरत है एक समरस समाज के निर्माण की,जिसमे किसी न किसी बहाने से एक दूसरे से मिलना जुलना हो।इसी उद्देश्य से इस समाजिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया है।।संस्कृति,और सभ्यता का निर्माण गांव से ही शुरू होता है।।गांव समस्या नही संस्कृति है।।जब व्यक्ति में बदलाव होगा,तभी समाज का विकास होगा।। गांव की तकदीर बदलना है तो गांव में रहना होगा।। उन्होंने बीजू आम की महत्ता एवं उपयोगिता को बताते हुए कहा कि बीजू आम स्वास्थ्य के साथ साथ संस्कृति भी है इसलिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाये।।समाजसेवा के क्षेत्र में तेपरी के विमला ठाकुर,खस उत्पादन के लिये बंदरा के रत्नेश ठाकुर,मछली उत्पादन के लिये मतलुपुर के संतोष त्रिवेदी को एवं मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए प्रकाश पंडित को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।।धन्यवाद ज्ञापन प्रगतिशील सीनियर सिटीजन कौंसिल के प्रखंड अध्यक्ष श्यामनन्दन प्रसाद ठाकुर ने किया।राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।मेनकाइंड एग्रोटेक के जनरल मैनेजर वेदप्रकाश सिंह द्वारा सभी लोगों को बीजू आम का पौधा दिया गया। मौके पर सपोर्ट फाउंडेशन के अध्यक्ष रंगीश ठाकुर,जिला पार्षद फनीष कुमार चुन्नू, बैद्यनाथ पाठक,पूर्व सरपंच देवेंद्र पांडे, रंजन, रामकुमार त्रिवेदी, आंनद ठाकुर समेत अन्य लोग मौजूद थे।

ट्रक ने बाइक सवार चाचा-भतीजा को मारी टक्कर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के धनगाई गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप बुधवार की सुबह ट्रक ने बाइक सवार चाचा-भतीजे को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए जगदीशपुर के दुलौर स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मियों में झारखंड के पलामू जिला के मान्तु थाना क्षेत्र के पदमा गांव निवासी अमृत यादव का पुत्र रवि कुमार एवं उसी गांव के निवासी कजरु यादव का पुत्र त्रिवेणी कुमार है। दोनों रिश्ते में चाचा भतीजे बताए जा रहे हैं। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। घटना के बाद मौके से चालक ट्रक चोर फरार हो गया। वही घटना की सूचना मिलते ही थाना इंचार्ज प्रदीप कुमार भास्कर घटनास्थल पर पहुंचे और मौके से उक्त ट्रक को जप्त कर लिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है रवि कुमार एवं त्रिवेणी कुमार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ठ.ल.अ.क) में रसोईया का काम करते है। बुधवार की सुबह चावल खरीदने के लिए जगदीशपुर नयका टोला बाजार गए थे। जब वह दोनों चावल लेकर वापस धनगाई लौट रहे थे। उसी दौरान धनगाई गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप विपरीत दिशा से आ रही ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक से गिर पड़े और गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद उन्हें जगदीशपुर के दुलौर स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है।

अधिग्रिहीत भूमि का मुआवजा यदि रयैत नहीं लेता है तो घन राशी जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुंगेर के यहां जमा करा दिया जाएगा : जिला पदाधिकारी नवीन कुमार सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर ।मुंगेर- मिजाचौकी एनएच 80 फोरलेन परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा राशि जो यदि रैयत प्राप्त नहीं करते हैं, उनकी मुआवजा राशि को जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुंगेर के यहां जमा करा दी जाएगी और उनकी भूमि को सड़क निर्माण हेतु एनएचएआई को हैण्ड ओवर कर दिया जाएगा।

इसकी जानकारी जिलाधिकारी नवीन कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करदी हैं। उन्होंने कहा हैं कि सभी रैयतों को जिनकी भूमि मुंगेर मिजाचैंकी एनएच 80 के लिए अधिग्रहित की गयी थी, उन्हें पुनः सूचना दी जा रही है कि वे अपने भूमि से संबंधित अभिलेख मुआवजा राशि प्राप्ति हेतु जिला भू-अर्जन कार्यालय, मुंगेर में जमा कर दें। जिनके द्वारा भू अभिलेख उपलब्ध नहीं कराया जाएगा उनके अधिग्रहित भूमि की मुआवजा राशि जिला एवं सत्र न्यायाधीश के यहां जमा करा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला भू-अर्जन पदाधिकारी के द्वारा जो अवार्डी हैं उन्हें सामान्य प्रक्रिया के तहत मुआवजा राशि अवार्ड की जाती है। उक्त राशि रैयत द्वारा प्राप्त कर लिए जाने पर भी उनका दावा समाप्त नहीं होगा तथा दावा हेतु आरबिट्रेटर सह प्रमंडलीय आयुक्त के न्यायालय के निर्णय के आलोक में यदि मुआवजा राशि में बढौतरी हो जाती है तो वह राशि उन्हें पुनः प्रदान की जाएगी। साथ ही अन्य कोई भी दावा जो आरबिट्रेटर द्वारा अनुमोदित होगा वह भी रैयत को फिर से दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि माननीय उच्च न्यायालय पटना के द्वारा पारित आदेश के आलोक में मुंगेर-मिजाचैंकी फोरलेन परियोजना अंतर्गत अंचल सदर मुंगेर के मौजा नौवागढ़ी, मिल्कीचक, जानकीनगर तथा हड़ियो एवं अंचल जमालपुर के मौजा महमदा, रामपुर, चंदनपुरा, मुस्तफापुर तथा सिराजाबाद इंग्लिश के हितबद्ध रैयतों को अगली सुनवाई की तिथि आगामी 23 फरवरी 2023 के पूर्व मुआवजा का भुगतान किया जाना है।

माननीय उच्च न्यायालय पटना के आदेश के अनुपालन में संबंधित मौजा के रैयतों को मुआवजा की राशि प्राप्त कर लेने हेतु वांछित कागजात उपलब्ध कराने के लिए जिला भू-अर्जन कार्यालय मुंगेर द्वारा पुनः नोटिस निर्गत किया गया है। इस संबंध में जिला पदाधिकारी, मुंगेर द्वारा सदर अंचल के सभी संबंधित मौजा के लिए दिनांक 15 फरवरी से 17 फरवरी 2023 तक पंचायत भवन जानकीनगर में एवं जमालपुर अंचल के पाटम, महमदा तथा रामपुर मौजा के लिए दिनांक 15 एवं 16 फरवरी 2023 तक उच्च विद्यालय पाटम में एवं चंदनपुरा, मुस्तफापुर तथा सिराजाबाद इंग्लिश हेतु दिनांक 17 से 18 फरवरी 2023 तक उच्च विद्यालय चंदनपुरा में कैम्प लगाकर संबंधित रैयतों से वांछित कागजात प्राप्त करने का आदेश दिया गया है।

उक्त मौजा से संबंधित सभी हितबद्ध रैयतों को सूचित किया गया है कि मुंगेर मिजाचैंकी फोर लेन परियोजना अंतर्गत अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का मुआवजा प्राप्त करने हेतु सभी आवश्यक कागजात यथा केवाला, खतियान, वंशावली, अद्यतन लगान रसीद, भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र, बंध पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक खाता की विवरणी अविलंब जिला भू-अर्जन कार्यालय मुंगेर में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है ताकि उन्हें आगामी 23 फरवरी 2023 के पूर्व मुआवजा राशि का भुगतान किया जा सके।

आंगनबाड़ी केंद्र, विद्यालय और स्वास्थ्य विभाग को समय से खोलें और समय से बंद करें: जिला पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेरः जिलाधिकारी नवीन कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि विभिन्न स्तर के विद्यालयों के मरम्मती हेतु सरकार द्वारा निधि उपलब्ध करायी जाती है, जिसमें प्राथमिक विद्यालयों के लिए 50 हजार एवं मध्य विद्यालयों के लिए 75 हजार रुपए प्रति विद्यालय उपलब्ध कराया गया है। इस संदर्भ में एक प्रधानाध्यापक द्वारा शिकायत दर्ज की गयी है कि संबंधित जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा) एवं सहायक अभियंता आदि के द्वारा उक्त राशि में कटौती कर राशि निर्गत की जा रही है। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी के द्वारा उपविकास आयुक्त की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गयी है। प्राप्त शिकायत सही पाये जाने पर संबंधित पदाधिकारियों/कर्मियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं जिलाधिकारी ने आईसीडीएस, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अंतर्गत बच्चों एवं आम नागरिकों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाएं एवं सेवाएं गांव गांव तक धरातल पर उपलब्ध कराने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी आं

संक्षिप्त खबरें

सुल्तानगंज थाना परिसर में महाशिवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक का हुआ आयोजन

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज थाना परिसर में महाशिवरात्रि को लेकर बुधवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जहां बैठक की अध्यक्षता थाना अध्यक्ष प्रिया रंजन ने की गई।वही बैठक में अंचलाधिकारी शंभू शरण राय, नगर सभापति राजकुमार उर्फ गुड्डू, उपसभापति नीलम देवी, अजगैबीनाथ मंदिर के महंत प्रेमानंद गिरि सहित प्रखंड क्षेत्र के सभी दलों के नेता के अलावा पंचायत व नगर परिषद क्षेत्र के प्रतिनिधि सहित गणमान्य प्रबुद्ध लोग शामिल हुए।बताते चले की प्रखंड क्षेत्र में महा शिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बुधवार की शाम को बैठक का आयोजन किया गया।इस दौरान उपस्थित लोगों व शहर के गणमान्य लोगों से बारी-बारी से महाशिवरात्रि पर निकलने वाले झांकियां और भव्य शिव बारात को लेकर विस्तृत जानकारी लिया। जानकारी लेने के बाद थानाध्यक्ष प्रियरंजन ने जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों से शांति और सौहार्द पूर्ण वातावरण में महाशिवरात्रि पर्व मनाने की अपील की गई।साथ ही थानाध्यक्ष ने कहा कि शिवरात्रि के मौके पर निकलने वाले भव्य शिव बारात के दौरान शांति भंग करने व माहौल बिगड़ने वालों पर नजर रख कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।और असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। महाशिवरात्रि के मौके पर उमर ने वाले भीड़ की संभावनाओं को लेकर प्रत्येक चौक चौराहा पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही थाना अध्यक्ष ने कहा की अगर कहीं भी किसी प्रकार तरह की गड़बड़ी या किसी बात का अफवाह हो तो इसकी सूचना तत्काल थाना को दे। जिससे उसपर कार्यवाही हो सके।

मदरिया पावर हाउस के समीप सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर हुई मौत

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के तारापुर- सुल्तानगंज मुख्य मार्ग के मदरिया पावर हाउस के समीप रविवार की दोपहर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई। मृत युवक की पहचान सीतारामपुर गाँव निवासी नवीन पोद्दार के 30 वर्षीय पुत्र नितेश कुमार के रूप में हुई है। मृत युवक उत्क्रमित मध्य विद्यालय उधाडीह में कंप्यूटर शिक्षक के पद पर कार्यरत था। घटना के बाबत स्थानीय ग्रामीणों ने बताया की युवक उच्च माध्यमिक विद्यालय उधारडीह से हाजिरी बनाकर किसी काम से बीआरसी सुल्तानगंज की ओर आ रहा था तभी मदरिया पावर हाउस के समीप तारापुर की ओर जा रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे कि बाइक चालक जख्मी होकर सड़क पर गिर गया और तेज रफ्तार बोलेरो ने उसे रौदता हुआ वाहन लेकर घटनास्थल से फरार हो गया। जिससे कंप्यूटर टीचर की घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने जानकारी स्थानीय थाना को दिया जिसके बाद सुलतानगंज थाना अध्यक्ष प्रियरंजन दल बल के साथ मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों व परिजनों ने मुआवजे की राशि की मांग को लेकर सुल्तानगंज तारापुर मुख्य मार्ग को जाम कर आवागमन बाधित कर दिया।

थाना क्षेत्र के मिजार्पुर वार्ड नंबर 7 महादलित टोला में शॉर्ट सर्किट से लगी आग घर का रखा सारा सामान जलकर हुआ खाक

भागलपुर जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के मिजार्पुर वार्ड नंबर 7 महादलित टोला में देर रात शॉर्ट सर्किट से आग लग गई जिसमें घर में रखा कपड़ा पैसा खाने पीने का सामान सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया।वही स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। इसको लेकर घर के मालिक फंटूश कुमार मल्लिक ने बताया कि रात में खाना पीना खाकर सोए थे जिसके बाद देर रात 1:00 बजे के करीब अचानक घर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई जिसमें मेरा बच्चा का सर पर आग की लपटे गिरने लगी तभी हम लोग उठे तो देखे कि मेरे घर में आग लग गया है। और किसी तरह अपना अपने परिवार और बच्चा को लेकर बाहर आए। देखते ही देखते आग इतनी भयानक लग गई कि घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग को देख आसपास के लोगों ने पानी डालकर आग को बुझाया गया।

जिला में 7 अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गया। एसएसपी आशीष भारती ने बताया है कि पुलिस के द्वारा तीन मामलों में कुल 7 गिरफ्तारियां की गई है। इसमें मगध विश्वविद्यालय से बाराचट्टी से एक और इमामगंज थाना क्षेत्र से पांच अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है।कुल 3 कांडों में यह सभी गिरफ्तारियां हुई है। एसएसपी ने बताया कि मगध विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में ओझा गुनी का काम करने वाले बालचंद पासवान से बीते 10 फरवरी को मोबाइल फोन कर 5 लाख की रंगदारी अपराधियों द्वारा मांगी गई थी। इस घटना को लेकर मगध विश्वविद्यालय थाना कांड संख्या 48/23 दर्ज किया गया था।

पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही थी। वहीं, इस क्रम में अनुसंधान में सामने आया कि इस पर दो बार पूर्व में हमला हुआ था, जिसमें एक बार फायरिंग की गई थी, जिसमें एक महिला को गोली जा लगी थी। वहीं, दूसरी बार बालचंद पासवान पर टेप रिकॉर्डर बम से हमला किया गया था। दूसरे हमले में भी बालचंद ओझा बाल-बाल बचा था। वहीं, घर के कुछ लोग घायल हो गए थे। टेप रिकॉर्डर यानी म्यूजिक सिस्टम शुरू होते ही विस्फोट हुआ था। इस तरह टेप रिकॉर्डर बम से हमला करने का मामला सामने आया था। दो बार हमला को देखते हुए इसकी एसआईटी के द्वारा जांच की गई। इस संबंध में सामने आया कि घटना के पीछे मोहम्मद शाहबाज नाम के युवक है, जो गया शहर के सिविल लाइन थाना अंतर्गत मारूफगंज में छुपा हुआ है। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसकी गिरफ्तारी कर ली है।

गिरफ्तार मोहम्मद शाहबाज ने स्वीकार किया है कि उसने दो बार हमला किया था।उसने 2 लाख में सुपारी ली थी और 50 हजार एडवांस भी मिले। यह राशि एक व्यक्ति के द्वारा दी गई थी। स्वीकार किया है कि दो बार बालचंद पासवान पर हमला उसके द्वारा किया गया, लेकिन वह किसी तरह से बच गया। गिरफ्तार अपराधी मूल रूप से औरंगाबाद के ओबरा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। एसएसपी ने बताया कि इस मामले में अभी सुपारी देने वाले व्यक्ति के नाम को गोपनीय रखा जा रहा है। जल्द ही उसकी गिरफ्तारी कर ली जाए जाएगी।

इमामगंज में ओझा की हत्या में शामिल पांचों गिरफ्तार: एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि वहीं इमामगंज थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में बीते दिन कृष्णा भारती की हत्या कर दी गई थी। ओझा गुनी करने को लेकर हत्या की वारदात हुई थी। इस कांड में पुलिस ने पहले ही सुनील भुईया को एक देसी कट्टा और 14 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं, अब इसमें पांच और लोगों की गिरफ्तारी की गई है।इसमें मंटू माझी, संजय मांझी, रंजीत भारती, गोला भारती, सत्येंद्र मांझी शामिल है।सभी को जेल भेजा जा रहा है।

बाराचट्टी में लड़की की हत्या के मामले में युवक गिरफ्तार: एसएसपी ने बताया कि बाराचट्टी थाना क्षेत्र के केंदुआ में 12 फरवरी को एक लड़की की हत्या का मामला सामने आया था।इस मामले की जांच शेरघाटी एसडीपीओ के नेतृत्व में चल रही थी। इस घटना में विकास कुमार नाम के युवक को गिरफ्तार किया गया है।यह वन गुरुवा गांव का रहने वाला है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

3 कांडों में 7 की हुई है गिरफ्तारियां: एसएसपी इस संबंध में भी गया एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि गया जिले के तिन थाना क्षेत्र में हुई वारदातों में कुल सात लोगों की गिरफ्तारियां की गई है।इमामगंज थाना क्षेत्र से पांच, बाराचट्टी से एक और मगध विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र से एक अपराधी की गिरफ्तारी की गई है। सभी को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

उप मुखिया के आवेदन के आलोक में खबर प्रकाशित करने पर पत्रकार को मुखिया प्रतिनिधि दिया धमकी व अखबार के बताया फर्जी

धमकाने वाले जनप्रतिनिधि पर कार्रवाई करने की जरूरत

प्रात : किरण संवाददाता, रंजन कुमार

अरवल। जिले के करपी पंचायत के उप मुखिया ने विगत 1 महीना पूर्व में अरवल जिला अधिकारी को आवेदन देकर सात निश्चय योजना एवं डस्टबिन वितरण में घटिया किस्म का समान इस्तेमाल करने को लेकर इसके साथी करपी पंचायत स्थिति हंसराज बाग के दर्जनों ग्रामीणों ने इंदिरा आवास योजना में मुखिया प्रतिनिधि पर रिश्वत लेकर आवास मुहैया कराने को लेकर आवेदन जिलाधिकारी को आवेदन देकर जांच कर कार्रवाई करने का मांग किया था, जबकि इस आवेदन के संबंध में कई स्थानीय अखबार में भी खबर प्रकाशित किया गया है, जबकि इस आवेदन के आलोक में प्रातः किरण अखबार में भी खबर प्रकाशित करने पर करपी मुखिया प्रतिनिधि मंटू मल्होत्रा ने धमकी देते हुए पत्रकार को अखबार के फर्जी कहां है, मुखिया प्रतिनिधि मंटू मल्होत्रा ने धमकाते हुए कहा कि अगर रोड पर चलना है तो किसी के बारे में खबर संभाल कर प्रकाशित करिए नहीं तो समझ लीजिएगा बहुत बड़ा पत्रकार बन गए हैं, हालांकि एक तरफ देश के एसएससी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काहे की देश के चौथे स्तंभ पत्रकार भीड़ का हिस्सा नहीं है अगर किसी ने पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार या डराते या धमकाते है वैसे लोगों पर 50000 का जुमार्ना और 1 साल का सजा किया जाएगा।

बिहार के लोग दुसरे लोगो को आत्मसम्मान पर जख्म देने का उन लोगों का इतिहास बहुत पुराना है : अनंत दिश अमन

प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के लोगों को कभी दूसरें प्रदेशों के लोग बिहारी इस लहजे में बोलते थे जैसे वो गाली दे रहे हो आत्मसम्मान पर जख्म देने का उन लोगों का इतिहास बहुत पुराना है जिसे व्यक्त करने मात्र से रूह सिहर उठती है। किंतु बिहार मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करने वाला सर्वाधिक प्रदेश है एक कहावत है "हंसले घरवा बसो है" अर्थात जिसका लोग मजाक बनाते है वही एक दिन बेहतर रुप से स्थापित हो जाता है।

यह बात हम बिहारी लोग के लिए सटीक बैठती है जितना हमें अपमानित किया गया हमने उसपर ध्यान न देकर अपने आप को मजबूत और मेहनत करते गए हर क्षेत्र में इसका परिणाम फलस्वरूप यह हुआ की हर प्रदेश से लेकर विदेश तक में फैलते चले गए और अपनी कर्मठता से हर प्रदेश को निर्मित करने में और उसके विकास में अहम भूमिका निभाने लगे चाहे मजदूर बनकर या पढ लिखकर एंव होशियार बनकर उस प्रदेश का जीवन रेखा बन गए। धीरे-धीरे दूसरें प्रदेश के लोग भी हम से घुलने मिलने लगे हमारी संस्कृति और मेहनत का सम्मान करने लगे और उनके अंदर आत्मीयता जागृत हो गई और यहीं तो हमारी भारत की अमिट संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम् का सार भी है। कल गुजरात के खेदा जिला के नाडियाड शहर जहाँ देश को सशक्त और अखंडता के सूत्र में बांधने वाले लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्मभूमि हो ऐसी परम पावन भूमि आने मात्र से ऐसा लगता है जैसे लौहपुरुष स्वंय में जाग रहा है इस भूमि को बारंबार नमन..

ऐसी परम पावन भूमि में बिहारी समौसा सेन्टर देखा तो मन खुश हो गया वहां गया तो बिहार के भागलपुर जिला के दो भाईयों ने यह दुकान खोल रखा है मन प्रसन्नता से प्रफुल्लित हो उठा समौसा खाया और क्या स्वाद था अद्भुत खजुर की चटनी साथ हीं धनिया मिर्ची की चटनी दोनों भाईयों का व्यवहार और बात करने की शैली अद्भुत थी और बिहार की माटी की सौंधी खुशबू गुजरात जैसे प्रदेश मे मिल रही थी इससे सुखद एहसास और क्या हो सकता है।

मुजफ़्फरपुर पुलिस ने चुलाई शराब के साथ तीन को धर दबोचा, पूछताछ के बाद भेजा गया जेल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ़्फरपुर- जिले के गायघाट थाना पुलिस ने तेजौल से गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दो लीटर चुल्लाई शराब के संग तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया हैं। पूछताछ के बाद उसकी पहचान गांव के ही अर्जुन दास, चंदन कुमार, सत्रोहन चौपाल के रूप में हुई हैं। प्रभारी थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दो लीटर चुल्लाई शराब के संग तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया हैं। उन्होंने बताया कि उक्त गांव में कुछ लोगों द्वारा अवैध शराब कारोबार करने की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार पर व्यापक छापेमारी अभियान चलाकर शराब भट्ठियों को नष्ट किया गया तथा जावा महुआ विनष्ट किया गया है। हालांकि पुलिस के आने की सूचना मिलते ही शराब कारोबारी फरार हो गए।

थानाध्यक्ष ने बताया कि शराबबंदी को सफल बनाने के लिए अंबा पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है। रमौली चेक पोस्ट पर प्रतिदिन दरभंगा की ओर से आने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। वहीं वैकल्पिक रास्तों पर भी पुलिस नजर रख रही है।

5 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पटना में महिला पंचायत जनप्रतिनिधि सम्मेलन होना तय- महानगर अध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया महानगर जदयू रमना,गया स्थित समर्पण भवन में जिलाध्यक्ष, गया राजू बरनवाल के आवास पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अलोक में एक बैठक आहूत की गई उक्त बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य निगम बोर्ड के चेयरमैन सह प्रमंडलीय कार्यक्रम पदाधिकारी मगध प्रमंडल विद्यानंद विकल उपस्थित रहें हैं इस बैठक में तय किया गया कि 5 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस ,के अवसर पर पटना में महिला पंचायत जनप्रतिनिधि सम्मेलन होना तय है। इस प्रायोजित कार्यक्रम के लिए प्रत्येक प्रखण्ड से 5 महिला पंचायत जनप्रतिनिधि को भेजना है। दूसरा यह कि ड़ॉ0भीम राव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर प्रत्येक पंचायत एवं वार्ड में बाबा साहेब जी की जयन्ति कार्यक्रम करना है।प्रत्येक अनुमंडल में भीम चौपाल कार्यक्रम करना है जिसमे पार्टी के माननीय मंत्री ,विधायक व सांसद शामिल रहेंगे। बरनवाल ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला स्तरीय पार्टी पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी, प्रकोष्ठों के अध्यक्ष व अन्य सक्रिय साथियों की बैठक को अति आवश्यक बताया है। इस बैठक में अरविंद सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद , नीरज वर्मा,लक्ष्मी बाबू, कमलेश वर्मा , अनुज वर्मा, बलदेव जी, रामबली जी, जूली मेहता, कुमारी सान्याल, भारती वर्णवाल, महेंद्र प्रसाद, महेंद्र शर्मा, गोपाल प्रसाद, राजकुमार शर्मा, राजकुमार शाह, अजय सिंह,प्रिंस जी, बजरंगी सिंह, जितेंद्र दास, विनोद कुमार सहित सैकड़ों जदयू साथी मौजूद रहें हैं।

चार हथियार तस्कर गिरफ्तार, हथियार बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। पुलिस ने जहां झारखंड के चतरा के हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है वहीं हथियार व कारतूस उपलब्ध कराने वाले दो तस्कर और एक कारोबारी की पत्नी को हिरासत में लिया गया है पुलिस ने इस मामले में दो पिस्टल चार मैगजीन 130 राउंड कारतूस सहित 31हजार 500 नगद रुपए जप्त किया है। इसकी पुष्टि कासिम बाजार थाना पुलिस ने की है। कासिम बाजार थाना पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति झारखंड के चतरा जिला के हंटरगंज थाना क्षेत्र के नवाडीह पनाटी एक गांव निवासी अजय चौधरी हैं।

अजय चौधरी से पूछताछ करने बाद पुलिस ने शर्मा टोला बिंदवारा के रहने वाले दीपक मंडल के घर पर छापेमारी कर दीपक मंडल समेत उसकी पत्नी व महाद्दीपुर गांव निवासी जितेंद्र गुप्ता को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तार हथियार कारोबारी करता है जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कहते हैं एसडीपीओ सदर:- एसडीपीओ सदर राजेश कुमार ने प्रेस को बताया कि मुंगेर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बिंदवारा की ओर से एक टोटो पर कुछ लोग हथियार लेकर जा रहे हैं. कासिम बाजार थाना अध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह को इसकी सूचना दी गई. उनके नेतृत्व में पुलिस बलों ने थाना के सामने ही वाहन की चेकिंग शुरू कर दी. इसी दौरान एक व्यक्ति के पास से हथियार व गोली पाया गया।

अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में हुआ बदलाव, अभ्यर्थी 16 फरवरी से 15 मार्च तक करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । अग्निवीर योजना के तहत सेना भर्ती रैली (पुरुषों के लिए) सेना भर्ती कार्यालय, मुजफ्फरपुर के अन्तर्गत आने वाले सभी 8 जिलों ,पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर के अभ्यर्थियों के लिए डब्लु डब्लु डब्लु ज्वाइन इंडियन आर्मी डांट एनआईसी डांट इन पर 16 फरवरी 2023 से 15 मार्च 2023 तक रजिस्ट्रेशन खुला रहेगा। इस बार अग्निवीर योजना के अंतर्गत साढ़े 17 से 21 साल के युवा भर्ती - प्रक्रिया में भाग ले सकते है। इस भर्ती प्रक्रिया के दौरान अग्निवीर सामान्य डुय्टी, अग्निवीर क्लर्क / एसकेटी, अग्निवीर टेक्नीकल एंव आग्निवीर ट्रेड्समैन की भर्ती होंगी। इस बार आनलाईन सीईई की परीक्षा पहले होगी। अभ्यर्थियों को आनलाईन सीघी के लिए 5केन्द्रों का चयन करना होगा। परीक्षा अप्रैल में होगी। जो मेरिट में आएंगे उन्हें रैली में बुलाया जाएगा। इसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी।

इस बार रजिस्ट्रेशन, योग्यता ओर बोनस अंक मे काफी बदलाव है। इसलिए अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन करने से पहले अधिसूचना को ध्यान से पढे । अग्निवीर योजना के अंतर्गत शुरूआत में चार साल का अनुबंध होगा जिसके पश्चात अग्निवीरों की उनकी चार साल के कार्यकाल के दौरान प्रदर्शन के आधार पर 25प्रतिशत अग्निवीरों को सेलेक्ट किया जायेगा जिन्हें 15 वर्ष और सेवा का मौका मिलेगा। जो अग्निवीर चार साल के बाद वापस आएंगे उन्हे एक मुस्त सेवा निधि मिलेगा।

बेलागंज कोटेश्वर धाम महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा, गायक भी रहेगे मौजूद - एसडीओ

प्रात : किरण संवाददाता

गया।गया जिला प्रशासन के द्वारा बेलागंज के मेन गांव के कोटेश्वर महादेव मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के अवसर पर 18 एवं 19 फरवरी को कोटेश्वर धाम महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। कोटेश्वर महोत्सव के सफल आयोजन के लिए अनुमंडल पदाधिकारी गया सदर इंद्रवीर कुमार एवं सहायक पुलिस अधीक्षक (विधि व्यवस्था) भरत सोनी के द्वारा मंदिर परिसर में पदाधिकारीयों एवं स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठक की गई। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम के विस्तृत रूप रेखा की जानकारी सभी लोगों को दी गई है।इस कार्यक्रम का उद्घाटन दिन में दो बजे होगा। जिसमें विशिष्ट अतिथियों का आगमन होगा। मुख्य कलाकारों के सम्बन्ध में बताया गया कि प्रथम दिन अन्य कार्यक्रम के अलावा प्रसिद्ध भक्ति गायक कुमार बिशु की प्रस्तुति होगी और अगले दिन अमृता दिक्षित प्रसिद्ध भोजपुरी पार्श्व गायिका की प्रस्तुति होगी।इस कार्यक्रम के लिए विधि व्यवस्था, यातायात, प्रकाश, साफ सफाई, इत्यादि के सम्बन्ध में तैयारी का जायजा लिया गया एवं इसके सम्बन्ध में सभी पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। इसकार्यक्रम के दिन यातायात के वैकल्पिक व्यवस्था के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं थानाध्यक्ष को आवश्यक निर्देश दिया गया है। भीड़ नियंत्रण हेतु पर्याप्त दंडाधिकारी एवं पुलिस की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक सहयोग दिए जाने का आश्वासन दिया गया है।

राजकीय समारोह के रूप में मना तारापुर शहीद दिवस, क्षेत्रीय विधायक ने किया झंडोत्तोलन

आयुक्त ,डीआईजी, जिला पदाधिकारी, सहित अनुमंडल के सभी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि ने वीर शहीद के मूर्ति पर किया पुष्पांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) ।बुधवार को 15 फरवरी 1932 तारापुर शहीद दिवस का कार्यक्रम राजकीय समारोह के रूप में मनाया गया । शहीद स्मारक पर अमर शहीदों के प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सुबह 8:30 पर क्षेत्रीय विधायक राजीव कुमार सिंह ने झंडोत्तोलन किया । गौरतलब है कि जिला पदाधिकारी के आदेशानुसार 10:30 बजे तारापुर थाना भवन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया ।

श्रद्धांजलि सभा के पूर्व आयुक्त संजय कुमार सिंह डीआईजी संजय कुमार जिला पदाधिकारी नवीन कुमार अनुमंडल पदाधिकारी रंजीत कुमार पुलिस उपाधीक्षक पंकज कुमार सहित पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी पूर्व विधायक गणेश पासवान लोजपा नेता मिथिलेश कुमार सिंह चंद्रर सिंह राकेश मेयर नीलम देवी सहित भारी संख्या में उपस्थित लोगों ने वीर शहीद के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। तारापुर थाना भवन पर आयुक्त एवं डीआईजी को शसस्त्र बलों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया । समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन एवं राज्य के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा क्षेत्र के लोगों द्वारा मूर्ति निर्माण को लेकर उठाए जा रहे मांग को मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष मूर्ति लगाकर एवं पार्क का निर्माण कर क्षेत्रवासियों का सपना साकार किया है। विधायक श्री सिंह ने जिला प्रशासन से शहीद स्मारक तारापुर को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने एवं पर्यटन विभाग द्वारा इसे विकसित करने की मांग भी की गई । नहीं आयुक्त संजय कुमार ने तारापुर के लोगों द्वारा 15 फरवरी 1932 को तारापुर थाना भवन पर तिरंगा झंडा फहराने को लेकर दिए गए शहादत और उनकी वीरता को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए कहा की वीर शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी जब हम सभी क्षेत्रवासी उनके बताए रास्ते पर चलने का काम करेंगे।

जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने कहा की शहीद स्मारक का क्षेत्र किस तरह से साफ सुरक्षित सुव्यवस्थित रहे इसकी जवाबदेही प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय लोगों की भी बनती है। जिला पदाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी तारापुर को निर्देशित करते हुए कहा कि शहीद स्मारक के बाहरी हिस्सों में किसी भी तरह का अतिक्रमण नहीं हो इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें । इन्होंने शहीद स्मारक के मुख्य द्वार की ताला चाभी के साथ एक होमगार्ड को तैनात करने का निर्देश भी दिया गया ।

श्रद्धांजलि सभा के मौके पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद तारापुर के द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाला गया। इस मौके पर समारोह का संचालन कर रहे अपर एसडीओ वसीम अकरम मेयर नीलम देवी थाना अध्यक्ष राजेश कुमार रंजन प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार अंचलाधिकारी बंदना कुमारी स्नेहा कुमारी पंचायती राज पदाधिकारी गौतम भारती राजद प्रदेश सचिव जितेंद्र कुशवाहा मंटू यादव व्यापार मंडल अध्यक्ष बिहारीलाल कुशवाहा प्रखंड प्रमुख अश्वनी राज सहित वार्ड पार्षद हेमलता देवी सहित हजारों की संख्या में जनसमुदाय उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रुपया शुरूआती कारोबार में 12 पैसा गिरकर 82.90 प्रति डॉलर पर खिसका

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से बुधवार को शुरूआती कारोबार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 12 पैसे कमजोर होकर 82.90 के भाव पर खिसक गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका में नीतिगत दर में बढ़ोतरी का सिलसिला आगे भी जारी रहने की आशंका गहराने से डॉलर को मजबूती मिली। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजारों की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.90 के भाव पर खुला जो 12 पैसे की कमजोरी को दशार्ता है। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया 82.78 के भाव पर बंद हुआ था। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत चढ़कर 103.38 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.70 प्रतिशत बढ़कर 84.98 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 1,305.30 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध लिवाली।

दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता के मानक सख्त करने का ट्राई से अनुरोध

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने कॉल ड्रॉप पर रोक लगाने और कॉल की गुणवत्ता सुधारने के लिए दूरसंचार नियामक ट्राई से सेवाओं की गुणवत्ता संबंधी मानक सख्त करने को कहा है। विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) को फोन कॉल की गुणवत्ता को लेकर आ रही शिकायतें दूर करने के लिए इससे जुड़े मानकों को सख्त करने को कहा गया है। अधिकारी ने कहा, उपभोक्ताओं की संतुष्टि एवं उनके हितों के संरक्षण के लिए सेवाओं की गुणवत्ता बेहद अहम है। दूरसंचार विभाग ने ट्राई से अनुरोध किया है कि सेवाओं की गुणवत्ता से जुड़े मानकों को सख्त किया जाए। दूरसंचार विभाग ने यह कदम लोगों से कॉल ड्रॉप और कॉल की गुणवत्ता को लेकर मांगी गई राय के आधार पर उठाया है। इसके साथ ही आधिकारिक सूत्र ने कहा कि विभाग ने दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता संबंधी वैश्विक परंपराओं का अध्ययन कर ट्राई के साथ भी उसे साझा किया है। ट्राई ने सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने, मानकों की समीक्षा और 5जी सेवाओं के मानदंड तय करने के लिए 17 फरवरी को एक बैठक बुलाई है। इसमें दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

एचएएल का हेलीकॉप्टर आपात सेवा के लिए आरपीएम के साथ एमओयू

बेंगलुरु। सार्वजनिक क्षेत्र के हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में आपात चिकित्सा सेवा और हेलीकॉप्टर आपात चिकित्सा सेवा क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में सक्रिय कंपनी आरपीएम के साथ एक समझौता किया है। एचएएल ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इस आशय के समझौता ज्ञापन पर यहां चल रहे एयरशो एयरो इंडिया 2023 के दौरान हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत दोनों पक्ष मिलकर पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के बाजारों में आपात चिकित्सा सेवा से जुड़ी सुविधाएं मुहैया कराएंगे। रिस्पांस प्लस होल्डिंग्स (आरपीएम) यूएई में आपात चिकित्सा सेवा देने वाली अग्रणी कंपनी है। यह सुदूर स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के साथ व्यावसायिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कार्यरत है।

खुले बाजार में बिक्री के बाद गेहूं के दाम करीब पांच रुपये किलो घटे : खाद्य सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बुधवार को कहा कि केंद्र के खुले बाजार में 30 लाख टन गेहूं बेचने के फैसले के बाद थोक और खुदरा बाजारों में गेहूं की कीमतों में करीब पांच रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दरों को कम करने के लिए यदि जरूरी हुआ, तो और कदम उठाए जाएंगे।

चोपड़ा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सरकार गेहूं और आटे (गेहूं का आटा) की कीमतों पर बारीकी से नजर रख रही है और जरूरत पड़ने पर कीमतों को कम करने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए मुक्त बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत अधिक गेहूं की पेशकश करने सहित अन्य कदम उठाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने के किसी भी प्रस्ताव पर अभी विचार नहीं कर रही है। यह प्रतिबंध पिछले साल मई में गेहूं की खरीद में भारी गिरावट के बाद लगाया गया था। उन्होंने कहा, जनवरी में ओएमएसएस की घोषणा के बाद से गेहूं की कीमतें नीचे आ गई हैं। थोक बाजारों में गेहूं की कीमतें 2,500 रुपये प्रति क्विंटल से भी कम चल रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में कीमतों में और गिरावट आएगी।

उन्होंने कहा, भारत सरकार बहुत चिंतित है और स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है।

चोपड़ा ने कहा, कीमतों को कम करने के लिए और जो भी कदम उठाने की जरूरत होगी, हम उठाएंगे।

विकल्पों में ओएमएसएस के तहत मात्रा को मौजूदा 30 लाख टन से बढ़ाना और आरक्षित मूल्य को कम करना भी शामिल है।

इस मौके पर खाद्य सचिव ने कहा कि थोक मूल्य 3,000 रुपये प्रति क्विंटल से गिरकर लगभग 2,500 रुपये प्रति क्विंटल रह गया है, जबकि खुदरा मूल्य 3,300-3,400 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 2,800-2,900 रुपये प्रति क्विंटल रह गया है।

पिछले महीने, सरकार ने गेहूं और गेहूं के आटे की बढ़ती कीमतों पर

अंकुश लगाने के लिए ओएमएसएस के तहत अपने बफर स्टॉक से खुले बाजार में 30 लाख टन गेहूं बेचने की योजना की घोषणा की थी। 30 लाख टन में से भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ई-नीलामी के माध्यम से आटा चक्की जैसे थोक उपभोक्ताओं को 25 लाख (2.5 मिलियन) टन गेहूं बेचेगा और दो लाख टन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को दिया जाएगा। गेहूं को आटे में बदलने के लिए संस्थानों और राज्य-पीएसयू को तीन लाख टन गेहूं रियायती दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। चोपड़ा ने कहा कि देशभर में बुधवार को 15 लाख टन गेहूं की दूसरे दौर की नीलामी हो रही है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार ने हाल ही में नेफेड और केंद्रीय भंडार जैसे संस्थानों के लिए गेहूं को आटे में परिवर्तित करने और उपभोक्ताओं को 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचने के लिए कीमतों को 23.50 रुपये से घटाकर 21.50 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया है, जबकि पहले की दर 29.50 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

ओएमएसएस के तहत, केंद्र ने पिछले हफ्ते माल ढुलाई शुल्क को खत्म करने और ई-नीलामी के माध्यम से पूरे भारत में थोक उपभोक्ताओं को 2,350 रुपये प्रति क्विंटल के आरक्षित मूल्य पर अनाज बेचने का फैसला किया था। राज्यों को अपनी योजनाओं के लिए ई-नीलामी में भाग लिए बिना उपरोक्त आरक्षित मूल्य पर एफसीआई से गेहूं खरीदने की अनुमति है।

एफसीआई 1-2 फरवरी के दौरान हुई पहली ई-नीलामी के दौरान 25 लाख टन में से 9.26 लाख टन गेहूं व्यापारियों, आटा मिलों आदि को पहले ही बेच चुका है। अगली नीलामी 15 फरवरी को होगी।

खाद्यान्न की खरीद और वितरण के लिए सरकार की नोडल एजेंसी एफसीआई के पास बफर स्टॉक में 26 जनवरी तक लगभग 156.96 लाख टन गेहूं था।

एक अप्रैल को, देश के पास 75 लाख टन के बफर मानक की आवश्यकता से अधिक 96 लाख टन का गेहूं का स्टॉक होगा।

घरेलू उत्पादन में मामूली गिरावट और केंद्रीय पूल के लिए एफसीआई की खरीद में पर्याप्त गिरावट के बाद कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र ने पिछले साल मई में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

भारत का गेहूं उत्पादन फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में पिछले वर्ष के 10 करोड़ 95.9 लाख टन से घटकर 10 करोड़ 77.4 लाख टन रह गया, जो कुछ राज्यों में लू चलने के कारण हुआ। पिछले साल के लगभग 4.3 करोड़ टन की खरीद के मुकाबले इस साल खरीद तेज गिरावट के साथ 1.9 करोड़ टन रह गई।

वर्तमान रबी (सर्दियों में बोई जाने वाली) ऋतु में गेहूं की फसलों का रकबा थोड़ा अधिक है।

कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि चालू फसल वर्ष 2022-23 में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11 करोड़ 21.8 लाख टन तक बढ़ सकता है। अप्रैल से गेहूं की खरीद के जोर पकड़ने की उम्मीद है।

अमेरिकी ड्रोन कंपनी को इंजन रखरखाव सेवा देगी एचएएल

नई दिल्ली, एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की वैमानिकी कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अत्याधुनिक सशस्त्र ड्रोन एमक्यू-9बी के इंजन के लिए रखरखाव सेवाएं मुहैया कराएगी।

अधिकारियों ने यहां चल रहे एयरशो एयरो इंडिया 2023 के दौरान बुधवार को कहा कि इस ड्रोन के भारत में परिचालन के लिए एचएएल उसके इंजन का रखरखाव करेगी। इस अमेरिकी ड्रोन को पूरी दुनिया के सर्वाधिक उ न्नत सशस्त्र ड्रोन में से एक माना जाता है।

एचएएल और एमक्यू-9बी ड्रोन का विनिर्माण करने वाली अमेरिकी रक्षा कंपनी जनरल एटॉमिक्स एरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक (जीए-एएसआई) ने इस रखरखाव समझौते की घोषणा की। इस समझौते के तहत एचएएल इस ड्रोन के इंजन का रखरखाव एवं मरम्मत करेगी। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब भारत जीए-एएसआई से 30 एमक्यू-9बी ड्रोन की खरीद को लेकर बातचीत कर रहा है।

इस सौदे का मूल्य करीब तीन अरब डॉलर रहने की संभावना है। इस ड्रोन से भारत की निगरानी गतिविधियों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर में निगरानी बढ़ाने के लिए वर्ष 2020 में जनरल एटॉमिक्स से पट्टे पर दो एमक्यू-9बी ड्रोन लिए थे। उस समय यह पट्टा एक साल का ही था लेकिन बाद में उसे बढ़ा दिया गया।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला लगातार जारी है। पिछले कुछ दिनों से ब्रेंट क्रूड का भाव 85 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना हुआ है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। मुंबई में पेट्रोल का भाव 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

इसी तरह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के नोएडा में पेट्रोल का भाव 96.60 रुपये और डीजल 89.775 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 96.33 रुपये और डीजल 89.53 रुपये प्रति लीटर हो है, जबकि पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरूआती कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड 0.58 डॉलर यानी 0.68 फीसदी टूटकर 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.52 डॉलर यानी 0.68 फीसदी की गिरावट के साथ 78.54 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है।

कर्ज पुनर्गठन पर बेंगलुरु में होगी आईएमएफ, जी20 की गोलमेज बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी

समयबद्ध कर्ज पुनर्गठन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए फरवरी के अंत में बेंगलुरु में ग्लोबल सॉवरेन डेट राउंडटेबल सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। ग्लोबल सॉवरेन डेट राउंडटेबल सम्मेलन 25 फरवरी को आयोजित होगा जिसकी सह-अध्यक्षता आईएमएफ, विश्व बैंक और भारत करेंगे। भारत इस समय जी20 समूह का अध्यक्ष है। आईएमएफ में रणनीति एवं नीति समीक्षा विभाग की निदेशक सेइला पजारबसिओग्लू ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह गोलमेज बैठक बुनियादी तौर पर समयबद्ध कर्ज पुनर्गठन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों और हाल के समय में पेश आई चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य कर्ज पुनर्गठन से संबंधित कुछ बुनियादी बिंदुओं की परिभाषा और मानकों को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, इसका मकसद किसी एक देश से संबंधित मामले पर चर्चा करना नहीं है। इस बैठक का आयोजन जी20 देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंकों के गवर्नर की बैठक के साथ ही होगा। जी20 बैठक में डिजिटलीकरण कार्यक्रम से जुड़े बिंदुओं पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है। आईएमएफ अधिकारी ने कहा कि भारत डिजिटलीकरण की दिशा में प्रगति के मामले में अग्रणी स्थिति में है।

फॉर्म हुआ जारी, क्रिप्टोकरेंसी की खरीद-फरोख्त की देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने बजट में इनकम टैक्स को लेकर बड़ी राहत दी। उन्होंने नए इनकम टैक्स रिजीम में 7 लाख तक के आय को टैक्स से बाहर कर दिया।

वहीं अब इनकम टैक्स विभाग ने वित्त वर्ष 2022-23 और असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए आईटीआर भरने के लिए एक से छह नंबर तक के फॉर्म को नोटिफाई किया है।

आईटीआर ने 10 फरवरी को एक नोटिफिकेशन के जरिए आईटीआर फॉर्म 1-6, आईटीआर (वेरीफिकेशन फॉर्म) और पावती प्रपत्र को नोटिफाई किया है। इस बार के आईटीआर फॉर्म में विशेष बात यह है कि

वर्चुअल डिजिटल असेट, जिसमें खासतौर से क्रिप्टोकरंसी शामिल हैं, के बारे में अलग से ब्यौरा देना होगा। अब जानकारी देनी होगी कि आपने साल 2022-23 में कितनी क्रिप्टोकरेंसी खरीदी या बेची है। उसकी कीमत कितनी थी। उसको बेचने पर आपको कितना कैपिटल गेन हुआ है, उसकी जानकारी देनी होगी।

बजट 2022 में यह घोषणा की गई थी किसी भी वर्चुअल डिजिटल संपत्ति के हस्तांतरण से होने वाली इनकम पर 30 पर्सेंट के रेट से टैक्स लगाया जाता है। इसके अलावा, वर्चुअल डिजिटल असेट को ट्रांसफर करने के संबंध में किए गए किसी भी भुगतान सोर्स पर एक फीसदी टीडीएस देना होगा।

एक्सपर्ट का कहना है कि आईटीआर ने निर्धारण वर्ष 2023-24 (2022-23 में हुई आय के लिए) के इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म को बहुत जल्दी नोटिफाई कर दिया है। इससे टैक्स पेयर को अपनी इनकम के रिटर्न को तैयार करने में मदद मिलेगी।

पिछले साल ऐसे फॉर्म अप्रैल के पहले हफ्ते में नोटिफाई हुए थे। बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम टैक्स पेयर के उपयोग वाले आईटीआर-1 और आईटीआर-4 को पहले से आसान कर दिए गए हैं।

50 लाख रुपये तक की इनकम और सैलरी, एक हाउस प्रॉपर्टी और ब्याज समेत अन्य स्रोत से आय होने पर आईटीआर-1 फॉर्म फाइल करना होता है।

अब आईटीआर ने धारा 139 (1) के तहत 2.5 लाख रुपए से कम की वार्षिक कर वाली आय पर व्यक्तियों के लिए इसे सरल बनाया गया है। अब ऐसे लोगों को अपने आईटीआर फॉर्म को सूचित करने की जरूरत नहीं है।

यह एक करोड़ रुपए से अधिक के ऊपर भी लागू रहेगा।

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 197 अंक लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी

मिलेजुले ग्लोबल संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार में लाल निशान के साथ कारोबार की शुरूआत हुई है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 196.56 अंक यानी 0.32 फीसदी लुढ़क कर 60,835.70 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 55.20 अंक यानी 0.31 फीसदी टूट कर 17,874.65 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज 30 शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स 60,879 के स्तर पर कारोबार शुरू किया, जबकि एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 17,885 पर खुला। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। बैंक, एफएमसीजी और आईटी के शेयरों में बिकवाली जारी है, जबकि मेटल शेयरों में खरीदारी देखने को मिल रही है। वहीं, ग्लोबल संकेतों की यदि बात करें तो प्रमुख एशियाई बाजारों में कमजोरी नजर आ रही है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को दो कारोबारी सत्रों की गिरावट से उबरकर सेंसेक्स 600 अंकों की उछाल के साथ 61,032 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 159 अंकों की तेजी के साथ 17,930 के स्तर पर बंद हुआ था।

बाइडन के कार्यकाल में भारत के साथ व्यापारिक संबंध मजबुत हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विमान कंपनी बोइंग से विमान खरीदने के एयर इंडिया के ऐलान का अमेरिकी सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने स्वागत करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में भारत एवं अमेरिका के व्यापारिक संबंधों में बहुत प्रगति हुई है।

मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने कहा था कि बोइंग से 34 अरब डॉलर मूल्य के 220 विमानों की खरीद भारतीय एयरलाइंस एयर इंडिया करने जा रही है। इसके अलावा आगे चलकर 70 अन्य विमानों की खरीद भी की जा सकती है जिससे इस सौदे का मूल्य बढ़कर 45.9 अरब डॉलर हो जाएगा।

अमेरिका की व्यापार मंत्री गिना रेमोंदो ने कहा कि यह सौदा कीमत के लिहाज से बोइंग को मिला तीसरा सबसे बड़ा ऑर्डर है और यह अमेरिका के कामगारों, विनिमार्ताओं एवं आपूर्तिकताओं के लिए एक बड़ा मौका है।

रेमोंदो ने कहा कि यह सौदा भारत

एवं अमेरिका के बीच पुराने एवं गहरे व्यापारिक संबंधों की दोबारा पुष्टि करता है। उन्होंने कहा, मैं दोनों देशों की बीच व्यापारिक रिश्ते को मजबूत करने वाली इस घोषणा से काफी रोमांचित हूं। वह अगले महीने भारत की यात्रा पर जाने वाली हैं जहां पर वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ कई मुद्दों पर बात करेंगी। इनमें भारत-प्रशांत समृद्धि आर्थिक प्रारूप का मसला भी शामिल होगा।

अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि सारा बियांशी ने भी बोइंग-एयर इंडिया सौदे को एक बड़ा कदम बताते हुए कहा, पेकान जैसे कुछ उत्पादों पर आयात शुल्क घटाने और औद्योगिक इस्तेमाल वाले इथेनॉल पर शुल्क पूरी तरह खत्म करने के भारत के कदम के बाद यह घोषणा होना रिश्तों को मजबूती देता है।

गौतम बुद्ध नगर में अब एक ही दर पर होगा जमीन का अधिग्रहण

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर में अब यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तहत जमीनों का अधिग्रहण एक ही दर पर होगा। नोएडा हवाईअड्डे के लिए जमीन देने वाले किसानों के साथ यमुना प्राधिकरण क्षेत्र की हर परियोजना में जिले के किसानों को एकसमान मुआवजा मिलेगा।

यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुण वीर सिंह ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में प्राधिकरण की तरफ से भेजे गए समान मुआवजा संबंधी प्रस्ताव को पारित कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि प्राधिकरण ने अपने प्रस्ताव में कहा था कि

नोएडा हवाईअड्डे के लिए जिस दर पर जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है, उसी दर पर मुआवजा यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र की जेवर तहसील में सभी किसानों को दिया जाए। उन्होंने कहा कि एक ही तहसील में मुआवजे की दो दरों का होना किसानों के बीच सौतेलापन दिखाता था।

प्राधिकरण की तरफ से अब तक जेवर में बन रहे हवाईअड्डे के लिए किए गए जमीन अधिग्रहण से प्रभावित करीब 5,000 किसानों को 3,100 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा दिया जा रहा था। वहीं अन्य परियोजनाओं से प्रभावित किसानों को 2,322 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मुआवजा मिल रहा था।

सिंह ने कहा कि अब यमुना क्षेत्र में प्रभावित सभी किसानों को एकसमान दर पर मुआवजा दिया जा सकेगा। हालांकि यह फैसला सिर्फ गौतम बुद्ध नगर जिले में होने वाले प्राधिकरण के अधिग्रहण पर ही लागू होगा। यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में गौतम बुद्ध नगर के अलावा बुलंदशहर, मथुरा, हाथरस, अलीगढ़ और आगरा जिले भी हैं।

सिंह ने कहा कि यमुना विकास प्राधिकरण के तहत आने वाले अन्य जिलों में जमीन अधिग्रहण वहां की सर्किल रेट के अनुसार ही दिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में सर्किल दर से चार गुना और शहरी क्षेत्र में दोगुना मुआवजा दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि यूपी में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेश करार के तहत उद्यमियों को सेक्टर-9 में जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के उत्तर, पश्चिम और पूर्व में पेरिफेरल रोड निर्माण के लिए और भविष्य में अतिक्रमण की आशंका को देखते हुए सड़क सहित 500 मीटर की भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

लखनऊ में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यमुना प्राधिकरण की हर परियोजना के लिए मुआवजा करीब 35 प्रतिशत बढ़ाकर 3,100 रुपए प्रति वर्ग मीटर कर दिया गया है। हालांकि सात प्रतिशत आबादी का भूखंड लेने वाले किसानों को 2,728 रुपए प्रति वर्ग मीटर दर से ही मुआवजा मिलेगा। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने मुआवजा बढ़ाने की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें मुआवजा बढ़ाने का आश्वासन दिया था जिसे अब पूरा कर दिया गया है।

बीईएल का नौसैनिक उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति के लिए जीएसएल से करार

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने स्वचालित नौकाओं जैसे अत्याधुनिक नौसैनिक उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति में समन्वय के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) के साथ करार किया है। बेंगलुरु में चल रहे एयरशो एयरो इंडिया 2023 के दौरान बीईएल और जीएसएल के बीच इस आशय के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। बीईएल ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इस एमओयू पर उसके चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भानु प्रकाश श्रीवास्तव और जीएसएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत नौसेना के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच पर आधारित रक्षा प्रणालियों एवं समाधानों की वैश्विक आपूर्ति की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

वेयरहैम, लेनिंग ने ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश पर आठ विकेट की जीत दिलाई

गक्बेरहा (दक्षिण अफ्रीका),एजेंसी

लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम ने एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते हुए तीन विकेट चटकाए जबकि कप्तान मेग लेनिंग ने नाबाद 48 रन की पारी खेली जिससे गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यहां महिला टी20 विश्व कप में बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया।

ऑस्ट्रेलिया की टूर्नामेंट में दो मैच में यह दूसरी जीत है जिससे टीम ग्रुप एक में बेहतर नेट रन रेट के कारण श्रीलंका को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गई है।

पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच अक्टूबर 2021 में खेलने वाली वेयरहैम ने चार ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। डार्सी ब्राउन ने उनका अच्छा साथ देते हुए 23 रन देकर दो विकेट हासिल किए जिससे टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम सात विकेट पर 107 रन ही बना सकी। बांग्लादेश ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और कप्तान निगार सुल्ताना (57) उसकी तरफ से शीर्ष स्कोरर रही। उनके अलावा सिर्फ शोर्ना अख्तर (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाई। निगार ने 50 गेंद का सामना करते हुए सात चौके और एक छक्का मारा। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने लेनिंग (नाबाद 48) और सलामी बल्लेबाज एलीसा हीली (37) की पारियों से 18.2 ओवर में दो विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत भी खराब रही और टीम ने तीसरे ओवर में ही बेथ मूनी (02) का विकेट गंवा दिया जिन्हें मारूफा अख्तर (19 रन पर एक विकेट) ने फाहिमा खातून के हाथों कैच कराया। लेनिंग और एलीसा ने दूसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। शोर्ना ने एलीसा को कप्तान के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। लेनिंग ने हालांकि एशलेग गार्डनर (नाबाद 19) के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया इसी स्थल पर गुरुवार को श्रीलंका से भिड़ेगा जबकि शुक्रवार को न्यूलैंड्स में बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी।

फीफा के पास लगभग चार अरब डॉलर की राशि

जिनेवा। कतर में वित्तीय रूप से सफल 2022 फुटबॉल विश्व कप के बाद फीफा के पास लगभग चार अरब डॉलर की धनराशि है और उत्तर अमेरिका में 2026 में होने वाले टूर्नामेंट की हॉस्पिटैलिटी और टिकट बिक्री से फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था की आय में कई अरब डॉलर का इजाफा होने की उम्मीद है। फीफा ने मंगलवार को अपनी 2022 वार्षिक रिपोर्ट में वित्तीय रूप से मजबूत स्थिति का जिक्र किया है। फीफा अध्यक्ष जियानी इनफेंटिनो के वार्षिक बोनस में छह लाख 20 हजार स्विस फ्रेंक (छह लाख 73 हजार डॉलर) का इजाफा हुआ है। उनका कर पूर्व आधार वेतन और बोनस पैकेज कुल 36 लाख स्विस फ्रेंक (39 लाख डॉलर) के अलावा फीफा की तरफ से अन्य खर्चों का भुगतान है। नवंबर में विश्व कप के दौरान फीफा ने 2022 तक चार साल के व्यावसायिक चक्र में लगभग सात अरब 60 करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड राजस्व की घोषणा की थी।

डब्ल्यूपीएल में आरसीबी की मार्गदर्शक होंगी सानिया

बेंगलुरू, एजेंसी। पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना आखिरी ग्रैंडस्लैम टूनार्मेंट खेलने वाली भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम ने आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए अपना मार्गदर्शक बनाया है। आरसीबी के एक बयान में छह ग्रैंडस्लैम और 43 डब्ल्यूटीए खिताब जीतने वाली सानिया ने कहा, आरसीबी महिला टीम से मार्गदर्शक के रूप में जुड़ना मेरे लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट ने महिला प्रीमियर लीग के रूप में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा है और मैं वास्तव में इस क्रांतिकारी कदम का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं। सानिया ने कहा, आरसीबी आईपीएल में एक लोकप्रिय टीम और वर्षों से बहुत अधिक फॉलो की जाने वाली टीम रही है। मैं उन्हें महिला प्रीमियर लीग के लिए एक टीम बनाते हुए देखकर बेहद खुश हूं। उन्होंने कहा, यह देश में महिलाओं के क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। महिला क्रिकेटरों के लिए नए दरवाजे खोलेगा और खेल को युवा लड़कियों और युवा माता-पिता के लिए करियर की पहली पसंद बनाने में मदद करेगा। सानिया ने इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद टेनिस से संन्यास ले लिया जहां वह और उनके साथी रोहन बोपन्ना मिश्रित युगल स्पर्धा में उपविजेता रहे। आरसीबी ने 18 खिलाड़ियों को शामिल करते हुए एक मजबूत टीम बनाई है जिसमें महिला क्रिकेट के कुछ बड़े नाम जैसे स्मृति मंधाना, ऑस्ट्रेलिया की एलिस पैरी और मध्यम तेज गेंदबाज मेगन शुट, न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन, इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट, दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर डेन वान नीकर्क और भारत की अंडर-19 स्टार रिचा घोष शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

डोमीनिक थीम ने अर्जेन्टीना ओपन में 2023 की पहली जीत दर्ज की

ब्यूनस आयर्स। पेट में चोट और फॉर्म से जूझने के बाद डोमीनिक थीम ने मंगलवार को यहां अर्जेन्टीना ओपन के दौरान 2023 की पहली जीत दर्ज की। करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग हासिल कर चुके 2020 अमेरिकी ओपन चैंपियन थीम ने टूनार्मेंट की शुरूआत दुनिया के 99वें नंबर के खिलाड़ी के रूप में की है। ऑस्ट्रेलिया के 29 साल के थीम ने मंगलवार को क्ले कोर्ट टूनार्मेंट में एलेक्स मोलकान को 7-6 6-3 से हराया। वह दूसरे दौर में जुआन पाब्लो वारिलास से भिड़ेंगे। यहां 2016 और 2018 के विजेता थीम ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में आंद्रे रूबलेव से हार गए थे।

चीन के राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ का प्रमुख भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार

बीजिंग। चीन के राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ के प्रमुख को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के भ्रष्टाचार रोधी निकाय के एक वाक्य के बयान में कहा गया है कि चेन शुयुआन को राष्ट्रीय और हुबेई प्रांतीय खेल निकायों द्वारा जांच के दायरे में रखा गया है। उन पर लगे आरोपों के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया। चेन चीन के फुटबॉल महासंघ के प्रमुख हैं और इसकी पार्टी समिति के उपाध्यक्ष हैं। ओलंपिक में सफलता के बावजूद चीन ने लगभग 20 साल पहले केवल एक बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। चीन के राष्ट्रपति और कम्युनिस्ट पार्टी के नेता शी जिनपिंग ने देश को फुटबॉल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य बनाया था लेकिन धन और उत्साह कम होता दिखाई दे रहा है।

वार्विकशायर ने 2023 टी20 ब्लास्ट के लिए ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के साथ किया करार

लंदन, एजेंसी

वार्विकशायर ने 2023 टी20 ब्लास्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के साथ करार किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली के बाद मैक्सवेल क्लब की दूसरी विदेशी साइनिंग होगी। मैक्सवेल के रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के साथ आईपीएल खेलने के बाद टीम में शामिल होने की उम्मीद है। कोच मार्क रॉबिन्सन ने कहा, यह एक अद्भुत करार है। मैक्सवेल विश्व क्रिकेट में सबसे तेज स्कोर करने वालों में से एक हैं और मुझे यकीन है कि वह बियर्स के प्रशंसकों के पसंदीदा होंगे। वह हमारे लिए एकदम सही टी20 बल्लेबाज है। वह शानदार शॉट्स के साथ एक पावर हिटर हैं जो विरोधी पक्षों के लिए फील्ड सेट करना कठिन बना देते हैं, साथ ही वह एक उत्कृष्ट क्षेत्ररक्षक भी हैं। मैं ग्लेन का टीम में स्वागत करना का और इंतजार नहीं कर सकता। 34 वर्षीय ऑलराउंडर मैक्सववेल इससे पहले काउंटी सर्किट में हैम्पशायर, सरे, यॉर्कशायर और लंकाशायर के साथ खेल चुके हैं। एक शानदार टी20 करियर में, मैक्सवेल ने 350 से अधिक मैच खेले हैं और प्रारूप में उनका 150 से अधिक का स्ट्राइक रेट है। करार पर मैक्सवेल ने कहा, मैं बियर्स के साथ एक नई चुनौती का और इंतजार नहीं कर सकता। एजबस्टन बेहद भावुक प्रशंसकों के साथ क्रिकेट खेलने के लिए एक शानदार जगह है और मैं खिलाड़ियों की रोमांचक सूची में शामिल होने की उम्मीद कर रहा हूं। बता दें कि पिछले साल नवंबर में उनका पैर फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद मैक्सवेल ने 2023 में अब तक किसी भी प्रारूप में भाग नहीं लिया है।

करार

- शानदार शॉट्स के साथ एक पावर हिटर हैं जो विरोधी पक्षों के लिए फील्ड सेट करना कठिन बना देते हैं, साथ ही वह एक उत्कृष्ट क्षेत्ररक्षक भी हैं

बायर्न म्यूनिख ने चैंपियन्स लीग में पेरिस सेंट जर्मेन को हराया

पेरिस, एजेंसी

काइलियान एमबाप्पे स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरने के बावजूद पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को मंगलवार को यहां चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूनार्मेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में पहले चरण में बायर्न म्यूनिख के खिलाफ 0-1 की हार से नहीं बचा पाए। पीएसजी की यह लगातार तीसरी और इस साल 11 मैच में पांचवीं हार है। मैच का एकमात्र गोल बायर्न के विंगर किंगस्ले कोमान ने 53वें मिनट में बाएं छोर से अल्फांसो डेविस के क्रॉस पर किया। विश्व कप स्टार एमबाप्पे चोट से उबरने के बाद दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे। उनके दो संभावित गोल हालांकि ऑफ साइड हो गए। क्वार्टर फाइनल का दूसरा चरण आठ मार्च को खेला जाएगा।

लखनऊ का शूटिंग रेंज तैयार, जल्द ही खेल विभाग को होगा हैंडओवर

लखनऊ, एजेंसी

शूटिंग रेंज के संचालन के चल रही कागजी प्रक्रिया पर पांच साल बाद अमल होने वाला है। इसे जल्द ही लीज पर खेल विभाग को दे दिया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव बनाया जा रहा है। इस संबंध में खेल निदेशक आरपी सिंह का कहना है कि सूचना मिली है। जल्द ही हैंडओवर होने की संभावना है। हैंडओवर होने के बाद हम जल्द उसका उपयोग खिलाड़ियों के लिए शुरू कर देंगे। हड़ाइन खेड़ा में करीब 15 साल पहले शूटिंग रेंज का निर्माण नगर निगम ने शुरू कराया था। शूटिंग रेंज पर कुल 54 करोड़ का बजट खर्च होना था और तीन चरणों में काम पूरा होना था। यह 37 एकड़ में बनना था। पहले चरण में करीब 18 करोड़ का काम हुआ, मगर उसके बाद बजट ही शासन से जारी नहीं हुआ। ऐसे में शूटिंग रेंज के जो और काम होने थे, वह अटक गए। ऐसे में शूटिंग के बेहतर खिलाड़ी बनाने की कवायद अधूरी रह गई। बीते साल आडिट विभाग ने यह आपत्ति उठाई थी कि शूटिंग रेंज पर जो 17.71 करोड़ रुपये का अलाभकारी व्यय किया गया है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वापसी को तैयार स्मृति मंधाना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच ट्रॉय कूली को उम्मीद है कि स्मृति मंधाना आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आज खेले जाने वाले मैच में टीम का हिस्सा होंगी। 26 वर्षीय मंधाना, उंगली की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ भारत के शुरूआती ग्रुप मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं थी। यह मैच भारत ने सात विकेट से जीता था। लेकिन भारत का यह स्टार सलामी बल्लेबाज न्यूलैंड्स में होने वाले मैच के लिए प्री-मैच ट्रेनिंग सेशन के बाद वापसी करने के लिए तैयार है। कूली ने कहा, वह बहुत मेहनत कर रही है और प्रशिक्षण के बाद उसका मूल्यांकन किया जाएगा, उसने वह सब कुछ किया जो करने की आवश्यकता थी और हमें पूरा विश्वास है कि वह सत्र के माध्यम से ठीक हो गई हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मंधाना की अनुपस्थिति में जेमिमाह रोड्रिग्स ने 38 गेंदों में नाबाद 53 रनों की पारी खेलकर भारत को 1 ओवर शेष रहते सात विकेट से जीत दिलाई। भारतीय टीम की इस तरह की शुरूआत पर कूली ने खुशी जताई हुई। साथ ही उन्होंने दीप्ति शर्मा का समर्थन भी किया, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अपने चार ओवरों में 39 रन दिये। कूली ने कहा, उसने पावरप्ले में तीन ओवर फेंके और एक डेथ ओवर में जब केवल तीन क्षेत्ररक्षक सर्कल के बाहर थे। दीप्ति हमारे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है और रन लुटाना टी-20 क्रिकेट की प्रकृति है, लेकिन उन्होंने उच्च दबाव की स्थिति में गेंदबाजी की और हमें विश्वास है कि आगे के मैचों में वह अच्छी गेंदबाजी करेंगी।

रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने रचा इतिहास, पूरी दुनिया पर अब हुआ भारत का राज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम ने 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पारी और 132 रन से मात दी। इसी के साथ टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे हो गई। वहीं इस जीत के साथ ही आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में भी टीम इंडिया नंबर एक पर पहुंच गई हैं। टेस्ट में नंबर एक बनने के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम ने क्रिकेट में एक नया इतिहास रच दिया है।

टीम इंडिया रैंकिंग में नंबर एक

भारतीय क्रिकेट टीम इतिहास में पहली बार तीनों फॉर्मेट में नंबर एक बन चुकी है। टीम इंडिया पहले से ही वनडे और टी20 में नंबर एक की कुर्सी पर बैठी हुई थी, लेकिन अब भारतीय टीम ने टेस्ट में भी नंबर एक का पायदान हासिल कर लिया है। पहले टेस्ट में पारी और 132 रनों की जीत के साथ टीम इंडिया के 132 रेटिंग अंक हो चुके हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम 126 अंकों से सीधा गिरकर 111 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

आजतक कभी नहीं हुआ ऐसा

बता दें कि आजतक कभी भी टीम इंडिया एक साथ तीनों फॉर्मेट में नंबर एक नहीं बनी है। यानी कि रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया है। एक ही साथ तीनों फॉर्मेट में नंबर एक बनने का रिकॉर्ड सिर्फ साउथ अफ्रीकी टीम के नाम है। साउथ अफ्रीका 2013 में एक ही साथ वनडे, टेस्ट और टी20 की नंबर एक टीम बनी थी। अफ्रीकी टीम के बाद अबतक कोई भी टीम दोबारा ऐसा नहीं कर पाई है। लेकिन रोहित की सेना ने 10 साल बाद ये मुकाम हासिल कर लिया है।

कैसा है रैंकिंग्स का हाल?

मौजूदा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग्स का हाल देख जाए तो भारतीय टीम 115 रेटिंग अंकों के साथ पहले पायदान पर है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम 111 रेटिंग अंक के साथ नंबर दो पर है। इसके अलावा 106 अंकों के साथ इंग्लैंड की टीम तीसरे नंबर पर। चौथे नंबर पर 100 अंकों के साथ न्यूजीलैंड की टीम है। पांचवें नंबर पर 85 अंकों के साथ दक्षिण अफ्रीकी टीम है। वहीं वेस्टइंडीज की टीम 79 अंकों के साथ छठे नंबर पर है।

खेल का आनंद लें और जब योगदान करने में सक्षम न हों, तब संन्यास पर विचार करें : चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में अपना 100वां टेस्ट खेलने के लिए तैयार भारत के सीनियर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को अपनी उम्र को लेकर चल रही बातचीत की चिंता नहीं है। पुजारा की उम्र अभी 35 साल है और उनसे बड़े इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन (40 वर्ष) और स्टुअर्ट ब्रॉड (36) अभी भी क्रिकेट खेल रहे हैं और इन दोनों ने साबित कर दिया है कि आधुनिक क्रिकेट में उम्र कोई बाधा नहीं है। पुजारा का दर्शन सरल है - खेल का आनंद लें और जब योगदान करने में सक्षम न हों, तब जाकर संन्यास के बारे में विचार करें। पुजारा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बातचीत में कहा, मैं अपने लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं करना चाहता। मैं वर्तमान में रहना चाहता हूं। मैं यह सोचने के बजाय कि मैं कब तक खेलूंगा, एक बार में एक टेस्ट मैच पर ध्यान केन्द्रित करता हूं। उन्होंने कहा, खेल का आनंद लेना महत्वपूर्ण है, अपने खेल के शीर्ष पर होना महत्वपूर्ण है, और जब भी आप योगदान देने में सक्षम नहीं होते हैं, या आप अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, तो आप अगले कदम पर विचार कर सकते हैं।

पुजारा शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम मैदान पर कदम रखते ही 100 या उससे अधिक टेस्ट खेलने वाले 13वें भारतीय बन जाएंगे। उन्होंने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और तब से अब तक कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ अपने पेशेवर करियर में कठिनाइयों को दूर करते हुए सबसे लंबे प्रारूप में खुद को बनाए रखा है। आगामी मील के पत्थर पर, जहां स्टेडियम में उनका परिवार उन्हें चीयर करने के लिए मौजूद होगा, पुजारा ने कहा, हां, यह मेरा 100वां टेस्ट मैच होगा, लेकिन आपको अभी भी टीम के लिए काम करना है और आप उस पर थोड़ा ध्यान देते हैं। हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम सीरीज खेल रहे हैं।

पुजारा ने कहा, दूसरा टेस्ट मेरा 100वां टेस्ट होगा, लेकिन इसके बाद दो और टेस्ट होंगे, जो डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए हमारे लिए जीतना बहुत महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अनुशासन सबसे बड़े विशेषाधिकारों में से एक है क्योंकि पांच दिवसीय खेल किसी के चरित्र, धैर्य और स्वभाव का परीक्षण करता है। उन्होंने कहा, आपकी परीक्षा आपके चरित्र में, आपके स्वभाव में, आपके धैर्य में, एक व्यक्ति के रूप में होती है। यह इस बारे में भी है कि आप मैदान के बाहर कैसा व्यवहार करते हैं, और इसका भी प्रभाव पड़ता है कि आप मैदान पर क्या करते हैं। टेस्ट क्रिकेट में आपको परिणाम मैदान पर ही देखने को मिलते हैं। इसलिए टेस्ट क्रिकेट खास है।

उन्होंने कहा, यदि आप सिर्फ सफेद गेंद का क्रिकेट खेल रहे हैं और यदि आपका लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट खेलना है, तो आपको निश्चित रूप से रणजी ट्रॉफी खेलना चाहिए। अन्यथा आप अंततः रेड-बॉल क्रिकेट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेनकाब हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यदि आप टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वालों का उदाहरण देखें, तो उन्होंने कुछ रेड-बॉल क्रिकेट खेला होगा-चाहे वह रणजी ट्रॉफी हो या दलीप ट्रॉफी। यह गेंदबाजों के लिए थोड़ा अलग है, लेकिन एक बल्लेबाज के लिए लाल गेंद से क्रिकेट खेलना महत्वपूर्ण है।

आईएसएल मेहमान टीम लीग चरण में अपराजित रहने वाली पहली आईएसएल टीम बनने से केवल दो नाबाद मुकाबले दूर है.....

लीग शील्ड विजेता मुम्बई को हराकर शीर्ष 6 में स्थान मजबूत करना चाहेगा बेंगलुरु

बेंगलुरु, एजेंसी

प्लेऑफ क्वालीफिकेशन के लिए अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वियों से सिर्फ एक अंक आगे बेंगलुरू एफसी का इरादा अपने स्थान को मजबूती देने का होगा, जब ब्लूज बुधवार शाम को अपने घरेलू मैदान श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेले जाने वाले अपने अगले हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2022-23 मुकाबले में मुम्बई सिटी एफसी जैसी बेहद सशक्त टीम का सामना करेंगे। शानदार हालिया फॉर्म के मामले में ब्लूज लीग शील्ड विजेता आइलैंडर्स के सबसे नजदीकी हैं। मेहमान टीम लीग चरण में अपराजित रहने वाली पहली आईएसएल टीम बनने से केवल दो नाबाद मुकाबले दूर है। बेंगलुरू एफसी की टीम का मनोबल काफी ऊंचा है जिसने पिछले सप्ताहांत में हीरो आईएसएल में अपनी लगातार जीत की लय को छह मैचों तक पहुंचाया है, जो अब तक की उनकी सबसे लंबी जीत का सिलसिला है। चिर-प्रतिद्वंद्वी केरल ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ एक बहुत जरूरी जीत ने ब्लूज को प्लेऑफ स्थानों में वापस ला दिया। दूसरी ओर, बेंगलुरू एफसी को उस जीत के दौरान झटका लगा, जब पराग श्रीवास और रॉय कृष्णा को सीजन में चौथी बार येलो कार्ड दिखाया गया, जिस कारण वे बुधवार को होने वाले मुकाबले में निलंबित रहेंगे। ब्लूज के हेड कोच साइमन ग्रेसन ने पिछले पांच मैचों में बैक-थ्री की एक जैसी डिफेंसिव लाइन को मैदान में उतारा है,

लेकिन उनको अब इसमें बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ऐसी संभावना है कि एलेक्जेंडर जोवानोविक की रक्षापंक्ति में श्रीवास की जगह उतरेंगे, जबकि सुनील छेत्री और उदांता सिंह अग्रिम पंक्ति में कृष्णा की जगह लेंगे। ब्लूज के हेड कोच साइमन ग्रेसन ने कहा, मुम्बई सिटी एफसी को लीग शील्ड जीतने पर बधाई। वे पूरे सीजन में बेहद शानदार रहे हैं। वे आईएसएल में अपराजित रहने वाली एकमात्र टीम बनने की कोशिश करेंगे, और हमारा लक्ष्य उन्हें रोकने की कोशिश करना और तीन अंक बटोरना है।₹ उन्होंने कहा, ₹हम इन बड़े मुकाबलों का आनंद ले रहे हैं। सप्ताहांत में हमें शानदार परिणाम मिला। यह इतिहास है और अब हम अगले मैच पर ध्यान दे रहे हैं जो कि काफी महत्वपूर्ण है। मुम्बई सिटी एफसी ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए शनिवार को एफसी गोवा को हराया, जो कि उनके जबर्दस्त अभियान की 14वीं जीत थी और इससे उन्होंने हीरो आईएसएल 2022-23 लीग शील्ड अपने नाम की। ग्रेग स्टीवर्ट ने अपने खाते में कुछ गोल जोड़े, जबकि जॉर्ज डियाज ने इस सीजन की गोल्डन बूट रेस में ईस्ट बंगाल एफसी के क्लिटन सिल्वा के साथ अपने अंतर को घटाकर केवल एक गोल पर ला दिया। लल्लिंजुआला छांगटे ने इस सीजन में एक गोल और एक सहायता जोड़कर दाहिने फ्लैंक पर प्रभावी प्रदर्शन जारी रखा है।

मुम्बई सिटी एफसी के किसी भी खिलाड़ी ने पिछले मैच में बुकिंग नहीं ली और आईलैंडर्स के मुख्य कोच डेस बकिंघम को खिलाड़ियों के निलंबन को लेकर कोई चिंता नहीं है।

आईलैंडर्स के मुख्य कोच डेस बकिंघम ने कहा, यह क्लब से जुड़े सभी लोगों के लिए एक शानदार उपलब्धि है, लेकिन अभी हमारा काम समाप्त नहीं हुआ है। हमारे अभी भी लीग में दो बहुत महत्वपूर्ण मुकाबले शेष हैं जिन्हें हम मजबूती से खत्म करना चाहते हैं।₹ उन्होंने कहा, ₹फिर हमें कोशिश करनी होगी और खिताबी डबल करने में जुटना होगा। सेमीफाइनल बेहद चुनौतीपूर्ण और कड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ होगा। हम बीएफसी के खिलाफ मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और फिर हम अपना ध्यान अपने घरेलू मैच पर लगाएंगे, जिसके बाद हम जश्न मना सकते हैं। दोनों टीमों के बीच 11 हीरो आईएसएल मुकाबलों में, केवल चार ब्लूज के पक्ष में गए हैं, जबकि आइलैंडर्स छह मौकों पर विजयी हुए हैं।

मोदी, बाइडन ने अमेरिका एवं भारत के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी की महत्ता पर चर्चा की : अमेरिका

● प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को और गहरा करना चाहते हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका और भारत के बीच प्रौद्योगिकी संबंधी साझेदारी की महत्ता पर चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। दोनों नेताओं ने अपनी बातचीत में साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग को विस्तार देने एवं आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर व क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) जैसे समूहों में काम करते रहने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने एअर इंडिया और बोइंग के बीच ऐतिहासिक समझौते की घोषणा के बाद मंगलवार को फोन पर बात की। इस समझौते के तहत एअर इंडिया अमेरिकी विमान निमार्ता से 200 विमान खरीदेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय व्हाइट हाउस की यह पूछे जाने पर कि क्या बाइडन ने प्रधानमंत्री मोदी को इन गर्मियों में व्हाइट हाउस आमंत्रित किया है, पियरे ने कहा, मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगी, लेकिन उनके बीच अच्छी बातचीत हुई। प्रेस सचिव के अनुसार, उन्होंने बोइंग और एअर इंडिया के बीच हुए ऐतिहासिक समझौते पर चर्चा की। पियरे ने कहा, ह्यह्यराष्ट्रपति बाइडन ने उल्लेख किया कि यह बिक्री 44 राज्यों में कैसे 10 लाख से अधिक अमेरिकी नौकरियों में मददगार होगी और किस प्रकार एअर इंडिया को भारत में हवाई परिवहन की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। बाइडन ने बोइंग-एअर इंडिया के बीच समझौते की घोषणा करते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को और गहरा करना चाहते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस की एक घोषणा के अनुसार, बोइंग और एअर इंडिया के बीच एक सहमति बनी है, जिसके तहत एअर इंडिया बोइंग से 34 अरब डॉलर में 220 विमान खरीदेगी। इनमें 190 बी737 मैक्स 20 बी787, और 10 बी777एक्स शामिल हैं। समझौते के तहत 70 और विमान खरीदने का विकल्प होगा जिससे कुल लेन-देन मूल्य 45.9 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इससे पहले नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया था कि दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी से और सार्थक वातार्लाप हुई। मोदी ने एक ट्वीट में कहा था, राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बात करके खुशी हुई। हम ऐतिहासिक एअर इंडिया और बोइंग समझौते का स्वागत करते हैं, जो दोनों देशों में नए अवसर पैदा करने में मदद करेगा। पीएमओ ने कहा कि मोदी और बाइडन ने भारत-अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी प्रगाढ़ होने पर संतोष व्यक्त किया, जिसके परिणामस्वरूप सभी क्षेत्रों में मजबूत विकास हुआ है।

प्रेस सचिव कैरीन ज्यां पियरे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा

मोदी एवं बाइडन ने भारत और अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी के महत्व पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने अमेरिका-भारत संबंधों की ताकत की पुष्टि की और अपनी साझी प्राथमिकताओं पर सहयोग को विस्तार देने एवं आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर व क्वाड जैसे समूहों में एवं मिलकर काम करते रहने की प्रतिबद्धता जताई। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी के बीच इस अहम क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को हर प्रकार के प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नई रणनीति विकसित करने के लिए काफी समय से लंबित क्वाड की स्थापना के प्रस्ताव को नवंबर 2017 में आकार दिया था।

भूकंप के 212 घंटे बाद जीवित निकाले गये 77 वर्षीय बुजुर्ग

नई दिल्ली, एजेंसी

तुर्की और सीरिया में पिछले दिनों आए विनाशकारी 7.8 तीव्रता के भूकंप के 212 घंटे बाद मंगलवार यानी 14 फरवरी को बचाव व राहतकर्मियों ने अदियामन में मलबे से 77 वर्षीय एक व्यक्ति को जीवित बचाया। तुर्की और इसके पड़ोसी सीरिया में छह फरवरी को आई आपदा में मरने वालों की संख्या 41000 हो गयी है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने हालांकि, कहा है कि सहायता के प्रयास का ध्यान उन लोगों की मदद करने की ओर शिफ्ट हो गया है जो अब आश्रय या कड़कड़ाती ठंड में में पर्याप्त भोजन की कमी और अन्य परेशानियों का सामना कर रहे हैं। लेकिन बचावकर्ता अभी भी भूकंप के एक सप्ताह से अधिक समय से जीवित बचे लोगों को मलबे के नीचे जमीन से बाहर निकालने में प्रयासरत हैं। दोंनों देशों में भूकंप ने कई शहरों में तबाही मचाई है। इसके चलते कड़ाके की ठंड के बीच लोग बेघर हो गए हैं। गौरतलब है कि सोमवार यानी 13 फरवरी को तुर्की में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप के झटके इतने तेज रहे कि भारतीय सेना के अस्पताल में भी में भी दरारें पड़ गई हैं। कुछ और जगहों से भी नुकसान की खबरें आ रही हैं। इस समय सावधानी बरतते हुए भारतीय सेना के जवान भी बिल्डिंग की जगह टेंट में रह रहे हैं। गौरतलब है कि तुर्की और सीरिया में कुछ दिन पहले भूकंप से भारी तबाही देखने को मिली थी। अभी भी जमीन पर रेस्क्यू जारी है और लगातार शव बाहर निकाले जा रहे हैं। इस रेस्क्यू मिशन में भारत ने तुर्की की बड़ी मदद की है। एनडीआरफ की कई टीमें भेजी गई हैं, राहत सामग्री भी लगातार पहुंचाई जा रही है। भारतीय सेना ने तो तुर्की में अपने अस्पताल भी बना लिए हैं जहां पर घायलों को उपचार मिल रहा है। कुछ दूसरे देश भी अपनी तरफ से तुर्की को सहायता भेज रहे हैं। तुर्की में भूकंप का पहला झटका 6 फरवरी की सुबह 4.17 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.8 मैग्नीट्यूड थी. भूकंप का केंद्र दक्षिणी तुर्की का गाजियांटेप था। इससे पहले की लोग इससे संभल पाते कुछ देर बाद ही भूकंप का एक और झटका आया, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.4 मैग्नीट्यूड थी। भूकंप के झटकों ने मालाटया, सनलीउर्फा, ओस्मानिए और दियारबाकिर सहित 11 प्रांतों में तबाही मचा दी। शाम चार बजे भूकंप का एक और यानी चौथा झटका आया। बताया जा रहा है कि इस झटके ने ही सबसे ज्यादा तबाही मचाई। इसके ठीक डेढ़ घंटे बाद शाम 5.30 बजे भूकंप का पांचवां झटका आया। गौरतलब है कि इसे बड़े भूकंप से पहले साल 1999 में भी तुर्की में भारी तबाही देखने को मिली थी। तब भूकंप ने 18000 लोगों की जान ली थी।

संक्षिप्त खबरें

ट्विटर के लिए इस साल के अंत तक कोई और सीईओ मिल जाने की उम्मीद : एलन मस्क

अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने बुधवार को कहा कि उन्हें संभवतः इस साल के अंत तक ट्विटर के लिए कोई और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मिल जाने की उम्मीद है। ट्विटर के मौजूदा सीईओ मस्क ने दुबई में ह्यवर्ल्ड गवर्नमेंट समिट को एक वीडियो कॉल के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए यह सुनिश्चित करना सबसे जरूरी है कि यह सोशल मीडिया मंच काम करना जारी रख सके। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझे इस संगठन को स्थिर करने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इसकी वित्तीय स्थिति मजबूत रहे। यह पूछे जाने पर कि वह ट्विटर के सीईओ का नाम कब घोषित करेंगे, मस्क ने कहा, मेरा अनुमान है कि इस साल के अंत तक इस कंपनी को चलाने के लिए किसी और को ढूंढना उचित समय होगा। मस्क (51) ने शुरूआत में पेपैल वित्तीय वेबसाइट से धन कमाया। उसके बाद उन्होंने अंतरिक्ष यान कंपनी स्पेसएक्स की स्थापना की और फिर इलेक्ट्रॉनिक कार कंपनी टेस्ला में निवेश किया और हालिया महीनों में माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर की 44 अरब डॉलर की खरीद के कारण पैदा हुई उथल-पुथल से वह सुर्खियों में रहे।

कनाडा में मंदिर की दीवारों पर खालिस्तानियों ने लिखे भारत-विरोधी नारे, भारते ने उठाया यह मुद्दा

कनाडा में एक प्रमुख मंदिर की दीवारों पर खालिस्तानी चरमपंथियों ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए भारत विरोधी नारे लिखे गए। यहां भारतीय मिशन ने इस घटना की निंदा करते हुए कनाडाई अधिकारियों से अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने की अपील की। घटना 13 फरवरी को मिसिसॉगा के एक राम मंदिर में हुई। हालांकि, घटना के समय का पता नहीं चला है। टोरंटो में भारत के वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को ट्वीट किया, हम मिसिसॉगा में राम मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने पर इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। हमने कनाडा के अधिकारियों से घटना की जांच करने और दोषियों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। मंदिर के फेसबुक पेज पर लिखा गया है, ओंटारियो के मिसिसॉगा में श्री राम मंदिर की दीवारें रात में (13 फरवरी को) गंदी कर दी गयीं। हम इस घटना से बहुत परेशान हैं और हम इस मामले पर उचित कानून प्रवर्तन प्राधिकरण के साथ काम कर रहे हैं ह्व मंदिर की दीवारों पर खालिस्तानी समर्थक नारे और भारत विरोधी नारे लिखे गये हैं। यह पहली बार नहीं है कि कनाडा में मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी नारे लिखे गये हैं। जनवरी में, कनाडा में एक मंदिर की दीवार पर भारत विरोधी नारे लिखे हुए मिले थे, जिससे भारतीय समुदाय में आक्रोश फैल गया था।

भारतीय मूल की निक्की हेली लड़ेंगी अमेरिका के अगले राष्ट्रपति का चुनाव

2024 चुनाव लड़ने का एलान सुश्री हेली, डोनल्ड ट्रंप के लिए बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने अमेरिका में 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की घोषणा किया है। इसके लिए उन्होंने अपनी दावेदारी पेश कर दी है। सुश्री हेली दक्षिण कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत रही हैं। उन्होंने मंगलवार देर शाम राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का एलान किया।

वर्ष 2024 राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का एलान करने के बाद सुश्री हेली रिपब्लिकन नामांकन के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के लिए पहली बड़ी चुनौती बन गई हैं। उन्होंने दो साल पहले कहा था कि वह 2024 में व्हाइट हाउस के लिए अपने पूर्व बॉस यानी श्री ट्रंप को चुनौती नहीं देंगी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली के अमेरिका में 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी दावेदारी पेश करने के बाद ये साफ हो गया है कि वह पूर्व राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के लिए चुनौती पेश करेंगी। उन्होंने एक वीडियो के जरिए राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपनी दावेदारी पेश की। दो साल पहले वह श्री ट्रंप के लिए चुनौती नहीं थी, लेकिन अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है। दरअसल भारतीय मूल की अमेरिकन रिपब्लिकन पार्टी नेता निक्की हेली ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के खिलाफ अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव 2024 लड़ने के संकेत बीते महीने ही दे दिए थे। इंटरव्यू में जनवरी में अमेरिकन रिपब्लिकन पार्टी नेता हेली से जब ये पूछा गया कि क्या वह 2024 का अमेरिका के राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने जा रही हैं, तो उन्होंने जवाब दिया,ये न्यू जेनरेशन वक्त है, यह नई लीडरशिप का वक्त है, और यह हमारे देश को वापस लेने का वक्त है। अमेरिका लड़ाई के लिए तैयार है और हम अभी शुरूआत कर रहे हैं। दरअसल निक्कीअ ने अप्रैल 2021 में कहा था कि पूर्व राष्ट्रापति डोनल्ड ट्रंप के 2024 के व्हाकइट हाउस चुनाव की दौड़ में होने पर सुश्री मैदान में नहीं उतरेंगी, लेकिन जनवरी में उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि रिपब्लिकन पार्टी को भी यंग लीडरशिप की जरूरत है। रिपब्लिकन पार्टी नेता हेली ने कहा था कि श्री बाइडन दूसरे कार्यकाल के हकदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि था रिपब्लिकन को सरकार में वापस लाने की जरूरत है जो लीडरशिप कर सकते हैं और चुनाव जीत सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव पांच नवंबर, 2024 में होने जा रहा है। इस इंटरव्यू में उन्होंने यह भी कहा था कि वह महसूस करती हैं कि वह देश को नई दिशा में ले जाने वाले नेता के तौर पर सामने आ सकती हैं।

● अमेरिका लड़ाई के लिए तैयार है और हम अभी शुरूआत कर रहे हैं।

● रिपब्लिकन को सरकार में वापस लाने की जरूरत जो लीडरशिप कर सकते हैं और चुनाव जीत सकते हैं।

बीबीसी दफ्तर पर कर विभाग की कार्रवाई से अवगत हैं, कोई निर्णय नहीं दे सकते: अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली में बीबीसी के कार्यालय पर भारतीय कर प्राधिकारियों द्वारा किए जा रहे सर्वे ऑपरेशन से अवगत है, लेकिन वह कोई निर्णय देने की स्थिति में नहीं हैं। आयकर प्राधिकारियों ने कहा है कि यह कार्रवाई कर चोरी की जांच के सिलसिले में की गई है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम भारतीय कर अधिकारियों द्वारा दिल्ली में बीबीसी कार्यालयों की तलाशी लिए जाने के बारे में जानते हैं। आपको इस संबंधी जानकारी हासिल करने के लिए भारतीय प्राधिकारियों के पास जाना चाहिए। प्राइस ने कहा, हम दुनियाभर में स्वतंत्र प्रेस की महत्ता का समर्थन करते हैं। हम दुनियाभर में लोकतंत्रों को मजबूत करने में योगदान देने वाले मानवाधिकारों के तौर पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धर्म एवं आस्था की स्वतंत्रता की महत्ता पर जोर देते हैं। इसने इस देश में यहां लोकतंत्र को मजबूत किया है। इसने भारत के लोकतंत्र को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि ये सार्वभौमिक अधिकार दुनियाभर के लोकतंत्रों का आधार हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या यह कदम लोकतंत्र की भावना या मूल्यों के खिलाफ है, प्राइस ने कहा, ह्यह्यमैं ऐसा नहीं कह सकता। हम इन तलाशियों (सर्वे ऑपरेशन) के तथ्यों से अवगत हैं, लेकिन मैं कोई निर्णय देने की स्थिति में नहीं हूं। आयकर विभाग ने मंगलवार को कथित कर चोरी की जांच के तहत दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के कार्यालयों तथा दो अन्य संबंधित स्थानों पर 10 घंटे से अधिक समय तक सर्वे ऑपरेशनह्वचलाया। बीबीसी द्वारा दो-भाग वाले वृत्तचित्र इंडियाः द मोदी क्वेश्चन को प्रसारित करने के कुछ सप्ताह बाद यह औचक कार्रवाई हुई। कर अधिकारियों ने कहा कि सर्वे अंतरराष्ट्रीय कराधान और बीबीसी की सहायक कंपनियों के ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए किया गया है।

बीबीसी को नोटिस दिया था

अतीत में बीबीसी को नोटिस दिया गया था लेकिन उसने उस पर गौर नहीं किया और उसका पालन नहीं किया तथा उसने अपने मुनाफे के खास हिस्से को अन्यत्र अंतरित किया। सर्वे ऑपरेशन के तहत, आयकर विभाग केवल कंपनी के व्यावसायिक परिसर की ही जांच करता है और इसके प्रवर्तकों या निदेशकों के आवासों और अन्य स्थानों पर छापा नहीं मारता।

वित्तीय स्थिति समेत कई कारणों से पाकिस्तान का दृष्टिकोण नकारात्मक करार

● फिच ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अप्रैल में अविश्वास मत के जरिए सत्ता से हटाने और जल्द चुनाव कराने की उनकी मांग का भी जिक्र किया।

नई दिल्ली, एजेंसी

रेटिंग एजेंसी फिच ने समायोजन जोखिम, वित्तपोषण, राजनीतिक जोखिम और घटते भंडार सहित डाउनग्रेड के कई कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान के दृष्टिकोण को स्थिर से नकारात्मक में संशोधित किया है। एक रिपोर्ट में, न्यूयॉर्क स्थित एजेंसी (तीन प्रमुख वैश्विक रेटिंग एजेंसियों में से एक) ने पाकिस्तान की दीर्घकालिक विदेशी-मुद्रा (एलटीएफसी) जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग (आईडीआर) माइनस बी पर भी पुष्टि की। फिच ने वर्ष की शुरूआत के बाद से पाकिस्तान की बाहरी स्थिति और वित्तपोषण की स्थिति में महत्वपूर्ण गिरावट का उल्लेख किया। रेटिंग एजेंसी ने माना कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड इस महीने की शुरूआत में पाकिस्तान के साथ कर्मचारी-स्तर के समझौते को मंजूरी देंगे, इसने कार्यान्वयन के लिए काफी जोखिम देखा। एजेंसी ने कठिन राजनीतिक और आर्थिक माहौल के बीच अगले साल जून में विस्तारित वित्त पोषित सुविधा (ईएफएफ) समर्थित कार्यक्रम की समाप्ति के बाद वित्तपोषण तक पहुंच जारी रखने के जोखिमों को भी देखा। फिच ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अप्रैल में अविश्वास मत के जरिए सत्ता से हटाने और जल्द चुनाव कराने की उनकी मांग का भी जिक्र किया। रिपोर्ट में कहा गया,नई सरकार को संसद में केवल मामूली व कम बहुमत वाली पार्टियों के असमान गठबंधन का समर्थन प्राप्त है। अक्टूबर 2023 में नियमित चुनाव होने हैं, जिससे आईएमएफ कार्यक्रम के समापन के बाद नीतिगत चूक का जोखिम पैदा होता है। फिच ने यह भी कहा, ह्लनवीनीकृत राजनीतिक अस्थिरता को बाहर नहीं किया जा सकता है और अधिकारियों के राजकोषीय और बाहरी समायोजन को कमजोर कर सकता है, जैसा कि 2022 और 2018 की शुरूआत में हुआ था, विशेष रूप से धीमी वृद्धि और उच्च मुद्रास्फीति के मौजूदा माहौल में। फिच की रिपोर्ट के अनुसार, डाउनग्रेड के पीछे एक अन्य कारक विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव है, जो कि इस साल जून तक लगभग 10 अरब डॉलर या मौजूदा बाहरी भुगतान के एक महीने से कुछ अधिक तक गिर गया था, जो इस समय पिछले साल लगभग 16 अरब डॉलर से कम था।

अमेरिका: सीएसपीए के तहत नीति नियमावली में बदलाव, भारतीयों को होगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने चाइल्ड स्टेटस प्रोटेक्शन एक्ट (बाल स्थिति संरक्षण अधिनियम यानी सीएसएपीए) के तहत कुछ स्थितियों में किसी प्रवासी की आयु की गणना के मकसद के लिए नीति संबंधी एक नियमावली के अद्यतन की घोषणा की है। यह कदम भले ही छोटा है, किंतु इसे उन लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए एक अहम कदम के तौर पर देखा जा रहा है, जिनकी वीजा हासिल करने की आयु सीमा निकल गई है, जबकि वे अपने माता-पिता के साथ बचपन में वैध रूप से अमेरिका आए थे। इनमें बड़ी संख्या में भारतीय हैं। अमेरिका में परिवार द्वारा प्रायोजित या रोजगार-आधारित वीजा के लिए अपने माता-पिता की स्वीकृत अर्जी के आधार पर वैध स्थायी निवासी का दर्जा प्राप्त करने के लिए आवेदक की आयु 21 वर्ष से कम होनी चाहिए। यदि आव्रजन की प्रक्रिया के दौरान आवेदक 21 वर्ष का हो जाता है, यानी अगर उसकी आयु निर्धारित उम्र से अधिक हो जाती है, तो वह माता-पिता की अर्जी के आधार पर उनके साथ रहने का आम तौर पर हकदार नहीं रहता। निर्धारित आयु बीत जाने के कारण परेशानियों का सामना कर रहे करीब दो लाख लोगों का नेतृत्व करने वाले इम्यूवदड्रीम डॉट ओआरजी के दीप पटेल ने कहा, यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) ने आधिकारिक रूप से वह नीतिगत बदलाव किया, जिसका हम लंबे समय से अनुरोध कर रहे थे। यूएससीआईएस सीएसपीए की आयु निर्धारित करने के लिए फाइलिंग चार्ट की तारीखों का उपयोग करेगा और पहले अस्वीकृत की जा चुकी अर्जी को फिर से दाखिल किया जा सकता है। संघीय एजेंसी ने बताया कि यूएससीआईसी नए दिशा-निर्देश के तहत सीएसपीए के लिए इन प्रवासियों की आयु की गणना के मकसद से ह्यफाइनल एक्शन डेट चार्टह्व के बजाय डेट्स ऑफ फाइलिंग चार्ट का इस्तेमाल करेगा।

समुद्रों के बढ़ते जलस्तर के कारण कुछ देशों के अस्तित्व पर होगा संकट : गुतारेस

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने मंगलवार को सचेत किया कि यदि ग्लोबल वार्मिंग को चमत्कारिक रूप से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित कर भी लिया जाए, तो भी समुद्र का जलस्तर काफी बढ़ेगा और बांग्लादेश, चीन एवं भारत जैसे देशों के लिये यह खतरे की बात है। गुतारेस ने कहा कि पृथ्वी के ग्लोबल वार्मिंग की ऐसी राह पर आगे बढ़ने की आशंका है, जहां समुद्रों का जलस्तर बढ़ने का मतलब कई देशों के लिए अस्तित्व का संकट होगा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि डिग्री का हर अंश मायने रखता है, क्योंकि अगर तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो समुद्र का स्तर दोगुना हो सकता है। उन्होंने समुद्र के स्तर में वृद्धि पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के उद्घाटन पर कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की खातिर आवश्यक कदम उठाने के लिए समर्थन तैयार करने में परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस बैठक में 75 देशों ने भाग लिया। गुतारेस ने कहा कि किसी भी परिदृश्य में बांग्लादेश, चीन, भारत और नीदरलैंड जैसे देश जोखिम में हैं और काहिरा, लागोस, मापुटो, बैंकॉक, ढाका, जकार्ता, मुंबई, शंघाई, कोपेनहेगन, लंदन, लॉस एंजिलिस, न्यूयॉर्क, ब्यूनस आयर्स और सैंटियागो सहित हर महाद्वीप के बड़े शहरों पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने मंगलवार को गुतारेस द्वारा उद्धृत आंकड़े जारी किए, जिनमें कहा गया है कि यदि तापमान में बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित कर लिया जाता है, तो वैश्विक मध्यमान समुद्र स्तर अगले 2,000 वर्षों में लगभग दो मीटर से तीन मीटर (लगभग 6.5 से 9.8 फीट) तक बढ़ जाएगा। डब्ल्यूएमओ के अनुसार, तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के होने पर समुद्र का जलस्तर छह मीटर (19.7 फीट) तक बढ़ सकता है और पांच डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने पर यह 22 मीटर (72 फीट) तक बढ़ सकता है। गुतारेस ने कहा कि दुनिया वर्तमान नीतियों के कारण तापमान में 2.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी की ओर बढ़ रही है जो उन देशों के लिए मौत की सजा जैसा है, जिन पर खतरा अधिक है।

पेट्रोल बम एक और पेट्रोल बम गिराने की तैयारी कर रही है सरकार.....

जनता पर एक और पेट्रोल बम गिराएगी पाक सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान को दिवालिएपन और वित्तीय मंदी के मंडराते खतरे से बचाने के लिए एक और कड़ा फैसला लेते हुए शाहबाज शरीफ सरकार 16 फरवरी (गुरुवार) से ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी कर जनता पर एक और पेट्रोल बम गिराने की तैयारी कर रही है। सरकारी तिमाहियों में एक स्रोत के अनुसार, पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कम से कम 12.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की संभावना है। सूत्रों ने कहा, पेट्रोल की एक्स-डिपो लीटर कीमत कम से कम पीकेआर 32.07, हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) में पीकेआर 32.84 प्रति लीटर, मिट्टी के तेल में पीकेआर 28.05 प्रति लीटर और लाइट डीजल ऑयल (एलडीओ) में 16 फरवरी से कम से कम पीकेआर 9.90 प्रति लीटर पीकेआर की वृद्धि देखी जा सकती है। यह हाल ही में सरकार द्वारा 29 जनवरी को ईंधन की कीमतों में 35 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद आया है। सूत्र ने कहा, संभावना है कि नई कीमतें वर्तमान सरकारी करों और अनुमानित पीएसओ आकस्मिकताओं पर आधारित हैं। सूत्र ने यह भी कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि के निर्णय का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रमुख मांगों में से एक को पूरा करना है, जिसने पाकिस्तान को 50 पीकेआर प्रति लीटर के पेट्रोलियम लेवी की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए कहा है। सूत्र ने कहा, अनुमानित डॉलर/रुपया समायोजन पेट्रोल और एचएसडी दोनों के लिए 15 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर (पीएल) बढ़कर 50 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। ईंधन की कीमतों में वृद्धि जनता के लिए किसी बम लागू होता है, जबकि यह माना जाता है कि एचएसडी पर पेट्रोलियम शुल्क से कम नहीं है, जो पहले से ही बढ़ती महंगाई, बढ़ी हुई गैस और बिजली की प्रति यूनिट कीमतों से पीड़ित हैं। यह कई बहु-राष्ट्रीय और स्थानीय कंपनियों द्वारा अपने संचालन को बंद करने के बाद व्यापक बेरोजगारी के साथ जुड़ा हुआ है जिसने सरकार द्वारा आयात बंद करने और एलसी (लीज क्रेडिट) पर प्रतिबंध के मद्देनजर अपने कर्मचारियों के सदस्यों को कम कर दिया है। वर्तमान में, पेट्रोल पीकेआर 249.80 प्रति लीटर पर उपलब्ध है जबकि एचएसडी पीकेआर 295 प्रति लीटर, मिट्टी का तेल पीकेआर 189.83 प्रति लीटर और एलडीओ पीकेआर 187 प्रति लीटर है। सरकारी सूत्र ने यह भी खुलासा किया कि पेट्रोलियम उत्पादों की फरवरी 2023 की दूसरी छमाही के लिए पूर्व-रिफाइनरी मूल्य में भी 21.4 प्रतिशत की वृद्धि की गणना की गई है। नए निर्णय ने पहले से ही बोझिल आम आदमी के लिए और अधिक चुनौतियों, संघर्षों और कष्टों को जोड़ दिया है, जिन्हें पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी वृद्धि का प्रभाव झेलना पड़ेगा। पेट्रोलियम की कीमतों में बढ़ोतरी का परिवहन उद्योग, कृषि क्षेत्रों और देश में समग्र मुद्रास्फीति पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, जो कि सामान्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं और वस्तुओं की कीमतों में आनुपातिक या अधिक वृद्धि के माध्यम से होगा।

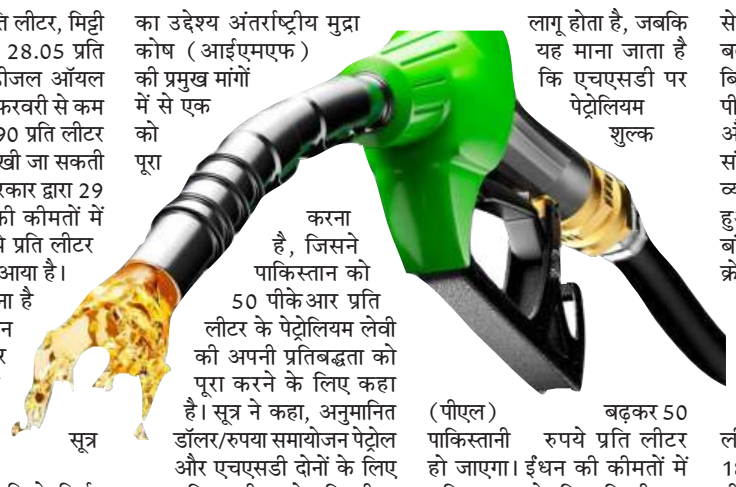

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555